शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 247 | गुवाहाटी | शनिवार, 6 अप्रैल, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

30 देशों में एक लाख जगहों पर मनाया जाएगा रामोत्सव — पेज 2
राज्य के लोग अब सिर्फ विकास की बात करते हैं : केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल — पेज 3
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लक्ष्य वर्ष 2047 में विकसित भारत : केशव प्रसाद मौर्य — पेज 5
अभी भी जीत की खुमारी में डूबा हुआ हूं : शशांक — पेज 7

सीएम ने 50 हजार और नौकरियों का आश्वासन दिया

पुलिस विभाग का साक्षात्कार जुलाई में

तिनसुकिया। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने आज तिनसुकिया जिले के डिगबोई में सर्वानंद सोनोवाल के लिए चुनाव प्रचार किया। चुनावी वादों को पूरा करने के प्रमाण में असम के मुख्यमंत्री ने योग्यता और पारदर्शिता के प्रति सरकार के समर्पण को रेखांकित करते हुए नौकरी के अवसरों के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। सीएम ने कहा कि आप सभी को याद रखना चाहिए कि पिछले विधानसभा चुनाव में मैंने असम के लोगों से कहा था कि अगर हमारी सरकार सत्ता में आई तो मैं युवाओं को 1 लाख सरकारी नौकरियां दूंगा। उन्होंने आगे कहा कि विपक्ष की आलोचना के बावजूद उन्होंने 1 लाख युवाओं को नौकरियां दीं। हिमंत ने आगे कहा कि लड़के आकर मुझसे पूछते हैं कि पुलिस का भागना दोबारा कब होगा? और मैंने उनसे कहा कि हम जुलाई के महीने में फिर से पुलिस के लिए साक्षात्कार आयोजित करेंगे। उन्होंने कहा कि पहले उन्होंने 1 लाख युवाओं को नौकरी दी और अब 50 हजार और सरकारी नौकरियां युवाओं को देंगे। भविष्य को देखते हुए मुख्यमंत्री ने आगे की भर्ती अभियान की योजना का खुलासा करते हुए कहा कि नौकरी के अधिक अवसर पैदा करने के अपने प्रयासों को जारी रखते हुए हम जुलाई में पुलिस पदों के लिए साक्षात्कार आयोजित करेंगे। यह घोषणा राज्य के युवाओं की आकांक्षाओं और जरूरतों को पूरा करने पर निरंतर ध्यान -शेष पृष्ठ दो पर

प्रधानमंत्री की टीम में रहने वाले व्यक्ति को चुनें : मुख्यमंत्री

डिब्रूगढ़ (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि इस चुनाव में ऐसे व्यक्ति को चुनकर दिल्ली भेजें जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टीम में रहने वाला है। यदि विपक्षी दल के उम्मीदवार को चुनाव जिता भी दिया गया तो वह कोई कार्य नहीं कर पाएंगे। मुख्यमंत्री आज डिब्रूगढ़ लोकसभा क्षेत्र के एनडीए तथा भाजपा प्रत्याशी सर्वानंद सोनोवाल के -शेष पृष्ठ दो पर

दस साल में किया गया काम तो केवल ट्रेलर है, अभी बहुत कुछ करना है : मोदी

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी सरकार के बीते दस साल के काम को महज एक *ट्रेलर* (नमूना) बताते हुए शुक्रवार को कहा कि अभी तो बहुत कुछ करना बाकी है तथा देश को बहुत आगे लेकर जाना है। विपक्षी दलों के गठबंधन *इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस* (इंडिया) पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा कि वे सिर्फ अपना हित देखते हैं, उन्हें गरीब, दलित, शोषित-वंचित वर्ग के कल्याण से, उनके सम्मान से कोई मतलब नहीं है। उन्होंने कहा कि सेनाओं का अपमान और देश का विभाजन कांग्रेस की पहचान है। मोदी चुरू में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रत्याशी देवेंद्र झाझड़िया के समर्थन में आयोजित चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने केंद्र में अपनी सरकार के दस साल के कार्यकाल की तुलना रेस्टोरेंट में मुख्य भोजन से पहले परोसे जाने वाले *ऐपेटाइजर* और फिल्म के ट्रेलर से की। उन्होंने कहा कि जीवन के हर पड़ाव पर भाजपा सरकार गरीब के साथ खड़ी है। जो काम इतने दशक में नहीं हुए वे हमने दस -शेष पृष्ठ दो पर

17 को असम आएंगे पीएम, करेंगे मेगा रैली : जयंत मल्लबरुआ

गुवाहाटी। असम के मंत्री जयंत मल्लबरुआ ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी 17 अप्रैल को लोकसभा चुनाव के प्रचार के लिए असम दौरे पर आएंगे। मंत्री मल्लबरुआ ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री के दौरे को अंतिम रूप दिया जा चुका है। वह नलबाड़ी जिले के बोरकुरा में बिदांचल मैदान में विशाल रैली को संबोधित करेंगे। लोकसभा चुनाव की तारीखों का एलान होने के बाद यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पहला असम दौरा है। उधर बरपेटा सीट हमेशा से ही कांग्रेस का गढ़ रहा है। 2019 में इस सीट से अब्दुल खालेक ने जीत का परचम लहराया था। हालांकि, इस बार कांग्रेस ने इस सीट से अब्दुल खालेक को टिकट नहीं दिया है। पार्टी ने इस सीट से इस बार दीप बायन एफ को मैदान में -शेष पृष्ठ दो पर

सीएए पर अगाथा सांग्मा का अहम बयान, कहा-

मेघालय को छूट मिली थी इसलिए किया समर्थन

शिलांग। नेशनल पीपुल्स पार्टी की नेता एवं मेघालय के तुरा से निवर्तमान सांसद अगाथा सांग्मा ने सीएए यानी नागरिकता संशोधन अधिनियम को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि मैंने सीएए को समर्थन दिया, क्योंकि मेघालय को इससे छूट दी गई थी। गौरतलब है कि सीएए पर उनके रुख के लिए उन्हें विपक्षी दलों की आलोचना का सामना करना पड़ा था। एक रिपोर्ट के अनुसार उन्होंने अपने रुख को स्पष्ट करते हुए कहा कि अगर गारो हिल्स को सीएए में शामिल किया जाता तो वह विधेयक का समर्थन नहीं करतीं। वह कहती हैं कि सीएए मेघालय में लागू नहीं होता है, इसलिए चिंता का कोई कारण -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

645 अरब डॉलर के पार पहुंचा देश का विदेशी मुद्रा भंडार

नई दिल्ली। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 29 मार्च को समाप्त सप्ताह में 2.95 अरब डॉलर से अधिक बढ़कर 645.58 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक ने यह जानकारी दी है। यह लगातार छठा सप्ताह है, जब विदेशी मुद्रा भंडार में बढ़ोतरी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 14 करोड़ डॉलर बढ़कर 642.63 अरब डॉलर हो गया था। सितंबर, 2021 में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 642.45 अरब डॉलर के उच्चस्तर पर पहुंच गया था। लेकिन वैश्विक -शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेस के घोषणा पत्र में पांच न्याय और 25 गारंटियां

नई दिल्ली (हि.स.)। लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने शुक्रवार को 48 पेज का घोषणा पत्र जारी किया। यह घोषणा पत्र संयुक्त रूप से कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे घोषणा पत्र कमेटी के अध्यक्ष पी चिदंबरम, राज्य सभा सदस्य सोनिया गांधी, कांग्रेस नेता राहुल गांधी, संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल और पार्टी कोषाध्यक्ष अजय माकन द्वारा कांग्रेस मुख्यालय में जारी किया गया। घोषणा पत्र जारी करते हुए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि व्यापक जनभागीदारी के बाद तैयार किया गया यह घोषणा पत्र देश के राजनीतिक इतिहास में न्याय के दस्तावेज के रूप में याद किया जाएगा। कांग्रेस पार्टी के इस महत्वाकांक्षी घोषणापत्र में 5 न्याय और 25 गारंटी का ऐलान किया गया है। मल्लिकार्जुन खड़गे ने यहां पत्रकार सम्मेलन में कांग्रेस के इस घोषणा -शेष पृष्ठ दो पर

भाजपा ने बताया भ्रम का पुलिंदा

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस के घोषणा पत्र पर तंज कसते हुए कहा कि यह न्याय पत्र नहीं बल्कि अन्याय पत्र और भ्रम का पुलिंदा है। भाजपा ने कहा कि देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी ने सबसे ज्यादा समय शासन किया लेकिन तब कुछ किया नहीं, अब ना जाने क्या कमाल कर दिखाएंगे। शुक्रवार को यहां भाजपा मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि कांग्रेस के शासन -शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेस के घोषणा पत्र में अमरीका और थाईलैंड की तस्वीरें : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस के जारी चुनावी घोषणा पत्र में अमरीका और थाईलैंड की तस्वीरों का उपयोग किया गया है। इसके जरिए भारत की छवि को अलग दिखाने की कोशिश की गई है। मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने शुक्रवार को सोशल मीडिया के जरिए सवाल उठाया की क्या कांग्रेस के जारी घोषणा पत्र विदेशी एजेंसियों ने तैयार किया है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि कांग्रेस के घोषणा पत्र -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

राजतंत्र से संबंधित घरेलू और बाह्य, दोनों कर्तव्यों को राजतंत्र का अंग कहा जाता है।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

लालू के खिलाफ आर्म्स एक्ट मामले में कोर्ट से वारंट

ग्वालियर (हि.स.)। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव को ग्वालियर की एमपी-एमएलए कोर्ट ने शुक्रवार को गिरफ्तारी वांरट जारी किया है। यह मामला करीब 26 साल से लंबित हथियारों की अवैध खरीद-फरोख्त से जुड़ा है। साल 1995 में आर्म्स एक्ट के मामले में पुलिस जांच में लालू प्रसाद यादव का नाम सामने आया था। सुनवाई के दौरान साल 1998 में लालू को अदालत ने फरार घोषित किया था। यह फर्जीवाड़ा 23 अगस्त, 1995 -शेष पृष्ठ दो पर

लोस चुनाव : भीषण गर्मी से निपटने के लिए केंद्र ने स्वास्थ्य विभाग को दिए निर्देश

नई दिल्ली। लोकसभा चुनावों के कार्यक्रमों के मद्देनजर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को लू के प्रभाव को कम करने के लिए स्वास्थ्य विभाग को पुख्ता प्रबंध करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि एहतियाती उपायों से लोगों के बीच समय पर अग्रिम रूप से और व्यापक जागरूकता अभियान चलाने से भीषण गर्मी लू के गंभीर प्रभाव को कम करने में काफी मदद मिलेगी। मांडविया ने गर्मी से संबंधित बीमारियों के प्रबंधन के लिए लोक स्वास्थ्य व्यवस्था की तैयारियों की समीक्षा को लेकर एक बैठक में राज्यों में भारत मौसम विज्ञान विभाग के अलर्ट प्राप्त होते ही समय से कार्रवाई के महत्व पर प्रकाश डाला है। उन्होंने कहा कि अप्रैल की शुरुआत से ही देश के कई हिस्सों में तापमान 40 से 42 डिग्री सेल्सियस तक चला गया है, जिससे लू का खतरा बढ़ गया है। मांडविया ने कहा कि आम चुनाव हो रहे हैं जिसमें व्यापक -शेष पृष्ठ दो पर

असम में भूकंप के तेज झटके, कोई नुकसान नहीं

गुवाहाटी। पूर्वोत्तर के राज्य असम में शुक्रवार शाम को करीब 6.15 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। असम में इसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5.7 मापी गई है। खबर लिखे जाने तक किसी भी तरह की जानमाल के नुकासन की खबर नहीं। भूकंप का केंद्र म्यांमार में था, जिसका भौगोलिक निर्देशांक 26.53 अक्षांश और 96.77 देशांतर था। भूकंपीय गतिविधि 62 किमी की गहराई पर थी।

समानता के मुद्दे पर भारत को किसी से उपदेश की जरूरत नहीं : उप राष्ट्रपति

देहरादून (हि.स.)। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने आज कहा कि भारत को समानता के मुद्दे पर इस ग्रह पर किसी से उपदेश की आवश्यकता नहीं है। देशों से अपने भीतर झांकने का आह्वान करते हुए उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कुछ देशों में अभी तक कोई महिला राष्ट्रपति नहीं है जबकि हमारे यहां ब्रिटेन से भी पहले एक महिला प्रधानमंत्री थीं। अन्य देशों में सुप्रीम कोर्ट ने बिना महिला जज के 200 वर्ष पूरे कर लिये लेकिन हमारे यहां है। लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी में उनके व्यावसायिक पाठ्यक्रम के चरण-एक के समापन पर 2023 बैच के आईएएस अधिकारी प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए उन्होंने युवा दिमाग से ऐसे तथ्यात्मक रूप से अस्थिर राष्ट्र विरोधी आख्यानों के रणनीतिक आयोजन का खंडन करने का आह्वान किया। उप राष्ट्रपति ने कहा कि हाल के वर्षों में शासन व्यवस्था बेहतर हुई है। लोकतांत्रिक मूल्य और सार गहरा हो रहा है, क्योंकि कानून के समक्ष समानता को -शेष पृष्ठ दो पर

तीसरी आंख

भारत-चीन सीमा पर जल्द दौड़ेगी रेल, पहला स्टेशन होगा तिस्ता

गुवाहाटी। अब वह दिन दूर नहीं जब भारत-चीन सीमा पर भी भारतीय रेल दौड़ेगी। पूर्वोत्तर को देश की राजधानी से जोड़ने के लिए भारतीय रेलवे कई प्रोजेक्टों पर काम कर रहा है, उनमें से एक है सेवक (पश्चिम बंगाल)-रंगपो (सिक्किम) रंगपो प्रोजेक्ट। यह भारतीय रेलवे का सबसे महत्वपूर्ण और बड़े प्रोजेक्टों में से एक है। इसके बनते ही सिक्किम भी देश की राजधानी से जुड़ जाएगा। सिक्किम ही नहीं बल्कि चीन से सटे सीमावर्ती इलाकों जैसे नथुला तक पहुंच आसान हो जाएगी। इससे जहां स्थानीय लोगों को वैकल्पिक रास्ता मिल जाएगा, वहीं क्षेत्र में पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। इसके बनने से सीमा पर तैनात भारतीय सेना तक उनकी जरूरत के सारे सामान तेजी से पहुंचाने में मदद मिलेगी। अब तक प्रोजेक्ट का काम 92 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। पूर्वोत्तर सीमा रेलले के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने बताया कि कलिम्पोंग जिला स्थित सेवक-रंगपो रेल परियोजना (एसआरआरपी) की टनल संख्या टी-7 ने कुछ दिन पहले ही ब्रेक थ्रू हासिल किया। इस रूट की एक खासियत यह है कि भारतीय रेलवे नेटवर्क के अधीन पहला भूमिगत रेलवे स्टेशन तीस्ता बाजार स्टेशन इसी टनल में है। मुख्य टनल 3082 मीटर तक फैली हुई है, इसके साथ एक पहुंच टनल भी है। गुफा 650 मीटर तक फैली हुई है, इसके डिजाइन के हिस्से के रूप में एक सिंगल प्लेटफॉर्म है। 800 मीटर -शेष पृष्ठ दो पर

केरल के कन्नूर में ब्लास्ट, एक की मौत

कन्नूर (केरल)। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार रात उत्तरी केरल जिले के पनुर के पास एक धमाके में एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना रात करीब एक बजे हुई और विपक्षी कांग्रेस ने आरोप लगाया कि विस्फोट देशी बमों के निर्माण के दौरान हुआ। काइवेलिक्कल की रहने वाली शेरिन की कोझिकोड के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, दूसरे घायल व्यक्ति विनेश की एक हथेली कट गई और उसकी हालत गंभीर है। दोनों सीपीआई (एम) के समर्थक हैं। राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता वी डी सतीसन ने इस घटना के लिए -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

रामनवमी पर दुनियाभर के हिंदुओं को जोड़ेगी विहिप

30 देशों में एक लाख जगहों पर मनाया जाएगा रामोत्सव

नई दिल्ली। इस वर्ष रामनवमी पर पूरे विश्व में भव्य रामोत्सव कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) रामोत्सव कार्यक्रम के जरिए पूरे विश्व में हिंदू समुदाय को एक सूत्र में जोड़ने की कोशिश करेगी। दुनिया में जहां भी हिंदू समुदाय के लोग रहते हैं, वहां मंदिरों में रामनवमी के दिन भव्य रामोत्सव कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अब तक भारत समेत दुनिया के 30 देशों के लगभग एक लाख मंदिरों और अन्य प्रमुख स्थानों पर रामोत्सव कार्यक्रम आयोजित किए जाने की योजना बनाई जा चुकी है। इन कार्यक्रमों में हिंदू समुदाय के करोड़ों लोगों के शामिल होने की संभावना है। रामोत्सव कार्यक्रमों की शुरुआत नववर्ष प्रतिपदा यानी नौ अप्रैल 2024 के दिन से शुरू होगी और अगले 15 दिनों तक चलती रहेगी। 24 अप्रैल हनुमान जयंती के दिन इन कार्यक्रमों का समापन होगा। इस दौरान सभी मंदिरों में पूजा-पाठ, राम की आरती, सुंदरकांड का पाठ, रामधुन कीर्तन और अन्य कार्यक्रम किए जाएंगे। भगवान राम की जन्मस्थली और राम मंदिर होने के कारण अयोध्या के रामोत्सव कार्यक्रम को सबसे प्रमुख कहा जा सकता है। भक्तों की सुविधा के लिए अयोध्या के रामोत्सव कार्यक्रम को सजीव दिखाने की भी कोशिश की जाएगी। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने अमर उजाला को बताया कि रामनवमी पर रामोत्सव कार्यक्रम का आयोजन संगठन की वार्षिक गतिविधि में शामिल है, लेकिन इस वर्ष अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के कारण इसे और भव्य बनाने का निर्णय लिया गया है।

एसएसबी का सिलाई पर व्यावसायिक प्रशिक्षण समारोह संपन्न

गुवाहाटी (हिंस)। प्रथम वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के द्वारा पूर्वोत्तर क्षेत्र में सिविक एक्शन प्रोग्राम के तहत ग्रामीण विकास और स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरएसईटीआई) पैकरकुची, नलबाड़ी के समन्वय से 30 दिवसीय सिलाई पर व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण अवधि सफलतापूर्वक संपन्न होने के बाद प्रतिभागियों की सुविधा और इस महत्वपूर्ण उपलब्धि की सफलता के साथ आझ समापन समारोह आयोजित किया गया। बिदुत बिकास गोगोई, आरएसईटीआई के निदेशक और इंस्पेक्टर (जीडी) अमरेंद्र गोगोई ने महिला प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र वितरित किए और उन्हें भविष्य में अपने उद्देश्यों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया।

वर्ल्ड बैंक की चेतावनी : पाकिस्तान में गरीबी तोड़ेगी रिकार्ड

इस्लामाबाद। कंगाली से जूझ रहे पाकिस्तान की खस्ता हालत नई शहबाज शरीफ सरकार के लिए बड़ी सिरदर्द बन सकती है। पाकिस्तान को लेकर विश्व बैंक की रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि देश में गरीबी रिकार्ड तोड़ देगी और करीब एक करोड़ और लोग गरीबी रेखा के नीचे जा सकते हैं। पहले से ही 9.8 करोड़ लोग गरीबी रेखा के नीचे हैं। विश्व बैंक ने बढ़ती महंगाई और बेहद कम आर्थिक विकास दर को कारण बताया है। रिपोर्ट इस ओर इशारा करती है कि पाकिस्तान अपने लगभग सभी लक्ष्य को प्राप्त करने में असफल रहा है। विश्व बैंक ने कहा है कि यह खतरा उन लोगों पर मंडरा रहा, जो गरीबी रेखा के आसपास हैं। ऐसे लोगों की बड़ी आबादी है। विश्व बैंक की रिपोर्ट में कहा गया है कि गरीबों और कमजोर लोगों को कृषि उत्पादन में वृद्धि से फायदा होने की संभावना है, लेकिन लगातार बढ़ती महंगाई और निर्माण, व्यापार और परिवहन जैसे क्षेत्रों में वेतन वृद्धि सीमित होने से यह प्रभावित हो सकता है।

मणिपुर में भारी मात्रा में हथियार गोला-बारूद और ड्रग्स बरामद

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में हथियार, गोला बारूद और ड्रग्स की बरामदगी का सिलसिला लगातार जारी है। इसी सिलसिले में भारी मात्रा में हथियार, गोला बारूद और ड्रग्स संयुक्त सुरक्षा बलों के अभियान में बरामद किया गया। मणिपुर पुलिस ने आज बताया कि सुरक्षा बलों द्वारा पहाड़ी और घाटी जिलों के सीमांत और संवेदनशील इलाकों में तलाशी अभियान और क्षेत्र प्रभुत्व चलाया गया। तलाशी अभियान के दौरान एक इम्प्रोवाइज्ड मोर्टार, मैगजीन के साथ एक कार्बाइन मशीन गन, मैगजीन के साथ एक 9 मिमी पिस्तौल, एक 12 बोर गन, दो 36 हैंड ग्रेनेड, दो 2 इंच मोर्टार बम, 11 जिंदा कारतूस और 26 खाली खोखे सिंगदा बांध, खारम वैफेई, कांगपोकपी जिला से बरामद किए गए। एक अन्य अभियान में मणिपुर पुलिस ने बिष्णुपुर जिले के क्वाक्टा बाजार से इलियास खान (19) नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार व्यक्ति के कब्जे से दस साबुनदानी बरामद हुए, जिनमें हेरोइन होने का संदेह है। व्यक्ति के पास से एक कार और एक मोबाइल फोन भी बरामद किया गया। सुरक्षा बलों द्वारा पूरे राज्य में छापामारी अभियान चलाया जा रहा है।

मिजोरम में 69 ग्राम हेरोइन बरामद एक गिरफ्तार

एजल (हिंस)। मिजोरम में असम राइफल्स और स्थानीय पुलिस ने एक संयुक्त अभियान चलाकर भारी मात्रा में हेरोइन के साथ तस्करी के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। असम राइफल्स ने शुक्रवार को बताया कि मिजोरम पुलिस के साथ मिलकर चम्फाई जिले के जोखावथार स्थित मेलबुक रोड जंक्शन पर छापा मारकर 69 ग्राम हेरोइन नंबर 4 बरामद की है। इसकी कीमत 48.30 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस ने हेरोइन के साथ एक व्यक्ति को भी गिरफ्तार किया है।

अस्पताल में प्रवेश देने से किया इनकार, महिला ने गेट के बाहर दिया बच्चे को जन्म, 3 डॉक्टर निलंबित

जयपुर। राजस्थान में एक बेहद ही शर्मसार मामला सामने आया है। यहां एक अस्पताल ने गर्भवती महिला को प्रवेश देने से इनकार कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि राजस्थान सरकार ने एक गर्भवती महिला को प्रवेश से इनकार करने और अस्पताल के गेट के पास अपने बच्चे को जन्म देने के बाद लापरवाही के आरोप में एक सरकारी अस्पताल के तीन डॉक्टरों को निलंबित कर दिया है। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, अतिरिक्त मुख्य सचिव, चिकित्सा शिक्षा शुभ्रा सिंह ने कहा कि मामला सामने आने के बाद विभाग ने तत्काल प्रभाव से एक जांच समिति गठित की है। बयान में कहा गया कि समिति की रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए, कांवटिया अस्पताल के तीन रेजिडेंट डॉक्टरों – कुसुम सैनी, नेहा राजावत और मनोज को उनकी ओर से *गंभीर लापरवाही और असंवेदनशीलता* पाए जाने के बाद गुरुवार को निलंबित कर दिया गया। इसमें कहा गया है कि मामले में पर्यवेक्षी लापरवाही के लिए कांवटिया अस्पताल के अधीक्षक डॉ. राजेंद्र सिंह तंवर को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया था। घटना बुधवार की है, जब गर्भवती महिला को अस्पताल में भर्ती नहीं किया गया। अधिकारियों ने कहा कि बाहर निकलते समय उसे प्रसव पीड़ा का अनुभव हुआ और उसे अस्पताल के गेट के पास बच्चे को जन्म देने के लिए मजबूर होना पड़ा।

म्यांमार में लोकतंत्र समर्थकों ने कई जगह ड्रोन से हमला किया

बैंकॉक (हि.स.)। म्यांमार के लोकतंत्र समर्थक मुख्य प्रतिरोध समूह ने गुरुवार को दावा किया कि उसकी सशस्त्र इकाई ने हवाई अड्डे और राजधानी नेपीटा में एक सैन्य मुख्यालय पर ड्रोन हमले किए। सत्तारूढ़ सेना ने कहा कि उसने ड्रोन को नष्ट कर दिया। विपक्षी राष्ट्रीय एकता सरकार के *रक्षा मंत्रालय* ने बयान में कहा कि *पीपुल्स डिफेंस फोर्स* की विशेष इकाइयों ने एक साथ हमला करने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया। एनयूजी के संक्षिप्त नाम से जाने जाने वाला समूह खुद को देश की वैध सरकार कहता है, जबकि पीपुल्स डिफेंस फोर्स काफी हद तक स्वायत्तता वाले कई स्थानीय प्रतिरोध समूहों से बनी है। एनयूजी ने कहा कि हताहतों को लेकर खबरें हैं। सेना ने कहा कि उसने सात ड्रोन मार गिराए और किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। हमले के अधिकांश विवरणों को स्वतंत्र रूप से सत्यापित करना संभव नहीं है। फरवरी 2021 में सेना द्वारा आंग सान सू ची की निर्वाचित असैन्य सरकार से सत्ता छीनने के बाद से म्यांमार में उथल-पुथल मची हुई है। इस घटनाक्रम के बाद से राष्ट्रव्यापी शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया, जिसे सुरक्षा बलों ने बलपूर्वक दबा दिया, जिसके परिणामस्वरूप सशस्त्र प्रतिरोध हुआ जो गृह युद्ध के समान है।

पृष्ठ एक का शेष

सीएम ने 50 हजार...

केंद्रित करती है। भर्ती प्रक्रिया की योग्यता-आधारित प्रकृति पर प्रकाश डालते हुए, मुख्यमंत्री ने हाल की नियुक्तियों की खासकर पुलिस बल के भीतर ईमानदारी की सराहना की। उन्होंने आगे कहा कि डिब्रूगढ़ और तिनसुकिया जिलों के युवाओं ने रिश्वतखोरी के आगे झुके बिना पद हासिल किया है, जो निष्पक्ष प्रथाओं के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। जनता को एक दृढ़ संदेश में मुख्यमंत्री ने भ्रष्टाचार के खिलाफ सरकार के रुख की पुष्टि करते हुए घोषणा की कि हम यह सुनिश्चित करेंगे कि बिचौलियों या रिश्वत की आवश्यकता के बिना नौकरी के अवसर सभी के लिए सुलभ हों। उन्होंने नागरिकों से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए अपना समर्थन मजबूत करने का आग्रह किया और आर्थिक समृद्धि और रोजगार वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास करने का वादा किया। उन्होंने जनता से आग्रह करते हुए कहा कि अगर लोग भाजपा को मजबूत करते रहेंगे तो पार्टी आम जनता के बेटे-बेटियों को नौकरी और व्यवसाय के अवसर प्रदान करती रहेगी। किसी को दलालों को रिश्वत नहीं देनी पड़ेगी। उन्होंने आगे कहा कि सरकार राशन कार्ड धारकों के लिए कैशलेस उपचार प्रदान करने में महत्वपूर्ण प्रगति कर रही है। अपने भाषण के दौरान, उन्होंने किफायती चिकित्सा उपचार तक पहुंच के संबंध में चिंताओं को संबोधित किया। उन्होंने एक नई पहल शुरू की, जिसमें नागरिक अपना राशन कार्ड जमा करके आयुष्मान कार्ड प्राप्त कर सकते हैं। यह आयुष्मान कार्ड धारकों को 5 लाख रुपए तक का मुफ्त चिकित्सा उपचार प्राप्त करने का अधिकार देता है। इस पहल का उद्देश्य उन व्यक्तियों की चिंताओं को कम करना है जो पहले बीमारियों और बीमारियों के वित्तीय बोझ से परेशान थे। इसके अलावा, राशन कार्ड रखने वालों को भी असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि अरुणोदोई योजना से लाभ उठाएं, असम के लोगों को सहायता और समर्थन प्रदान करें।

प्रधानमंत्री की टीम ...

पक्ष में क्षेत्र के बूढ़ीदिहिंग बजातली तथा टिंगखंग में चुनावी रैलियां को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार भाजपा की सरकार का गठन निश्चित है। इस सरकार में सर्वानंद सोनोवाल फिर से महत्वपूर्ण होने पर रहेंगे। सोनोवाल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टीम में रहकर डिब्रूगढ़ क्षेत्र के साथ-साथ पूरे असम के विकास के लिए कार्य करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्षी दल के उम्मीदवार को वोट देने का मतलब है डिब्रूगढ़ के विकास को अवरुद्ध करना। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा की सरकार विकास के एजेंडे पर चुनाव लड़ती है। बीते विधानसभा चुनाव में किए गए वादे के मुताबिक एक लाख बेरोजगारों को सरकारी नौकरियां दे दी गई है। अरुणोदय, राशन कार्ड, लखपति बाईदेउ, बसुंधरा से लेकर विभिन्न योजनाओं की इस दौरान मुख्यमंत्री ने चर्चा की। उन्होंने एक-एक योजना के महत्व को समझाते हुए उन योजनाओं के प्रति सरकार की गंभीरता का उल्लेख किया। आज मुख्यमंत्री के साथ केंद्रीय राज्य मंत्री रामेश्वर तेली, मंत्री संजय किसान, बिमल बोरा, विधायक पुनाकन बरुवा, सुरेश फूकन समेत भाजपा के कई वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

दस साल में किया...

साल में कर दिखाए। इसलिए मैं कहता हूं कि जब नीयत सही तो नतीजे सही होते हैं। मोदी ने कहा कि दस साल में जो हुआ... लोग तो कहते हैं कि बहुत कुछ हुआ। पहले की सरकारों की तुलना में बहुत कुछ हुआ। लेकिन मोदी के मन की बात मैं आज चुरू में बता देता हूं .... जो अब तक हुआ है वह तो ट्रेलर है ट्रेलर। उन्होंने *ऐपेटाइजर* का जिक्र करते हुए कहा कि ये जो मोदी ने किया है न, वह तो ऐपेटाइजर है ऐपेटाइजर... अभी तो पूरी खाने की थाली बाकी है। बहुत कुछ करना है भाइयो। बहुत सारे सपने हैं। हमें देश को बहुत आगे लेकर जाना है। कांग्रेस व *इंडिया* गठबंधन पर हमला बोलते हुए मोदी ने कहा कि सेनाओं का अपमान, देश का विभाजन ये कांग्रेस पार्टी की पहचान है। जब तक *इंडी* एलायंस के लोग सत्ता में रहे उन्होंने हमारे जवानों के हाथ बांधकर रखे। दुश्मन हमला करके चला जाता था। ये हमारे जवानों को जवाब देने की इजाजत नहीं देते थे। हमारे जवान *वन रैंक वन पेंशन* की मांग करते थे। कांग्रेस ने इसे भी पूरा नहीं होने दिया। हमारी सरकार बनी तो हमने सैनिकों को वन रैंक वन पेंशन का अधिकार भी दिया और सीमा पर पलटवार करने की खुली छूट भी दी। उन्होंने कहा कि आज दुश्मन को भी पता है कि यह मोदी है, यह नया भारत है। यह नया भारत घर में घुसकर मारता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस और इंडी गठबंधन वाले सिर्फ अपना हित देखते हैं। इन्हें गरीब, दलित, शोषित-वंचित के कल्याण से, उनके सम्मान से कोई मतलब नहीं है। ये वही लोग हैं जिन्होंने कभी बाबा साहेब अंबेडकर का सम्मान नहीं किया। मोदी ने कहा कि देश हित से भी ज्यादा कांग्रेस ने हमेशा तुष्टीकरण को प्राथमिकता दी है। ये वे लोग हैं जिन्होंने अदालत में जाकर कहा था कि प्रभु श्री राम तो काल्पनिक हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा जो कहती है वह जरूर करती है और यह दूसरे दलों की तरह केवल घोषणापत्र जारी नहीं करती। हम तो संकल्प पत्र लेकर आते हैं। 2019 में हमने जो संकल्प पत्र जारी किया था उसके ज्यादातर संकल्प पूरे हो चुके हैं। कश्मीर में धारा 370 खत्म हो चुकी है, तीन तलाक पर कानून हमारी मुस्लिम बहनों की मदद कर रहा है। लोकसभा में महिलाओं के लिए आरक्षण का कानून भी संसद ने पारित कर दिया है। मोदी ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दस साल में एक लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की संपत्ति जब्त की है। उन्होंने कहा कि आज पूरा देश विकसित भारत के संकल्प पर काम कर रहा है और इसमें राजस्थान की बहुत बड़ी भूमिका है। जब राजस्थान विकसित होगा तो भारत भी विकसित होगा। बीते दस साल में मोदी ने देश में जो काम किए हैं उन्होंने विकसित भारत की नींव तैयार कर दी है। आज पूरी दुनिया हैरान है कि भारत इतनी तेजी से कैसे विकास कर रहा है। मोदी ने कहा कि जीवन के हर पड़ाव पर भाजपा सरकार गरीब के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि जो काम इतने दशक में नहीं हुए वो हमने दस साल में करके दिखाए। इसलिए मैं कहता हूं कि जब नीयत सही तो नतीजे सही होंगे। हताशा-निराशा जैसी चीजें मोदी के पास भी नहीं फटक सकतीं और मैंने तय किया कि हालात बदलने ही होंगे। और मेरे लिए तो मेरा भारत मेरा परिवार है। हमने ईमानदारी से काम किया।

17 को असम आएंगे ...

उतारा है। लोकसभा चुनाव के लिए टिकट नहीं मिलने के बाद बरपेटा से कांग्रेस सांसद खालेक ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया था, लेकिन सोनिया गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात के बाद उन्होंने अपना इस्तीफा वापस ले लिया। इस बीच, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आगामी 8 अप्रैल से असम में चुनाव प्रचार का आगाज करेंगे। पार्टी की प्रदेश इकाई अमित शाह की रैली में शक्ति प्रदर्शन करना चाहती है, जिसकी तैयारी में पार्टी अभी से ही जुट चुकी है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह विश्वनाथ जिले का गोहपुर शहर में बैठक करेंगे।

मेघालय को छूट...

नहीं है। अगाथा सांग्मा ने बताया कि जब 2019 में सीएए का विधेयक संसद में पेश किया गया था, तब तत्कालीन सांसद और अब के मुख्यमंत्री कॉनराड सांग्मा के साथ-साथ अन्य सांसदों के सुझाव के आधार पर मेघालय और अन्य पूर्वोत्तर राज्यों को इसके प्रावधानों से छूट दी गई थी। इससे पहले कॉनराड के सांग्मा ने भी स्पष्ट किया था कि सीएए मेघालय पर प्रभाव नहीं डालेगा, क्योंकि राज्य का केवल एक छोटा सा हिस्सा इसके दायरे से बाहर रखा गया है। गौरतलब है कि केंद्र सरकार की ओर से 13 मार्च को सीएए कानून की अधिसूचना जारी की गई थी, जिसके अनुसार 31 दिसंबर 2014 से पहले पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से भारत में आए गैर-मुस्लिम प्रवासियों को भारत की राष्ट्रीयता प्रदान की जाएगी।

645 अरब डॉलर के ...

गतिविधियों के कारण उत्पन्न दबावों के बीच केंद्रीय बैंक ने रुपए की गिरावट को थामने के लिए पूंजी भंडार का उपयोग किया, जिससे मुद्रा भंडार में थोड़ी कमी आई थी। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक, 29 मार्च को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 2.35 अरब डॉलर बढ़कर 570.61 अरब डॉलर हो गईं। डॉलर के संदर्भ में उल्लिखित विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है। रिजर्व बैंक ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान स्वर्ण आरक्षित भंडार का मूल्य 67.3 करोड़ डॉलर बढ़कर 52.16 अरब डॉलर हो गया। रिजर्व बैंक ने कहा कि विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 7.3 करोड़ डॉलर घटकर 18.14 अरब डॉलर रह गया। रिजर्व बैंक के मुताबिक, समीक्षाधीन सप्ताह में अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास भारत की आरक्षित जमा भी 20 लाख डॉलर घटकर 4.66 अरब डॉलर रह गई।

कांग्रेस के घोषणा ...

पत्र को न्याय पत्र बताया और कहा कि यह *न्याय पत्र* भारत के शक्तिशाली भविष्य के निर्माण का एक स्पष्ट रोड मैप है। यह गरीबों, किसानों, मजदूरों, युवाओं, महिलाओं और वंचितों के लिए संवेदनशील और प्रगतिशील गारंटियों और योजनाओं का एक संग्रह है। उन्होंने यह भी कहा कि हमने हर वादा निभाया है, न्याय पत्र में दिए सारे वचन भी निभाएंगे। कांग्रेस का यह घोषणा पत्र युवा, महिला, मजदूर और किसान पर केंद्रित है और इसमें विभिन्न योजनाओं का फायदा पहुंचाने का वादा किया गया है। इसमें युवाओं को अप्रेंटिस पूरा होने के साथ नौकरी दी जाएगी। गरीब महिलाओं को एक लाख रुपए की वार्षिक सहायता दी जाएगी। कांग्रेस के घोषणा पत्र में देशभर के लोगों का 25 लाख रुपए तक के फ्री इलाज का वादा किया गया है। बुजुर्गों को रेलवे में रियायत देने का वादा किया गया है। जिसे कोरोना काल में बंद कर दिया गया था। कांग्रेस ने इस घोषणा पत्र में एक देश और एक चुनाव का विरोध किया है। वहीं वादा किया है कि गठबंधन की सरकार आने के बाद मतदान के तौर तरीके में बदलाव किया जाएगा। हालांकि, मतदान ईवीएम के माध्यम से होगा लेकिन वीवीपैट मशीन से की पर्ची को अलग से रख और जमा कराया जा सकेगा। वोटिंग मशीन ईवीएम से वीवीपैट से पर्ची का मिलान होगा। कांग्रेस ने घोषणा पत्र में कहा है कि वह राष्ट्रव्यापी आर्थिक-सामाजिक जाति जनगणना करवाएगी। इसके माध्यम से कांग्रेस जातियों, उपजातियों और उनकी आर्थिक-सामाजिक स्थिति का पता लगाएगी। कांग्रेस शिक्षा एवं नौकरियों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को मिलने वाले 10 प्रतिशत आरक्षण को बिना किसी भेदभाव के सभी जाति और समुदाय के लोगों के लिए लागू कराएगी। कांग्रेस पार्टी अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और गरीब सामान्य वर्ग को मिलने वाले आरक्षण पर 50 प्रतिशत की कैप हटाएगी। कांग्रेस अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित सभी रिक्त पदों को एक साल के भीतर भरेगी। वरिष्ठ नागरिकों, विधवाओं और दिव्यांगों के लिए पेंशन में केंद्र सरकार का योगदान महज 200-500 रुपए प्रति महीने है। कांग्रेस पेंशन की इस राशि को बढ़ाकर न्यूनतम 1,000 रुपए प्रति माह करेगी। कांग्रेस 2025 से महिलाओं के लिए केंद्र सरकार की आधी (50 प्रतिशत) नौकरियां आरक्षित करेगी। कांग्रेस यह सुनिश्चित करेगी कि उच्च पदों जैसे, न्यायाधीशों, सरकार के सचिवों, उच्च पदस्थ पुलिस अधिकारियों, कानून अधिकारियों और बोर्ड के निदेशकों पर अधिक महिलाओं की नियुक्ति हो। कांग्रेस स्वामीनाथन आयोग की सिफारिश के अनुसार सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य को कानूनी गारंटी देगी। कृषि लागत एवं मूल्य आयोग को एक वैधानिक निकाय बनाया जाएगा। कांग्रेस ने मीडिया की पूर्ण स्वतंत्रता सहित भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बहाल करने, मानहानि के जुर्म को अपराधमुक्त करने और कानून द्वारा, नागरिक क्षति के माध्यम से त्वरित उपाय प्रदान करने, कांग्रेस मनमाने और अंधाधुंध निलंबन को समाप्त करने का वादा भी किया है। कांग्रेस के न्याय पत्र में कहा गया है कि अगर केंद्र में कांग्रेस की सरकार आती है तो खाली पड़े 30 लाख पदों की भर्ती की जाएगी। जाति जनगणना होगी, एमएसपी पर कानून बनेगा। मनरेगा मजदूरी 400 रुपए दिया जाएगा। कांग्रेस ने के इस न्याय पत्र में जांच एजेंसियों का दुरुपयोग रोकने और पीएमएलए कानून में बदलाव का ऐलान किया गया है। साथ ही सच्चर कमेटी की सिफारिशों को लागू करने की भी बात कही गई है।

भाजपा ने बताया...

काल में सबसे ज्यादा महंगाई दर और सबसे कम विकास दर रही है। उन्होंने कहा कि आज जारी किये गए कांग्रेस के घोषणा पत्र में जिन तस्वीरों का प्रयोग किया गया है वो विदेशों की हैं। कांग्रेस के घोषणापत्र में जल प्रबंधन पर एक तस्वीर है। यह तस्वीर न्यूयॉर्क राज्य की बफ़ेलो नदी की है। अब तक वे ऐसा नहीं कर पाए हैं। अब तक कांग्रेस के नेता देश के बारे में विदेशों में भारत के विरुद्ध भ्रम फैलाते थे। अब घोषणा पत्र में भी यही काम कर देश की जनता में भ्रम फैला रहे हैं। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि घोषणा पत्र में छपी यह तस्वीर उन्हें किसने भेजी? पर्यावरण अनुभाग के तहत राहुल गांधी के पसंदीदा स्थान थाईलैंड की एक तस्वीर उनके घोषणापत्र में डाली गई है? घोषणा पत्र में विदेशों की तस्वीरों का सहारा ले रहे हैं कांग्रेसी। सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी, जिसने कभी भारत के युवाओं के साथ न्याय नहीं किया, वित्त क्षमता के साथ न्याय नहीं किया, सैन्य क्षमता के साथ न्याय नहीं किया, भारत के सामाजिक समरसता के साथ न्याय नहीं किया, वो आज न्याय पत्र लेकर आए हैं। विदेशी प्रभाव कांग्रेस के ऊपर इतना गहरा हो गया है कि अब मैनिफेस्टो में विदेश की तस्वीरें लगाई गई हैं।

कांग्रेस के घोषणा पत्र ...

में तीन तलाक की व्यवस्था को फिर से बहाल करने, कर्मचारियों को पेंशन योजना के तहत लाने आदि की बातें कहीं गई हैं, लेकिन इसे पूरा करने के लिए कोई समय सीमा निर्धारित नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि इस घोषणा पत्र में उद्योगों को लाभ पहुंचाने संबंधी कोई घोषणा नहीं की गई है। उल्लेखनीय है के मुख्यमंत्री लगातार चुनाव प्रचार के दौरान लगातार कांग्रेस और उनके नेता राहुल गांधी व असम प्रदेश अध्यक्ष भूपेन बोरा पर निशाना प्रहार कर रहे हैं। इससे पहले गुरुवार को मुख्यमंत्री ने एक बयान में कहा था कि कांग्रेस की स्थिति पुराने नोट की तरह हो गई है, जिसका बाजार में कोई काम नहीं है।

लोस चुनाव : भीषण गर्मी ...

जनभागीदारी अपेक्षित है और जनभागीदारी के बिना यह महान आयोजन पूरा नहीं होगा। इसमें जनभागीदारी सुनिश्चित करते हुए हम सभी की जिम्मेदारी स्वास्थ्य का ध्यान रखने की है। उन्होंने कहा कि इन तथ्यों को ध्यान में रखते हुए सभी हितधारकों के साथ एक बैठक की गई और मंत्रालय को राज्यों के साथ समन्वय में तुरंत उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने घर में बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ख्याल रखने पर जोर दिया। मांडविया ने कहा कि लू से अस्वस्थ होने पर लोगों को नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, आयुष्मान मंदिर जाना चाहिए या जिला अस्पताल में डॉक्टर से परामर्श लेना चाहिए। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से 29 फरवरी को सभी राज्यों को लू के संबंध में परामर्श जारी किया गया था। राज्यों के लिए राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र द्वारा तैयार की गई कार्य योजना और आम जनता के लिए क्या करें और क्या न करें की जानकारी भी साझा की गई थी। उन्होंने कहा कि उपरोक्त माध्यमों से लोगों के स्वास्थ्य का उचित ख्याल रखते हुए हम लोकतंत्र के इस महान पर्व को पूरे उत्साह और व्यापक जनभागीदारी के साथ मनाएंगे। मांडविया ने कहा कि राज्य के स्वास्थ्य विभागों को लू के संभावित मामलों के तेजी से विश्लेषण और मानक उपचार प्रोटोकॉल में डॉक्टरों का प्रशिक्षण सुनिश्चित करने के साथ-साथ सभी स्वास्थ्य केंद्रों में पीने के पानी, अन्य सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है। विभागों से यह सुनिश्चित करने का भी आग्रह किया गया है कि शीघ्र कदम उठाने के लिए एम्बुलेंस में आइस पैक, ठंडे पानी की व्यवस्था होनी चाहिए।

समानता के मुद्दे ...

अनुकरणीय तरीके से लागू किया जा रहा है और भ्रष्टाचार अब एक व्यापारिक वस्तु नहीं रह गया है। पहले यह अनुबंध, भर्ती, अवसर तक पहुंचने का एकमात्र तंत्र था। उप राष्ट्रपति ने कहा कि देश को निराशा से बाहर निकाला गया है। भारत आशा और संभावना की भूमि बन गया है। यह कहते हुए कि पूरे देश में उत्साह का माहौल है। भारत की वैश्विक छवि बढ़ रही है। अपने संबोधन में उपराष्ट्रपति ने आईएएस परिवीक्षार्थियों से कहा कि लोग उन्हें आदर्श के रूप में देखते हैं। उन्होंने कहा कि आपको ऐसे कार्यों से मिसाल पेश करनी होगी, जो अनुकरणीय हों। युवा दिमागों को प्रेरित करें और किसी भी क्षमता में बड़ों की प्रशंसा प्राप्त करें। सभ्यतागत मूल्यों को अपना मार्गदर्शक सिद्धांत बताते हुए उप राष्ट्रपति ने युवा अधिकारियों से सेवा-भाव और समानुभूति-सेवा और सहानुभूति की भावना के साथ काम करने को कहा। नागरिकता संशोधन अधिनियम के बारे में फैलाई जा रही झूठी कहानी और गलत सूचना के प्रति आगाह करते हुए धनखड़ ने रेखांकित किया कि सीएए न तो किसी भी भारतीय नागरिक को उसकी नागरिकता से वंचित करना चाहता है और न ही यह पहले की तरह किसी को भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन करने से रोकता है।

भारत-चीन सीमा पर ...

पहुंच वाले कुल अडिट लंबाई के साथ इस व्यापक गुफा में 6 क्रॉस पैसेज का एक नेटवर्क शामिल है, जो परियोजना के व्यापक पैमाने को प्रदर्शित करती है। यात्रियों की सुरक्षा और आराम की हर सुविधा का ख्याल रखा गया है। उन्होंने बताया कि तीस्ता के पास स्थित यह टनल यंगर हिमालय की अतिसंवेदनशील और चुनौतीपूर्ण भूगर्भीय और भूकंपीय स्थितियों से होकर गुजरती है। यहां नवीनतम और सबसे सॉफिस्टिकेटेड टनलिंग तकनीक यानी न्यू ऑस्ट्रियन टनलिंक मेथड (एनएटीएम) का उपयोग किय गया है। डे ने बताया कि सेवक (पश्चिम बंगाल) और रंगपो (सिक्किम) को जोड़ने वाली यह सेवक-रंगपो नई रेल लिंक परियोजना लगभग 45 किलोमीटर लंबी है। इसमें 14 टनल, 17 पुल और 5 स्टेशन शामिल हैं। सबसे लंबी सुरंग (टी-10) की लंबाई 5.3 कि.मी. और सबसे लंबा पुल (ब्रिज-17) की लंबाई 425 मीटर है। पूरी परियोजना संरेखण का लगभग 38.64 किलोमीटर टनल से गुजर रहा है। 92.31 फीसदी टनलिंग कार्य पूरा हो चुका है। वर्तमान में टनल टी-14, टी-09 और टी-02 में अंतिम लाइनिंग पूरी हो चुकी है और टनल टी-03, टी-05, टी-06, टी-07, टी-08, टी-10, टी-11 और टी-12 का कार्य प्रगति पर है। अब तक कुल 11.96 किलोमीटर लाइनिंग पूरी हो चुकी है। सभी सेक्शनों में दिन-रात कार्य चल रहा है। यह भारत में चल रही सबसे प्रतिष्ठित राष्ट्रीय परियोजनाओं में से एक है और इस परियोजना के पूर्ण होने पर, पहली बार सिक्किम राज्य रेलवे से जुड़ जाएगा।

केरल के कन्नूर..

सत्तारूढ़ पार्टी सीपीआई (एम) को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने आरोप लगाया कि वाम दल अपने कार्यकर्ताओं का इस्तेमाल देसी बम बनाने में कर रहा है और चुनाव के दौरान कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब कर रहा है। सतीसन ने हाल ही में दो दिन पहले तिरुवनंतपुरम में हुई ऐसी ही एक घटना का हवाला देते हुए गृह विभाग के प्रभारी केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन से सवाल किया। कहा कि बुधवार को दो किशोर गंभीर रूप से घायल हो गए जब तिरुवनंतपुरम में मन्नानथला के पास होराइजन पार्क में एक खाली जमीन पर एक देशी बम बना रहे थे जिसमें विस्फोट हो गया। उनमें से एक ने अपनी दोनों हथेलियां खो दीं और दूसरे की एक हथेली को आंशिक क्षति पहुंची। उनके साथ मौजूद दो अन्य लोगों को मामूली चोटें आईं। पुलिस ने खुलासा किया कि चारों किशोरों की उम्र 17 से 18 साल के बीच थी और वे विभिन्न आपराधिक मामलों में शामिल थे।

लालू के खिलाफ ...

से लेकर 15 मई 1997 के बीच किया गया था। यूपी की फर्म के संचालक राजकुमार शर्मा पर आरोप है कि उसने ग्वालियर की हथियारों की तीन कंपनियों से फर्जीवाड़ा कर 1995 से 1997 के बीच हथियार और कारतूस खरीदे थे। शर्मा ने हथियार और कारतूस बिहार में बेच दिए थे। इस मामले में लालू प्रसाद यादव सहित 23 आरोपित नामजद हैं। इसमें से छह के खिलाफ ट्रायल चल रहा है, जबकि दो की मौत हो चुकी है। इस केस में 14 आरोपित फरार चल रहे हैं। पुलिस ने इस मामले में जुलाई 1998 में आरोप पत्र दाखिल किया था। ग्वालियर की अदालत ने लालू प्रसाद यादव को इस मामले में 1998 में फरार घोषित किया था।

राज्य के लोग अब सिर्फ विकास की बात करते हैं : केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल

डिब्रूगढ़ (हिंस)। केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग और आयुष मंत्री तथा डिब्रूगढ़ लोकसभा क्षेत्र के भाजपा उम्मीदवार सर्वानंद सोनोवाल ने शुक्रवार को लखीमपुर और डिब्रूगढ़ निर्वाचन क्षेत्रों में लोकसभा चुनावों के लिए प्रचार किया। सोनोवाल ने डिब्रूगढ़ के अलावा लखीमपुर और धेमाजी में भी तूफानी प्रचार अभियान चलाया। इस दौरान सोनोवाल का भाजपा समर्थकों के अलावा सहयोगी दल असम गण परिषद के समर्थकों ने भी गर्मजोशी से स्वागत किया। सोनोवाल ने आज डिब्रूगढ़ लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत गणेशबाड़ी चाय बागान, पोहारीखनीया गांव, चौकीडिंगी श्मशानपारा के साथ-साथ आज यहां पूर्वी मंडल में नलियापुल में भी जनसभाओं को संबोधित किया। उन्होंने लखीमपुर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत डांगोरी चिरिंग गांव, जोनाई के जोन कांरेग में भाजपा उम्मीदवार प्रदान बरुवा के पक्ष में प्रचार अभियान चलाया। लखीमपुर निर्वाचन क्षेत्र में एनडीए उम्मीदवार प्रदान बरुवा के लिए प्रचार करते हुए सर्वानंद सोनोवाल ने कहा कि प्रदान बरुवा ने वर्षों से लखीमपुर लोकसभा क्षेत्र के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए अथक परिश्रम किया है। लोगों को उनके समर्पण को स्वीकार करना चाहिए। बरुवा एक सच्चे लोक सेवक हैं, जो लगातार लोगों के हितों की सेवा करता है। ये गुण प्रदान बरुवा के चरित्र में स्पष्ट हैं। मुख्यमंत्री के रूप में मेरे कार्यकाल के दौरान बरुवा ने लखीमपुर के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में तटबंधों के निर्माण और नदियों की खुदाई सहित बुनियादी ढांचे के विकास को प्राथमिकता दी। मैं लखीमपुर लोकसभा क्षेत्र के सम्मानित लोगों से 19 अप्रैल को उनका समर्थन करने का आग्रह करता हूं। क्षेत्र के लिए विकासात्मक प्रयासों की कमी के लिए कांग्रेस पर हमला करते हुए सर्वानंद सोनोवाल ने कहा कि लोग कांग्रेस और उनके द्वारा पेश किए जाने वाले उम्मीदवारों के बारे में बेहतर जानते हैं। वर्तमान में हमारी जनता जागरूक बन चुकी है और हमारे देश के तथ्यों से जुड़े हुए हैं। कांग्रेस के शब्द अब लोगों को प्रभावित नहीं कर सकते, भाजपा के विकास के सामने उनका झूठ फीका पड़ गया है। हम सिर्फ मोदी सरकार के समय हुए विकास की बात करेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा शासन में ब्रह्मपुत्र नद पर दो पुलों के निर्माण का पूरा हुआ और ब्रह्मपुत्र के दोनों तटों के लोगों की सुविधा बढ़ी है। कांग्रेस शासन के 60 से अधिक वर्षों के शासन में ऐसी महत्वपूर्ण परियोजनाओं की आवश्यकता और मांग पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। किसी भी लोकप्रिय सरकार के लिए लोगों की जरूरतों के प्रति इस तरह की उपेक्षा के साथ काम करना अकल्पनीय था। सड़कों और पुलों का निर्माण किसी स्थान के विकास के स्तर को निर्धारित करता है। नरेंद्र मोदी के सत्ता संभालने के बाद तेजी से पुल बनाए गए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का काम सिर्फ आधारशिलाओं में सीमित रह जाता था, लेकिन भाजपा जो कहती है उसे कर दिखाती है। इसका ज्वलंत उदाहरण सड़क, पुल, अस्पताल, शिक्षण संस्थानों, कल्याणकारी परियोजनाएं और भाजपा शासन में हुई देश व प्रदेश की प्रगति है। डिब्रूगढ़ के मोहनबाड़ी के पास गणेशबाड़ी चाय बागान में एक सभा को संबोधित करते हुए सोनोवाल ने कहा कि एक समय था जब दिल्ली पूर्वोत्तर के लोगों के लिए बहुत दूर जगह थी। लेकिन, केंद्र व राज्य में जब भाजपा की सरकारें आईं तब दिल्ली-दिसपुर या दिल्ली-डिब्रूगढ़ के बीच यह व्यापक अंतराल कम होता गया। विकास की उ?ान ने दिल्ली और डिब्रूगढ़ के बीच लंबे समय से रहे अंतर को कम किया। विगत 10 वर्षों में प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ने ने 60 बार से अधिक पूर्वोत्तर का दौरा किया। इस दौरान विभिन्न केंद्रीय मंत्रियों की हजार से अधिक यात्राओं ने यह सुनिश्चित किया कि दिल्ली और असम तथा पूर्वोत्तर के बीच अब फासला कम हो गया। उन्होंने कहा कि चाय समुदाय के मेरे सभी भाइयों और बहनों, भाजपा सरकार ने लगातार आपके प्रति सद्भावना प्रदर्शित की है। हमारे कार्यकाल के दौरान, विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से चाय आदिवासी समुदायों के जीवन की गुणवत्ता को ब?ाने के लिए महत्वपूर्ण प्रयास किए गए हैं। देश की आजादी के बाद पहली बार चाय बागान श्रमिकों के लिए 12 लाख बैंक खाते खोले गए हैं। इसके अतिरिक्त गर्भवती महिला चाय श्रमिकों को वेतन मुआवजा योजना के तहत 15 हजार रुपए का वित्तीय अनुदान मिला है और 7.5 लाख से अधिक चाय श्रमिकों को चाय बागान धन पुरस्कार मेले के तहत प्रत्येक को आठ हजार रुपए प्रदान किए गए हैं। इसके अलावा विधानसभा में चाय श्रमिकों के सामने आने वाली चुनौतियों को संबोधित करना उनके प्रति सद्भावना का एक प्रमाण है। ये उदाहरण आपकी भलाई के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हैं। इस दौरान सोनोवाल के साथ सदिया के विधायक बलिन चेतिया, जोनाई के विधायक भुवन पेगु के अलावा पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे।

ड्रग्स के साथ दो महिलाओं समेत चार तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। असम पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर अभियान चलाते हुए ड्रग्स के साथ दो महिला समेत चार तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस मुख्यालय से मिली जानकारी के अनुसार नगालैंड के डिमापुर स्थित ड्रग्स तस्करों का समूह गुवाहाटी के आदाबाड़ी स्थित ब्रह्मपुत्र लॉज में डेरा डाले हुए था। जहां से ड्रग्स तस्कर गुवाहाटी के आजारा, मिर्जा और दक्षिण कामरूप के अन्य इलाके में नशीले पदार्थों की आपूर्ति करता है। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि पुख्ता जानकारी के आधार पर लॉज के रूम नंबर 102 में एसटीएफ की टीम ने छापा मारकर 17 साबुनदानी में छिपाकर रखे गए हेरोइन को जब्त किया गया। हेरोइन का वजन 257 ग्राम बताया गया है। पुलिस अभियान के दौरान कुल चार लोगों को गिरफ्तार किया गया, जिसमें दो पुरुष और दो महिलाएं हैं। पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू की है। गिरफ्तार तस्करों की पहचान जादव भवाल (42), भास्वती गोवाला (45), प्रियंका दास (30) तथा देबा दास (19) के रूप में किया गया है।

विद्युत विभाग की लापरवाही के कारण एक श्रमिक की मौत, एक घायल

कामरूप (हिंस)। विद्युत विभाग की लापरवाही के कारण शुक्रवार को एक श्रमिक की मौत हो गई, जबकि एक अन्य श्रमिक गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार की सुबह कामरूप जिले के नगरबेरा के विद्यानगर गांव में सुबह बिजली के खंभे पर तार लगाने के लिए पहुंचे विद्युत विभाग के कर्मचारियों ने स्थानीय दो श्रमिकों को काम पर लगाया। उन श्रमिकों के जरिए बिजली के तार से सटे हुए वृक्षों को काटने का काम करवाया गया। दोपहर को जब दोनों मजदूर बिजली के तार से लगकर वृक्ष काट रहे थे कि इसी बीच लाइन दे दिया गया। दोनों मजदूर करंट से सट गए। आरोप लगाया गया है कि विभाग के कर्मचारी वहां मौजूद होते हुए भी उनकी मदद नहीं कर रहे थे। स्थानीय लोगों ने किसी प्रकार से एक मजदूर को बिजली के तार से अलग करके अस्पताल भेजा। जबकि, एक अन्य मजदूर की छटपटाकर ऊपर ही मौत हो गई। इसके बाद गांव वाले उत्तेजित हो गए तथा बिजली विभाग के कर्मचारियों को वहां ही घेर लिया। घटना की सूचना पाकर पहुंचे विभागीय अधिकारियों ने मृतक और घायल को क्षतिपूर्ति देने का आश्वासन देकर ग्रामीणों को शांत कराया। मृतक की पहचान शाहिनूर इस्लाम के रूप में हुई है। जबकि, एक अन्य घायल व्यक्ति की पहचान सद्दाम हुसैन के रूप में हुई है। पुलिस ने इस संदर्भ में एक प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

ब्रह्मपुत्र में नहाने गए तीन किशोर डूबे

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के नूनमाटी थाना क्षेत्र के सुनचाली इलाके में शुक्रवार को ब्रह्मपुत्र में नहाने गए तीन किशोरों के डूब जाने से पूरे इलाके में सन्नाटा पसर गया है। पुलिस द्वारा दी गई सूचना के अनुसार आज दोपहर देवजीत भुईयां (17), राहुल दास (22) तथा कोकिल कलिता (17) नामक तीन किशोर ब्रह्मपुत्र में स्नान करने गए थे। नहाते समय किशोरों के लापता होने की सूचना स्थानीय लोगों ने नूनमाटी थाने को दी। घटना की सूचना पाकर पुलिस के साथ पहुंची एसडीआरएफ की टीम ने तलाशी अभियान शुरू की। दो छात्रों का शव बरामद कर लिया गया। जबकि, एक अन्य छात्र राहुल दास का अबतक कोई पता नहीं चल सका है। तीनों ही छात्र चांदमारी के अमियनगर के रहने वाला बताया जा रहा है।

मणिपुर में भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में हथियार और गोला बारूद की बरामदगी का सिलसिला लगातार जारी है। इसी सिलसिले में भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद संयुक्त सुरक्षा बलों के अभियान में बरामद किया गया। मणिपुर पुलिस ने आज बताया कि सुरक्षा बलों द्वारा पहाड़ी और घाटी जिलों के सीमांत और संवेदनशील इलाकों में तलाशी अभियान और क्षेत्र प्रभुत्व चलाया गया। तलाशी अभियान के दौरान एक कार्बाइन, एक मैगजीन के साथ एक एमके-2 स्टैंड, एक दंगा रोधी बंदूक, एक स्थानीय निर्मित .303 राइफल, एक खाली मैगजीन के साथ एक देश निर्मित 9 मिमी बंदूक, छह आंसू गैस के धुएं के गोले, तीन ग्रेनेड ट्यूब लांचिंग, 13 हथगोले, एक चीनी हथगोला, 14 जीवित गोला बारूद, पांच ग्रेनेड लांचिंग रिंग और एक बीपी जैकेट बिष्णुपुर जिले के सदु नेपाली बस्ती के दक्षिण में तलहटी से बरामद किया गया। सुरक्षा बलों द्वारा पूरे राज्य में छापामारी अभियान चलाया जा रहा है।

कांग्रेस ने लगाया जिला आयुक्त पर पक्षपात का आरोप

नगांव (हिंस)। कांग्रेस के निवर्तमान सांसद तथा नगांव लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी प्रद्युत बदरलै ने नगांव के जिला आयुक्त तथा पुलिस पर पक्षपात करने का आरोप लगाया है। कांग्रेस प्रत्याशी बरदलै आज नगांव में एक संवाददाता सम्मेलन का संबोधित कर रहे थे। संवाददाता सम्मेलन में पार्टी के धुबड़ी लोकसभा सीट के प्रत्याशी रकीबुल हुसैन, विधायक नूरुल हुदा तथा शिवमणि बरबोरा भी मौजूद रहे। बरदलै ने आरोप लगाया कि गुरुवार को नामांकन पत्र दाखिल करने के दौरान जहां जिला आयुक्त ने भाजपा प्रत्याशियों तथा मुख्यमंत्री को काफिले के साथ कार्यालय में प्रवेश करने से नहीं रोका। वहीं, कांग्रेस नेताओं को प्रवेश करने नहीं दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस द्वारा कांग्रेस नेताओं तथा पत्रकारों के साथ जमकर दुर्व्यवहार किया गया। वहीं, रकीबुल हुसैन ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा को कांग्रेस प्रत्याशी प्रद्युत की जीत सुनिश्चित है, इसे समझ चुके हैं। यही वजह है कि वह बौखलाहट में आकर पुलिस कार्रवाई कर रहे हैं। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के विरुद्ध विभिन्न प्रकार के आरोप लगाते हुए थानों में मुकदमे दर्ज कराए गए हैं। उन्होंने कहा कि इससे मुख्यमंत्री की हताशा साफ झलकती है। वहीं, एक अन्य पत्रकार सम्मेलन में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा ने आज फिर दोहराया की अगले चार माह के अंदर मुख्यमंत्री के पद से डॉ. शर्मा हटा दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार का आरोप साबित होने के बाद भाजपा उस व्यक्ति को मुख्यमंत्री पद पर नहीं रखती है। ऐसा कर्नाटक, त्रिपुरा समेत कई भाजपा शासित राज्यों में देखा गया है।

मोपिन उत्सव में राज्यपाल ने लिया हिस्सा

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल केटी परनायक (सेवानिवृत्त) ने राज्य की प्रथम महिला अनाघा परनायक के साथ शुक्रवार को इटानगर में गालो समुदाय के मोपिन उत्सव समारोह में भाग लिया। राज्यपाल ने मोपिन के उत्सव के अवसर पर गालो समुदाय को बधाई देते हुए उन्होंने बेहतर फसल, घरेलू पशुओं के प्रसार और प्रकृति के संरक्षण के लिए मोपिन देवी आनी पिंकू पिंटे का आशीर्वाद लेने के लिए प्रार्थना की। राज्यपाल ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश असंख्य जनजातियों की एक भूमि है जिन्होंने वर्षों से अपने रीति-रिवाजों और परंपराओं को बनाए रखा है। उन्होंने कहा कि वे उत्साहपूर्वक अपनी स्वदेशी सांस्कृतिक विरासतों को संरक्षित कर रहे हैं। राज्यपाल ने उत्सव के दौरान उत्कृष्ट सांस्कृतिक प्रस्तुति के लिए पोपिर (नृत्य) टीमों की सराहना की। उन्होंने कहा कि भागीदारी से सामुदायिक एकजुटता, भाषा का पुनरुद्धार होता है, सामूहिक पहचान मजबूत होती है और युवा पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक प्रथाओं, परंपराओं के साथ-साथ भाषाई बारीकियों को सीखने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। राज्यपाल ने गालो समुदाय से स्वास्थ्य, शिक्षा, बुनियादी ढांचे, संचार और महिलाओं और बालिकाओं के सशक्तिकरण के क्षेत्र में ठोस प्रयास के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आग्रह किया। उन्होंने प्रत्येक बच्चे कि बुनियादी शिक्षा, युवाओं को कौशल प्रदान करने, हर मां को स्वास्थ्य और स्वच्छता पर बुनियादी ज्ञान सुनिश्चित करने के लिए समुदाय और गांव स्तर पर काम करने का सुझाव दिया और नशीली दवाओं के खतरे के प्रति आगाह किया। राज्यपाल ने सुझाव दिया कि चूंकि मोपिन कृषि से संबंधित है, इसलिए लोगों को कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में समग्र दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। उन्होंने लोगों से आधुनिक तकनीकों का उपयोग करने, बाजार के रास्ते तलाशने और स्वयं सहायता समूहों और सहकारी समितियों को बढ़ावा देने का आह्वान किया। इस अवसर पर गालो समाज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं को दर्शाती सांस्कृतिक प्रस्तुति प्रस्तुत दी गई।

रंगिया चुनावी जिला ने शुभंकर श्रेष्ठ-लोकतंत्र पंख का किया अनावरण

रंगिया (विभास)। श्रेष्ठ का उद्देश्य हितधारकों को सतर्क नागरिक बनने और लोकतंत्र के इस अनूठे उत्सव में शांतिपूर्ण तरीके से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना है। रंगिया जिला निर्वाचन क्षेत्र में मतदान दिवस के लिए उल्टी गिनती शुरू होने के साथ ही, आगामी 26 अप्रैल को आयोजित होने वाले लोकसभा, 2024 के आम चुनाव को सुचारू रूप से संचालित करने की तैयारियां जोरों पर चल रही है। मतदाताओं की अच्छी संख्या को प्रोत्साहित करने के लिए, रंगिया निर्वाचन जिला के स्वीप प्रकोष्ठ द्वारा नियमित अंतराल पर जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। चल रही स्वीप गतिविधियों के हिस्से के रूप में, अतिरिक्त आयुक्त तथा रंगिया के महकमाधिपति व जिला निर्वाचन अधिकारी देबाशीष गोस्वामी द्वारा आज *श्रेष्ठ-लोकतंत्र के पंख* नामक चुनाव शुभंकर का अनावरण किया गया। इस अवसर को चिह्नित करने के लिए आज सुबह के समय स्थानीय हरदत्त-बीरदत्त भवन से एक साइकिल रैली का आयोजन किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा झंडी दिखाकर साईकिल रैली को रवाना किया गया। इस मौके पर पहली बार मतदान करने वाले मतदाता, महिला मतदाता और रंगिया महाविद्यालय, मानबेंद्र शर्मा गर्ल्स महाविद्यालय और तुलसीबाड़ी बहुमुखी उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय जैसे विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिभागियों की सकारात्मक भागीदारी देखी गई। कार्यक्रम के दौरान संबोधित करते हुए, जिला निर्वाचन अधिकारी देबाशीष गोश्वामी ने जनता से बड़ी संख्या में मतदान करने की अपील की। इस कार्यक्रम में रंगिया के सर्किल अधिकारी भास्कर ज्योति कलिता, रंगिया की चुनाव अधिकारी डॉ. नील हरित कौशिक, रंगिया के सहायक आयुक्त जिलजिली थाओसेन, रंगिया पौरसभा की कार्यकारी अधिकारी शेरोन थॉमस, डॉ. हितेंद्र कलिता, एनयूएलएम के तहत एसएचजी के सदस्य, स्वेच्छासेवी संस्था साधना के सदस्य सहित कई अन्य सरकारी अधिकारी और महकमा प्रशासनिक अधिकारी और कार्यालय के कर्मचारी और कुछ स्वास्थ्य उत्साही लोग भी शामिल हुए। इस कार्यक्रम के अलावा असम राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के सदस्यों द्वारा बिहदिया जजीकोना ब्लॉक के अंतर्गत एक स्कूटी रैली का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य नैतिक मतदान के बारे में जागरूकता बढ़ाना और आगामी मतदान तिथि के बारे में जनता को सूचित करना था। वहीं आज कमलपुर एएसआरएलएम के एसएचजी सदस्यों ने स्कूटी रैली के दौरान पारंपरिक परिधानों में सजे हुए अपने-अपने इलाकों में मतदाता जागरूकता रैली में भाग लिया जिसमें उन्होंने सड़क सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करके एक मिसाल कायम की।

हर्टथ्रोब जुबिन ने टर्टल के बिहू उत्सव को बनाया यादगार

गुवाहाटी। हर्टथ्रोब जुबिन गर्ग ने टर्टल के बिहू उत्सव को यादगार शाम में तबदील कर दिया। महानगर के सेंट्रल मॉल में आयोजित रंगारंग शाम में गायक जुबिन ने अपने गीतों से उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। दर्शकों की भारी भीड़ संगीत, फैशन के मिश्रण के साथ स्थानीय संस्कृति का आनंद लेती नजर आई। दरअसल प्रतिष्ठित पुरुष परिधान ब्रांड टर्टल लिमिटेड 20 साल पूरे होने का जश्न मना रही है। टर्टल लिमिटेड एक अग्रणी पुरुष परिधान ब्रांड है जो अपनी अद्वितीय गुणवत्ता, कालातीत डिजाइन और उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता के लिए प्रसिद्ध है। तीन दशकों की विरासत के साथ, टर्टल भारत में पुरुषों के फैशन को फिर से परिभाषित करने में सबसे आगे रहा है, जो कपड़ों की एक विविध रेंज पेश करता है, जो परंपरा को समकालीन शैली के साथ

जोड़ता है। प्रशंसित गायक जुबीन गर्ग, जिनकी चुंबकीय प्रस्तुति सीमाओं से परे है, ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और अपने गीतों से ऐसा समा बांधा कि उपस्थित लोग थिरकने पर विवश हो गए। जुबिन ने न केवल अपनी भावपूर्ण प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, बल्कि बिहू, फैशन और असम की जीवंत स्थानीय संस्कृति के महत्व के बारे में हार्दिक अंतर्दृष्टि भी साझा की। शाम का मुख्य आकर्षण सेंट्रल मॉल में आयोजित एक मनोरम चिट-चैट शो भी रहा, जहां जुबीन सम्मानित अतिथियों के साथ प्रेस सदस्यों के साथ जीवंत चर्चा में शामिल हुए। बातचीत में फैशन, संगीत, फिल्म और प्रौद्योगिकी के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई, जो असम के सांस्कृतिक परिदृश्य की गतिशील भावना को दर्शाता है। उपस्थित लोगों को जुबीन गर्ग के साथ बातचीत करने, उनके शानदार करियर के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्राप्त करने और फोटोग्राफी सत्रों के माध्यम से यादगार पलों को कैद करने का अवसर मिला। इस कार्यक्रम में आठ प्रतिष्ठित स्थानीय प्रभावशाली लोगों - अभिजीत दास, निहाल कलिता, सिद्धार्थ बोड़ो, गुणाजीत डेका, अभिज्ञान कलिता, फणींद्र, मिंटू और अर्पण की भी उपस्थिति देखी गई, जिन्होंने अपने अद्वितीय आकर्षण और शैली से उत्सव को और बढ़ाया। टर्टल लिमिटेड के मार्केटिंग प्रमुख ऋतंकर सरकार ने कार्यक्रम की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि गुवाहाटी में टर्टल के बिहू उत्सव को मिली जबरदस्त समर्थन से हम रोमांचित हैं। जुबिन गर्ग के मनमोहक प्रदर्शन और व्यावहारिक चर्चाओं ने कार्यक्रम में एक जादुई स्पर्श जोड़ दिया। आज की शाम, हमारे दर्शकों के साथ गहराई से गूंजती रही। स्थानीय प्रभावशाली लोगों की उपस्थिति ने इस कार्यक्रम को और समृद्ध किया, जो असम की विविध सांस्कृतिक टेपेस्ट्री को दर्शाता है। हम अपने संरक्षकों के समर्थन के लिए आभारी हैं और असम की समृद्ध विरासत का जश्न मनाने की अपनी यात्रा जारी रखने के लिए तत्पर हैं। टर्टल लिमिटेड असम की संस्कृति और विरासत को बढ़ावा देने के अपने मिशन के लिए प्रतिबद्ध है, साथ ही प्रीमियम गुणवत्ता वाले पुरुष परिधान पेश करता है जो परंपरा को समकालीन शैली के साथ जोड़ता है।

माहे रमजान की आखिरी अलविदा और जूमे की नमाज अदा की गई

गुवाहाटी। आज माहे रमजन की आखिरी अलविदा और जूमे की नमाज अदा की गई। अलविदा की नमाज ईदउलफितर नमाज के जैसा ही बड़ी धूमधाम से पढ़ी गई। मुस्लिम समुदाय के लोग इसे छोटा ईद भी कहते हैं। आज गुवाहाटी शहर के सभी मस्जिदों में भाड़ी संख्या में नमाजियों ने हिस्सा लिया और नमाजे अदा की। जैसे बुढ़ा मस्जिद आमबाड़ी जामे मस्जिद, इस्लामपुर बड़ी मस्जिद, लाखटोकिया, माच्छखोआ, हाथीगांव सिजूबारी, आठगांव कब्रिस्तान कंपाउंड मस्जिद व भंगागड़ इत्यादि मस्जिदों में माहे रमजान मुबारक की 25वीं रोजे की समाप्ति के साथ-साथ अलविदा व जूमे की नमाज अदा की गई। वहीं आठगांव कब्रिस्तान कंपाउंड मस्जिद में हजारों की संख्या में नमाजियों ने हिस्सा लिया व नमाजें

अदा की। आगे मोहम्मद सैमुदीन मंसूरी ने बताया कि आठगांव मस्जिद में इमाम जियाउल मुस्तफा साहब व भंगाघर मस्जिद में इमाम शाबिर नूरी साहब ने अलविदा व जूमे की नमाज पढ़ाई। गुवाहाटी के शायर जनाब अशहर गौहाटवी साहब ने बताया कि बुधवार को 29 वां रोजा मुकम्मल हो जाती है और सही समय पर चांद दिखाई देगी तो इन्शाअलाह 30वां दिन बाद ईदउलफितर की नमाज पढ़ी जाएगी। इस आशय की जानकारी समाज सेवी मोहम्मद सैमुदीन मंसूरी ने एक प्रेस विज्ञप्ति के जरिए दी है।

संपादकीय

दाग का राग

पिछले साढ़े सात दशक के भारतीय लोकतंत्र में राजनीतिक पराभव के अक्स गाहे-बगाहे उजागर होते रहते हैं। सत्ता के खेल जो विद्रूप न दिखा दें वो कम ही है। सत्ता केंद्रित राजनीति ने भ्रष्टाचार और पाक-साफ होने की अपनी-अपनी परिभाषा गढ़ ली है। कल तक विपक्ष में जो नेता दागदार होते थे, सतारूढ़ दल में शामिल होने के बाद कहा जाता है कि ये दाग अच्छे हैं। सफाई की इस कार्रवाई में निगरानी करने वाली संवैधानिक एजेंसियों की खामोशी भी विचलित करती है। ऐसे तमाम सवाल इस देश के नागरिकों को उद्वेलित करते रहते हैं कि आखिर ऐसा क्या हो जाता है कि दागी नेता सत्ता की धारा में डुबकी लगाकर दूध का धुला घोषित हो जाता है। विपक्षी नेता आरोप लगाते रहे हैं कि सत्तारूढ़ दल को दाग धोने वाली वॉशिंग मशीन बना लिया गया है। जिसके चलते नियामक संस्थाओं से ड्राइक्लीनिंग की चिट हासिल हो जाती है। विपक्ष के ऐसे तमाम आरोपों की तार्किकता हाल में आई एक रिपोर्ट दर्शाती है। जिसमें कहा गया है कि वर्ष 2014 के बाद भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच का सामना कर रहे 25 विपक्षी नेताओं के सत्तारूढ़ दल में शामिल होने के बाद उनमें से 23 को राहत मिल गई है। इनमें से तीन मामले बंद हो गए हैं और बीस की जांच रुकी हुई है। दलील दी जा रही है कि जांच बंद नहीं हुई है, आवश्यकता पड़ने पर कार्रवाई की जाएगी। यूं तो जब ये नेता विपक्ष में होते हैं और जांच एजेंसियां उन पर कार्रवाई करती हैं तो सत्तारूढ़ दल की दलील होती है कि कानून अपना काम करता है। जबकि विपक्षी नेताओं का आरोप रहता है कि यह प्रक्रिया तभी तक चलती है जब तक यह राजनीति से प्रेरित न हो। उल्लेखनीय है कि भाजपा में जो पच्चीस राजनेता शामिल हुए हैं उनमें सभी राजनीतिक दलों के नेता हैं। जिसमें कांग्रेस, राकांपा, शिवसेना, टीएमसी, टीडीपी, एसपी और वाईएसआर कांग्रेस के नेता शामिल हैं। विडंबना है कि राजनीतिक निष्ठा बदलना इन नेताओं के लिये राहतकारी साबित हुआ है। वजह यह कि इन नेताओं से जुड़े बीस मामले ठंडे बस्ते में डाल दिये गए हैं। दलील यह दी जाती है कि मामले बंद नहीं हुए हैं, जरूरत पड़ी तो जांच और कार्रवाई भी होगी। जो विपक्ष के उन आरोपों की पुष्टि करते हैं कि यह कार्रवाई राजनीतिक दुराग्रह के रूप में की जाती रही है। यही वजह है कि दल बदलने का फैसला राहत का रास्ता मान लिया जाता है। ऐसे में आम आदमी के मन में सवाल उठना स्वाभाविक है कि अचानक जांच एजेंसियां निष्क्रिय क्यों हो जाती हैं? क्यों किसी एजेंसी को लेकर अदालत को कहना पड़ता है कि फलां एजेंसी पिंजरे में बंद तोता है और मालिक की बोली बोलता है। विपक्ष तो आरोप लगाता रहता है कि केंद्र में सत्ता परिवर्तन के बाद से ईडी और सीबीआई ने मुख्यतः बड़े राजनेताओं के खिलाफ ही कार्रवाई की है। यही वजह है कि विपक्ष सत्ता पक्ष को ऐसी वॉशिंग मशीन की संज्ञा देता है जिसमें कथित दागों की धुलाई हो जाती है। तब उन्हें कानूनी कार्रवाई का सामना नहीं करना पड़ता। ऐसा भी नहीं है कि तमाम ऐसी कार्रवाई सिर्फ केंद्र में राजग सरकार के दौरान ही हुई हो। यूपीए सरकार के दूसरे कार्यकाल में सपा-बसपा के साथ संबंध सुधरने के बाद सीबीआई ने इन दलों के नेताओं पर लगे भ्रष्टाचार के मामलों में रुख बदल लिया था। इतना ही नहीं, विगत में सरकार बनाने और बहुमत जुटाने के लिये जो निष्ठा बदलने का खेल हुआ, उसके निहितार्थों में एजेंसियों की छाया महसूस होने की बात विपक्ष करता रहा है। यहां तक कि कई दलों के विभाजन के मूल में एजेंसियों की कार्रवाई के भय की भूमिका बतायी जाती रही है। दल-बदल के बाद उन पर चल रहे मामले या तो बंद हो गए या फिर ठंडे बस्ते में डाल दिए गए। वहीं कई ऐसे मामले भी होते हैं जो खुले तो रहते हैं लेकिन उनमें कार्रवाई होती नजर नहीं आती। निश्चिय ही यह स्थिति किसी लोकतंत्र के स्वास्थ्य के लिये शुभ नहीं कही जा सकती।

> सत्ता केंद्रित राजनीति ने भ्रष्टाचार और पाक-साफ होने की अपनी-अपनी परिभाषा गढ़ ली है। कल तक विपक्ष में जो नेता दागदार होते थे, सतारूढ़ दल में शामिल होने के बाद कहा जाता है कि ये दाग अच्छे हैं। सफाई की इस कार्रवाई में निगरानी करने वाली संवैधानिक एजेंसियों की खामोशी भी विचलित करती है। ऐसे तमाम सवाल इस देश के नागरिकों को उद्वेलित करते रहते हैं कि आखिर ऐसा क्या हो जाता है कि दागी नेता सत्ता की धारा में डुबकी लगाकर दूध का धुला घोषित हो जाता है। विपक्षी नेता आरोप लगाते रहे हैं कि सत्तारूढ़ दल को दाग धोने वाली वॉशिंग मशीन बना लिया गया है। जिसके चलते नियामक संस्थाओं से ड्राइक्लीनिंग की चिट हासिल हो जाती है। विपक्ष के ऐसे तमाम आरोपों की तार्किकता हाल में आई एक रिपोर्ट दर्शाती है। जिसमें कहा गया है कि वर्ष 2014 के बाद भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच का सामना कर रहे 25 विपक्षी नेताओं के सत्तारूढ़ दल में शामिल होने के बाद उनमें से 23 को राहत मिल गई है। इनमें से तीन मामले बंद हो गए हैं और बीस की जांच रुकी हुई है।

भारतीय नागरिकता को उनकी इच्छा के बिना छीन लिए जाने से दुखी थे

नागरिकता संशोधन अधिनियम को लेकर राजनैतिक हंगामा

कुलदीप चन्द अग्निहोत्री

> इंग्लैंड ने 1947 में अपनी संसद में एक अधिनियम पारित करके मजहब के आधार पर भारत के कुछ हिस्सों को पाकिस्तान के नाम से अलग देश घोषित कर दिया था। लेकिन इंग्लैंड की संसद द्वारा यह अधिनियम पारित करने से पहले कांग्रेस ने दिल्ली में भारत को विभाजित करने का प्रस्ताव पारित किया। उसी प्रस्ताव के आधार पर इंग्लैंड की संसद ने पाकिस्तान बनाने का अधिनियम पारित किया था।

भारत की संसद ने 1947 में हुए भारत विभाजन के कष्टकारी नतीजों को ध्यान में रखते हुए 2019 में अपने नागरिकता अधिनियम को संशोधित करते हुए उसमें प्रावधान किया था कि भारत के उस हिस्से से जिसे। इंग्लैंड ने 1947 में अपनी संसद में एक अधिनियम पारित करके मजहब के आधार पर भारत के कुछ हिस्सों को पाकिस्तान के नाम से अलग देश घोषित कर दिया था। लेकिन इंग्लैंड की संसद द्वारा यह अधिनियम पारित करने से पहले कांग्रेस ने दिल्ली में भारत को विभाजित करने का प्रस्ताव पारित किया। उसी प्रस्ताव के आधार पर इंग्लैंड की संसद ने पाकिस्तान बनाने का अधिनियम पारित किया था। जाहिर था कांग्रेस के प्रस्ताव और इंग्लैंड की संसद के अधिनियम का संयुक्त परिणाम यह हुआ कि करोड़ों भारतीय नागरिकों की भारतीय नागरिकता अपने आप समाप्त हो गई और वे रातों रात पाकिस्तान के नागरिक घोषित कर दिए गए। उनमें बहुत से नागरिक तो ऐसे थे जो नए देश पाकिस्तान के नागरिक बन कर ख़ुश थे। लेकिन करोड़ों लोग ऐसे भी थे जो उनकी भारतीय नागरिकता को उनकी इच्छा के बिना छीन लिए जाने से दुखी थे। इसी तरह शेष बचे भारत में भी बहुत से भारतीय नागरिक ऐसे थे जो अपनी भारतीय नागरिकता छोड़कर नए देश पाकिस्तान की नागरिकता लेना चाहते थे। लेकिन कांग्रेस ने भारत के विभाजन को लेकर तो प्रस्ताव पारित कर दिया लेकिन उस प्रस्ताव में नागरिकता को लेकर पैदा होने वाले इस संकट पर या तो ध्यान नहीं दिया या फिर वह ज़मीनी हालात से इतना कट चुकी थी कि उसे इसका अन्दाज़ा ही नहीं हुआ। यहाँ तक इंग्लैंड का प्रश्न था उसे इस स्थिति पर विचार करने की जरुरत ही नहीं थी। लेकिन डा० भीमराव रामजी आम्बेडकर, जो बाद में भारतीय संविधान सभा की प्रारूप समिति के अध्यक्ष भी बने, नागरिकता को लेकर उत्पन्न इस गम्भीर संकट को पहचान गए थे। उन्होंने कहा था कि देश के बहुत से मुसलमान अपने लिए पाकिस्तान के नाम से एक अलग देश की माँग कर रहे थे। इसका अर्थ था कि वे भारतीय नागरिकता त्यागना चाहते थे। अब जब पाकिस्तान बन गया है तो ऐसे मुसलमानों को पाकिस्तान में ही चले जाना चाहिए। इसी प्रकार देश के जिस हिस्से को पाकिस्तान बनाया जा रहा था, उस हिस्से में रह रहे लाखों हिन्दु-सिख पाकिस्तान बनाने का विरोध कर रहे थे और वे भारतीय

नागरिकता ही रखना चाहते थे। आम्बेडकर का प्रस्ताव था कि पाकिस्तान बनने पर इस प्रकार की आबादी की अगला बदली की व्यवस्था भी करनी चाहिए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक का भी मोटे तौर पर यही मत था। सरदार पटेल ने तो असम में जाकर अपने सार्वजनिक भाषण में भी यह बात कही थी कि अब पाकिस्तान बन गया है इसलिए जो मुसलमान भारतीय नागरिकता रहने से दुखी हैं वे पाकिस्तान जा सकते हैं। लेकिन नेहरु ने तुरन्त इसका विरोध किया। उधर पाकिस्तान में जो हिन्दु-सिख भारत की नागरिकता रखना चाहते थे, पाकिस्तान की नई सरकार उनको बलपूर्वक भारत नहीं आने दे रही थी। आम्बेडकर ने इस पर नेहरु को एक पत्र भी लिखा कि वे पाकिस्तान की सरकार पर दबाव डालें कि वह ऐसे हिन्दु-सिखों को भारत में आने से न रोकें। लेकिन भारत सरकार की इस क्रूर नीति के बावजूद लाखों हिन्दु-सिख अपनी भारतीय नागरिकता बचाने के लिए पाकिस्तान से चल पड़े। लाखों इस चाहत में ही मारे गए और लाखों सब कुछ लुटाकर ही भारत पहुँचने में कामयाब हो सके। लेकिन बहुत से लोग पाकिस्तान के दूर दराज़ के इलाक़ों में रहते थे वे भारत नहीं आ सके। कांग्रेस के नेता उन दिनों पाकिस्तान में रह रहे हिन्दु-सिख-बौद्धों से अपील कर रहे थे कि वे वहीं बने रहें। कुछ हिन्दु-सिख-बौद्धों ने कांग्रेस नेताओं की उस अपील को यथार्थ मान कर उस पर विश्वास कर लिया और पाकिस्तान में बने रहे। पाकिस्तान का निर्माण करवाने में इंग्लैंड की सहायता करने वाले मोहम्मद अली जिन्ना ने अपने पहले ही भाषण में कहा कि पाकिस्तान में रहने वाले हिन्दु-सिख-बौद्ध को डरने की जरुरत नहीं है। उनको अपने मजहब को मानने की पूरी आजादी होगी। कुछ हिन्दु-सिख-बौद्ध जिन्ना के इस धोखे में भी आ गए। लेकिन इस सभी से यह तो स्पष्ट हो गया था कि भारत सरकार को अपने नागरिकता अधिनियम को विभाजन के उपरान्त उत्पन्न हालात के अनुसार संशोधित करना जरुरी था क्योंकि इस कृत्रिम विभाजन के परिणाम दशकों तक ही नहीं बल्कि शताब्दियों तक आते रहेंगे। परिणाम तो विभाजन के तुरन्त बाद ही आने शुरु हो गए। पूर्वी बंगाल (पहले पूर्वी पाकिस्तान और अब बंगला देश) से जल्दी ही हिन्दु-सिख-बौद्ध वहाँ से भाग कर भारत आने लगे। वहाँ उनका रहना मुश्किल हो गया। इस्लाम में मतान्तरित होने के लिए वे तैयार नहीं थे। पाकिस्तान के विधि मंत्री जोगेन्द्र नाथ मंडल को भी पाकिस्तान से भाग कर भारत आना पड़ा। हालत यहाँ तक गड़बड़ा गए कि पश्चिमी पाकिस्तान से हिन्दु-सिख भाग कर अफ़ग़ानिस्तान में चले गए। लेकिन इस प्रकार के हालत में भारत सरकार को अपने नागरिकता अधिनियम में संशोधन करना चाहिए था ताकि जो लोग अपने पर बलपूर्वक थोपी गई पाकिस्तान नागरिकता को लेने को तैयार नहीं थे बल्कि अपनी भारतीय नागरिकता को ही प्राप्त करने के लिए प्रयत्नशील थे। लेकिन भारत सरकार अपने इस राष्ट्रीय दायित्व का पालन करने से बचती रही और लाखों हिन्दु-सिख-बौद्ध कष्टकारी जीवन व्यतीत करने के लिए अभिषप्त होते रहे। बंगला देश बनने के बाद इसके विपरीत एक अजीब दौर प्रारम्भ हो गया। बंगला देश से लाखों की संख्या में मुसलमान अवैध तरीक़े से भारत में घुसने लगे। ये वे लोग हैं जिन्होंने ब्रिटिश काल में मुसलिम लीग व ब्रिटिश सरकार के सहयोग से चलाए जा रहे 'भारत तोड़ो अभियान' में भाग लिया था जिसके परिणाम स्वरूप 1947 में भारत का विभाजन हो गया और इन्हें इनकी माँगी हुई पाकिस्तानी नागरिकता मिल गई। इनके भारत में आने का कारण क्या है? क्या वहाँ का सरकार (पाकिस्तानी या बांग्लादेशी) इन्हें इस्लाम मजहब के कारण तंग कर रही है? ऐसा तो सम्भव ही नहीं है क्योंकि पाकिस्तान और बंगला देश दोनों ही सांविधानिक लिहाज़ से भी इस्लामी देश है। तब ये भारत में क्यों आ रहे हैं? क्या भारत में काम काज की तलाश में आते हैं? यदि ऐसा है दो इन्हें बाक़ायदा विधि के अनुसार भारत का वीज़ा व वर्क परमिट लेकर आना चाहिंए। लेकिन ये बिना वीज़ा के आते हैं।

दृष्टि कोण

लोकसभा चुनाव, राजग तैयार, इंडिया गठबंधन में रार

मोदी को सीधे चुनौती देने के लिए विपक्ष के पास कोई कद्दावर नेता का विकल्प नहीं दिखता है। दरअसल लोकसभा चुनाव मोदी बनाम बाकी की जद में अटक गया है। राजग के उम्मीदवार चुनावी मैदान में उतर रहे हैं लेकिन हर कोई अपना वोट मोदी के नाम और काम पर मांग रहा है। लोकसभा चुनाव, राजग तैयार, इंडिया गठबंधन में रार लोकसभा चुनाव का प्रचार अभियान तेज होने लगा है। भारतीय जनता पाटा की अगुवाईं में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के चुनाव प्रचार की कमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संभाल ली है। राजग में उम्मीदवार तय करने से लेकर जनसंपर्व और प्रचार अभियान मतदाता को रिझाने पर वेंद्रित हो गया है। नरेन्द्र मोदी, अमित शाह, राजनाथ सिह और जे पी नड्डा की अगुवाईं में हर प्रदेश में भाजपा के नेता और कार्यकर्ता चुनावी मैदान में जीत का परचम लहराने के लिए जुट गये है। उनके हौसले बुलंद हैं और वे मोदी तीसरी बार, अबकी बार 400 पार के असाधारण लक्ष्य को हासिल करने के लिये चुनावी रण की ओर निकल पड़े हैं। दूसरी तरफ इंडिया गठबंधन दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविद केजरीवाल की शराब घोटाले में मुख्य साजिशकर्ता के आरोप में गिरफ्तारी के विरोध में एकजुट दिखने की कोशिश में लगा है। इस ॖम में पहली बार दिल्ली के रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन के नेता एकत्र हुये और भ्रष्टाचार के खिलाफ नरेन्द्र मोदी की मुहिम को राजनीति से प्रेरित करार दिया। उन्होंने केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर एकजुटता दर्शाईं और मोदी सरकार पर संविधान को बदलने की साजिश रचने का आरोप लगाया। इन नेताओं ने वेंद्रीय जांच एजेंसियों प्रवर्तन निदेशालय और वेंद्रीय जांच ब्यूरो पर भ्रष्टाचार की आड में विपक्ष के नेताओं को निशाना बनाने का आरोप लगाया। लाल किले से स्वाधीनता दिवस पर भ्रष्टाचार के खिलाफ लडाईं तेज करने का संकल्प व्यत्त कर चुके प्रधानमंत्री मोदी ने अब कहा है कि चुनाव के बाद उनके तीसरे कार्यकाल में भ्रष्टाचार पर प्रहार और तेज होगा। उत्तराखंड में 19 अप्रैल को होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार की शुरूआत करते हुए प्रधानमंत्री ने रुद्रपुर में 'विजय शंखनाद' रैली को संबोधित किया। उन्होंने कहा, तीसरे कार्यकाल में भ्रष्टाचार पर और तेज प्रहार होगा। यह गारंटी मैं आपको देने आया हूं। मोदी ने कहा, ''भ्रष्टाचार से हर गरीब का हक छिनता है, हर मध्यम वर्ग का हक छिनता है और मैं किसी का हक किसी को छीनने नहीं दूंगा। मोदी ने कहा कि आने वाले पांच साल अभूतपूर्व काम और बड़े पैसलों के लिए होंगे लेकिन उसके लिए जनता को उन्हें और मजबूत करना होगा। विपक्ष पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि विपक्षी गठबंधन 'इंडी' ने अपने इरादे साफ कर दिए हैं। कांग्रेस के शाही परिवार के शहजादे राहुल गांधी ने ऐलान किया है कि अगर देश ने तीसरी बार भाजपा सरकार को चुना तो आग लग जाएगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि 60 साल तक देश पर राज करने वाले 10 साल सत्ता से बाहर रहते ही देश में आग लगाने की बात कर रहे हैं। देश में इमरजेंसी लगाने वाली कांग्रेस का लोकतंत्र पर भरोसा नहीं बचा है और इसलिए वह जनादेश के विरूद्ध लोगों को भड़काने में जुट गयी है। वास्तव में कांग्रेस देश को अस्थिरता की तरफ ले जाना चाहती है और अराजकता में झोंकना चाहती है। इंडिया गठबंधन भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाईं को उन्हें पीडित करने की कार्रवाईं अर्थात विक्टिम कार्ड खेलकर सहानुभूति बटोरना चाहता है। चुनाव में ये मुद्दा किसके हक में जाता है और उसका कितना असर पडता है इसे लेकर पक्ष विपक्ष एक दूसरे के खिलाफ लामबंद हो रहे हैं। लेकिन इंडिया गठबंधन चुनावी तैयारियों को लेकर जमीनी स्तर पर काफी पीछे दिख रहा है। दरअसल जिस सोच के साथ यह गठबंधन बना था वह पहले ही तार तार हो चुका है। राजग के खिलाफ विपक्ष का संयुत्त उम्मीदवार खडा करने का इंडिया का मंतव्य पहले ही ध्वस्त हो चुका है। दिल्ली, उत्तर प्रदेश और बिहार में इंडिया गठबंधन के बीच वोट ट्रांसफर न केवल बड़ी चुनौती है बल्कि सही मायने में दुष्कर कार्य है। जिस तरह से बिहार में राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर घमासान मचा हुआ है उससे इंडिया गठबंधन के नेताओं के दावे खोखले दिखाईं दे रहे हैं। बाहुबली पप्पू यादव और लालू यादव का परिवार एक दूसरे को नीचा दिखाने में लगे हैं। हालत यह हो गईं है कि कांग्रेस पप्पू यादव से किनारा कर लालू यादव के परिवार का खुलकर पक्ष लेती दिख रही है। कांग्रेस लालू यादव के सामने बेबस दिखाईं दे रही है और उसके लिए अपना वजूद बनाए रखने की चुनौती खड़ी हो गईं है। महाराष्ट्र में भी कांग्रेस शिव सेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पाटा के सामने बेबस दिखाईं दे रही है। उद्धव ठाकरे की शिव सेना के प्रवत्ताओं ने जिस तरह से कांग्रेस को खुलकर चुनौतियां दी उससे कांग्रेस की न केवल फजीहत हुईं बल्कि उसकी साख को धक्का लगा है। तमिलनाडु में भी द्रमुक ने कांग्रेस को आइना दिखाया है। केरल में मार्क्सवादी पाटा का रवैया कांग्रेस के लिये नुकसानदेह साबित हो सकता है। राजग के लिये इंडिया गठबंधन चुनौती बन सकता था लेकिन जिस तरह से विपक्ष के बाकी दल कांग्रेस के अतीत और वर्तमान को लेकर बंटे हुये है उससे साफ है कि वे कांग्रेस के नेतृत्व को स्वीकार करने के लिये तैयार नहीं हैं। फिर मोदी सरकार ने पिछले दस साल में कामकाज के लिहाज से अपनी छवि बनाईं है उससे भाजपा की स्थिति मजबूत बनी हुईं है। खुद मोदी की छवि एक विश्व नेता और समर्पित कर्मठ नेता के रूप में उभरी है। आम धारणा बन गईं है कि मोदी के नेतृत्व में देश आगे बढा है और दुनिया में भारत एक ताकतवर देश बनकर उभरा है।

कुछ अलग

छोटे दल कर सकते हैं बड़ा धमाका

असम में पहले चरण का मतदान हो गया है। बंगाल के चुनाव में बेशक शोरगुल भले ही सबसे अधिक हो, लेकिन असम का चुनाव भी कम अहमियत नहीं रखता। असम में मुकाबला त्रिकोणीय है, लेकिन हकीकत यह है कि असम में छोटे दल भी चुनाव परिणाम पर बड़ा असर डाल सकते हैं। असम में भाजपा नेतृत्व वाला गठबंधन कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन के साथ सीधी टक्कर में दिख रहा है। एक तीसरा मोर्चा स्थानीय पार्टियों एजेपी और आरडी का भी है। इन गठबंधनों के साथ असम की छोटी क्षेत्रीय पार्टियों की मौजूदगी का असर इस पूवरेत्तर राज्य के चुनाव परिणाम पर देखने को मिल सकता है। सबसे पहले बात करते हैं कि कौन-सी क्षेत्रीय छोटी पाटा इस चुनाव में भाजपा का समर्थन कर रही हैं। इस पाटा का नाम है यूनाइटेड पीपुल्स पाटा लिबरल (यूपीपीएल)। यह असम के बोडोलैंड क्षेत्र की पाटा है और पिछले साल बोडोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल (बीटीसी) में भाजपा के साथ इसने हाथ मिलाया था। पाटा के मुखिया ऑल बोडो स्टूडेंट्स यूनियन के पूर्व अध्यक्ष प्रामोद बोरो हैं जिन्हें वेंद्र और बोडो समूहों के बीच शांति समझौते में अहम भूमिका के लिए जाना जाता है। यूपीपीएल इस बार के चुनाव में भाजपा के साथ है और आठ सीटों पर चुनाव लड़ रही है। रोचक बात यह है कि पाटा प्रादेश की तीन सीटों पर भाजपा के साथ दोस्ताना मुकाबला भी करेगी। असम में कांग्रोस गठबंधन की बात की जाए तो छोटी क्षेत्रीय पाटा के रूप में उसके पास बोडोलैंड पीपुल्स प्रांट यानि बीपीएफ का साथ है। बीपीएफ बोडोलैंड क्षेत्र की एक प्राभावशाली पाटा है और पूर्व में भाजपा की साझेदार रह चुकी है। इसके मुखिया हेगरामा मोहिलारी हैं, जिन्होंने इस बार कांग्रोस का हाथ थामने का पैसला किया है। कांग्रोस के खेमे में आंचलिक गण मोर्चा (एजीएम) भी एक ऐसी ही क्षेत्रीय पाटा है जो असम चुनाव पर असर डाल सकती है। राज्यसभा सांसद अजीत वुमार भूयन के नेतृत्व वाली एजीएम इस बार कांग्रोस गठबंधन की तरफ से दो सीटों पर चुनाव लड़ रही है। असम की विधानसभा में बीपीएफ के पास 12 सीटें हैं। इस पाटा की अहमियत इसी बात से समझी जा सकती है कि पिछले साल दिसम्बर में बीटीएस में 40 सीटों पर हुए चुनाव में बीपीएफ ने सबसे अधिक 17 सीटें जीती थीं। इस चुनाव में दूसरे नम्बर पर यूपीपीएल थी जिसे 12 सीटें मिली थीं, जबकि भाजपा को नौ और कांग्रोस को एक सीट मिली थी। भाजपा और कांग्रोस के अलावा असम में एक तीसरा मोर्चा भी सव्रिय है। असम जातीय परिषद (एजेपी) और रायजोर दल (आरडी) ने मिलकर एक गठबंधन इस बार असम के चुनाव में बनाया है। यह दोनों ही पार्टियां सीएए विरोधी आंदोलन की देन है। एजेपी को असम के दो सबसे प्राभावशाली छात्र संगठनों ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन और असम जाति मतावादी युवा छात्र परिषद का समर्थन हासिल है। ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन के पूर्व महासचिव लुरिनज्योति गोगोईं एजेपी का नेतृत्व कर रहे हैं। दूसरी तरफ रायजोर दल का गठन बीते साल वृषक मुक्ति संग्राम समिति (केएमएसएस) ने 70 अन्य संगठनों के साथ मिलकर स्थानीय समुदायों के प्रातिनिधित्व के लिए किया था। वुल मिलाकर असम में यह छोटे दल व गठबंधन दोनों भाजपा और कांग्रोस का खेल बिगाड़ सकते हैं। देखना यह है कि असम में कौन-सा गठबंधन ज्यादा हावी होता है।

देश दुनीया से

धरती को बचाने इस हाथ दे उस हाथ ले

> बिगड़ते पर्यांवरण, बढ़ते प्रदूषण को लेकर दुनियाभर में जहां-तहां भारी- भरकम बैठकों का दौर चलता रहता है परन्तु वहां पर जुटे हुक्मरानों और अफसरानों की मौजूदगी के मुकाबले कितना वुछ हासिल हुआ या होता है यह सामने है। सच तो यह है कि दुनिया के बड़े-बड़े शहरों में ग्लोबल लीडरशिप की मौजूदगी के बावजूद प्रवृति के बिगड़ते मिजाज को काबू में नहीं लाया जा सका। उल्टा हमेशा कहीं न कहीं से पर्यांवरण के चलते होने वाले भारी-भरकम नुकसानों की तस्वीरें चिंता बढ़ाती रहती हैं। यदि वाकईं बिगड़ते पर्यांवरण या प्रवृति के रौद्र रूप को काबू में करना ही है तो शुरुआत हर एक घर से होनी चाहिए। धरती की सूखती कोख, आसमान का हांफता रूप बीती एक-दो पीढ़ियों ने ही देखा है।

सवाल वही कि बिगड़ते पर्यांवरण और प्रवृति के मिजाज को वैसे दुरुस्त रखा जाए? इसके लिए शुरुआत गांव, मोहल्ले और एक-एक घर से करनी होगी। जल, जंगल और जमीन के महत्व को सबको समझना और समझाना होगा। इस हाथ ले उस हाथ दे के फॉर्मूले पर हर किसी को सख्ती से अमल करना होगा। दुनियाभर में प्रवृति और पर्यांवरण को लेकर जितनी चिंता वैश्विक सगंठनों की बड़ी-बड़ी बैठकों में दिखती है, उतनी धरातल पर कभी उतरती दिखी नहीं। इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि सामूहिक चिंतन और हर एक की चिंता से जागरुकता बढ़ती है। बिगड़ते पर्यांवरण, बढ़ते प्रदूषण को लेकर दुनियाभर में जहां-तहां भारी- भरकम बैठकों का दौर चलता रहता है परन्तु वहां पर जुटे हुक्मरानों और अफसरानों की मौजूदगी के मुकाबले कितना वुछ हासिल हुआ या होता है यह सामने है। सच तो यह है कि दुनिया के बड़े-बड़े शहरों में ग्लोबल लीडरशिप की मौजूदगी के बावजूद प्रवृति के बिगड़ते मिजाज को काबू में नहीं लाया जा सका। उल्टा हमेशा कहीं न कहीं से पर्यांवरण के चलते होने वाले भारी-भरकम नुकसानों की तस्वीरें चिंता बढ़ाती रहती हैं। यदि वाकईं बिगड़ते पर्यांवरण या प्रवृति के रौद्र रूप को काबू में करना ही है तो शुरुआत हर एक घर से होनी चाहिए। धरती की सूखती कोख, आसमान का हांफता रूप बीती एक-दो पीढ़ियों ने ही देखा है। इससे पहले हर गांव में वुंए, पोखर, तालाब शान हुआ करते थे। गमा की ऐसी झुलसन ज्यादा पुरानी नहीं है। वुछ बरसों पहले तक बिना पंखा, आंगन में आने वाली मीठी नींद भले ही अब यादों में ही है लेकिन ज्यादा पुरानी बात भी तो नहीं। बदलाव की चिंता सबको होनी चाहिए। सब से मतलब पठार से लेकर पहाड़ और बचे-खुचे जंगलों से लेकर वंव्रीट की बस्तियों की तपन तक इस पर विचार होना चाहिए। सब जगह प्रावृतिक स्वरूप तेजी से बदल रहा है। काफी वुछ बदल गया है, बहुत वुछ बदलता जा रहा है। हल वहीं मिलेगा जब चिंता उन्हीं बिन्दुओं पर हो जहां इन्हें महसूस किया जा रहा हो। लेकिन हो उल्टा रहा है। हजारों किमी दूर, सात-सात समंदर के पार सीमेंट की चट्टानों की अट्टालिकाओं के एयरवंडीशंड हॉल में इन समस्याओं पर चर्चा तो होती है परन्तु जिस पर चर्चा होती है वहां के हालात सुधरने के बजाय दिनोंदिन बिगड़ते ही जाते हैं। कहने की जरूरत नहीं कि ऐसे में ये ग्लोबल बैठवें कितनी असरकारक रहीं या होंगी? सब वुछ पूरी तरह साफ दिख रहा है। बढ़ती जनसंख्या, उसी अनुपात में आवश्यक्ताएं और त्वरित निदान के तौर पर मौजूद प्रावृतिक संसाधनों का बेतरतीब दोहन ही प्रवृति के साथ ज्यादती की असल वजह है। बजाय प्रावृतिक वातावरण को सहेजने के उसे लूटने, रौंदने और बर्बाद करने का काम ही आज तमाम योजनाओं के नाम पर हो रहा है! इन्हें बजाय रोकने और समझने की जगह महज बैठकों से हासिल करना औपचारिकता से ज्यादा वुछ नहीं है। भारतीय पर्यांवरणीय स्थितियों को देखें तो पर्यांवरण और प्रदूषण पर चिंता दिल्ली या राज्यों की राजधानी के बजाय हर गांव व मोहल्ले में होने चाहिए। इसके लिए सख्त कानूनों के साथ वैसी समझाइश दी जाए जो लोगों को आसानी से समझ आए। लोग जानें कि प्रवृति और हमारा संबंध पहले वैसा था और अब वैसा है। यह भले ही बहुत मामूली सी लगने

वाली बात हो लेकिन कितनी महत्वपूर्ण है, समझना और समझाना होगा। वुछ बरस पहले एक विज्ञापन रेडियो पर खूब सुनाईं देता था। बूंद-बूंद से सागर भरता है। बस उसके भावार्थ को आज साकार करना होगा। आज गांवगांव में वंव्रीट के निर्माण तापमान बढ़ा रहे हैं। साल भर पानी की जरूरतों को पूरा करने वाले वुंए बारिश बीतते ही 5-6 महीनों में सूखने लग जाते हैं। तालाब, पोखरों का भी यही हाल है। पानी वापस धरती में पहुंच ही नहीं रहा है। नदियों से पानी की बारहों महीने बहने वाली अविरल धारा सूख चुकी है। उल्टा रेत के पेर में बड़ी-बड़ी नदियां तक अपना अस्तित्व खोती जा रही हैं। सवाल वही कि बिगड़ते पर्यांवरण और प्रवृति के मिजाज को वैसे दुरुस्त रखा जाए? इसके लिए शुरुआत गांव, मोहल्ले और एक-एक घर से करनी होगी। जल, जंगल और जमीन के महत्व को सबको समझना और समझाना होगा। इस हाथ ले उस हाथ दे के फॉर्मूले पर हर किसी को सख्ती से अमल करना होगा। धरती का पानी लेते हैं तो वापस उसे लौटाने की अनिवार्यता सब पर हो। जितना जंगल काटते हैं उतना ही वापस तैयार कर लौटाएं। गांव, नगर व शहरों के विकास के नाम पर सीमेंट के जंगल तो खड़े हो जाते हैं लेकिन उस अनुपात में बढ़ते तापमान को काबू रखने के लिए हरियाली पर सोचा नहीं जाता है।

आप का नजरीया

कांग्रेस को टैक्स राहत

किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की विश्वसनीयता इस बात पर निर्भर करती है कि राष्ट्रीय चुनावों में विपक्षी दलों को मुकाबले में चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता के साथ कितने समान अवसर मिलते हैं। हाल के दिनों में पार्टी के बकाया कर मामले में कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि उसके खाते सील होने के चलते उसे चुनाव लड़ने में दिक्कत हो रही है। वह अपने प्रत्याशियों को हवाई टिकट नहीं दे पा रही है। यह भी कि वह बड़ी चुनावी रैलियां नहीं कर पा रही है। आरोपों की तार्किकता और देश में सबसे लंबे समय तक राज करने वाली पार्टी का वित्तीय प्रबंधन अपनी जगह है, लेकिन किसी भी मुकाबले का नैतिक नियम यही है कि चुनावी मुकाबले में हर राजनीतिक दल को बराबर का अवसर दिया जाए। बहरहाल, अब केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को वचन दिया है कि जुलाई तक आयकर विभाग कांग्रेस से बकाया तीन हजार पांच सौ करोड़ से अधिक के कर वसूलने के बाबत कोई भी कठोर कदम उठाने से परहेज करेगा। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब लोकसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान में कुछ ही हफ्ते बाकी रह गये हैं। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस को राहत देने के चलते यह प्रकरण कर मामलों के राजनीतीकरण के बाबत प्रासंगिक प्रश्न भी उठाता है। यही वजह है कि कांग्रेस समेत विपक्षी दल आरोप लगाते रहे हैं कि सत्तारूढ़ दल 'कर आतंकवाद' के जरिये राजनीतिक लाभ उठाने के लिये राज्यतंत्र का दुरुपयोग कर रहा है। यह प्रकरण इन्हीं आरोपों की कड़ी को विस्तार देता है। निश्चित रूप से, बार-बार आयकर विभाग की चेतावनी और ठीक चुनाव से पहले कांग्रेस के फंड पर रोक कई सवालों को जन्म देती है। जो किसी भी स्वतंत्र लोकतंत्र की पारदर्शी व्यवस्था पर सवालिया निशान लगाता है क्योंकि ऐन चुनाव के वक्त पार्टी फंड पर रोक लगाने से कोई भी राजनीतिक दल चुनाव प्रचार अभियान में पंगु हो जाता है। जो किसी भी लोकतंत्र के लिये शुभ संकेत कदापि नहीं कहा जा सकता। बहरहाल, चुनाव के कुछ समय बाद तक आयकर बकाया मामले में कांग्रेस के खिलाफ आयकर विभाग द्वारा कोई कार्रवाई न करने का वायदा निश्चित रूप से कांग्रेस को तात्कालिक वित्तीय दबाव से कुछ राहत जरूर देगा। लेकिन यह कदम कर कानून प्रवर्तन में निष्पक्षता और पारदर्शिता की अंतर्निहित चिंताओं का समाधान प्रदान नहीं करता है। निश्चित रूप से ऐसे मामलों में निष्पक्ष रूप से निर्णय लेने में न्यायपालिका की भूमिका कानून के शासन को स्थापित करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण हो जाती है। इसी आरोप-प्रत्यारोप वाले राजनीतिक परिदृश्य में बीते रविवार को दिल्ली में इंडिया गठबंधन द्वारा आयोजित 'लोकतंत्र बचाओ रैली' हमारे लोकतांत्रिक संस्थानों के सामने आने वाली विभिन्न चुनौतियों को देश के जनमानस के सामने रखती है। विपक्षी नेताओं का आरोप रहा है कि असहमति की आवाज को दबाने के लिये सत्तारूढ़ दल सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग कर रहा है। नेताओं ने विपक्षी नेता अरविंद केजरीवाल और हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी को राजनीतिक दुराग्रह से की गई कार्रवाई के रूप में दर्शाया है।

जनता सपा की गुंडई का हिसाब किताब करने के लिए तैयार : भूपेंद्र चौधरी

लखनऊ (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने मतदाताओं को धमकाने के मामले में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव को आड़े हाथों लिया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने एक्स पर पोस्ट किया कि उत्तर प्रदेश की देव तुल्य जनता-जनार्दन भी सपा की गुंडई का हिसाब किताब बराबर करने के लिए तैयार बैठी हुई है। आगामी लोकसभा चुनाव में जनता इन्हें जवाब जरूर देगी। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी का मूल चरित्र ही लोगों को धमकाना एवं अराजकता फैलाना है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव बजायूं में वोट न देने पर जनता से हिसाब- किताब बराबर करने की खुलेआम धमकी दे रहे हैं। वहीं कन्नौज में सपा मुखिया अखिलेश यादव के सामने ही भाजपा उम्मीदवार सुब्रत पाठक के टुकड़े-टुकड़े करने की बात कही गई और वह मौन रहे। उनका मौन रहना ही उनके समर्थन को दर्शाता है। भारतीय जनता पार्टी ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश के समक्ष समाजवादी पार्टी के नेता मनोज दीक्षित के द्वारा की गई आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायत की है। भाजपा सपा नेता पर चुनाव आयोग से कार्यवाही की मांग की। सपा कार्यालय कन्नौज में सपा प्रमुख अखिलेश यादव की उपस्थिति में आयोजित चुनावी कार्यक्रम में सपा नेता मनोज दीक्षित के द्वारा भाजपा सांसद सुब्रत पाठक के लिए अमर्यादित टिप्पणी करते हुए जान से मारने की धमकी के साक्ष्यों के साथ शिकायत करते हुए भाजपा ने मनोज दीक्षित पर कठोर दंडात्मक कार्रवाई तथा सपा प्रमुख के चुनाव प्रचार पर रोक की मांग की है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लक्ष्य वर्ष 2047 में विकसित भारत : केशव प्रसाद मौर्य

मुरादाबाद (हिंस)। आज भारत किसी को सताने के लिए शक्ति नहीं बढ़ा रहा हैं, किसी को दबाव में लाने के लिए शक्ति नहीं बढ़ा रहा हैं। आज आत्मनिर्भर भारत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इसलिए बढ़ रहा हैं क्योंकि उनका लक्ष्य एकदम स्पष्ट है और जब लक्ष्य स्पष्ट होता हैं तो वह पूरा होता हैं। नरेंद्र मोदी का लक्ष्य वर्ष 2047 में विकसित भारत है। यह बातें उत्तर प्रदेश सरकार में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य शुक्रवार को भाजपा बूथ अध्यक्ष सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहीं। दिल्ली रोड स्थित एक होटल में आयोजित बूथ अध्यक्ष सम्मेलन में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के लिए व्यक्ति नहीं, राष्ट्र सर्वोपरि है। जब कोरोना में पूरी दुनिया परेशान थी। लोग जान बचाने की कोशिश में लगे थे, तब भाजपा का

कार्यकर्ता जान की परवाह किए बगैर मानवता की रक्षा के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रहा था। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे प्रत्येक पन्ना प्रमुख के ऊपर 60 मतदाताओं की जिम्मेदारी हैं। इस जिम्मेदारी को निभाने में वह कोई कसर नहीं छोड़ेंगे मुझे पूरा विश्वास है। सपा, बसपा व कांग्रेस के नेता तो अभी तक घर से भी नहीं निकले हैं। चार जून को 04 बजे भाजपा 400 के पार, फिर एक बार प्रचंड बहुमत की सरकार। इससे समूचा विपक्ष बौखलाया हुआ हैं, इनकी हवा खराब हैं, हवाइयां उड़ी हुई हैं। केशव प्रसाद मौर्य कहा कि 06 दिसंबर 1992 को कलंकित ढांचे की कार सेवा हुई थी वैसे ही सपा, बसपा, कांग्रेस राजनीति में कलंकित ढांचे की तरह खड़े हैं, इन पर कार सेवा के रूप में टूट पड़ो। इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी के महानगर अध्यक्ष संजय शर्मा, नगर विधायक रितेश गुप्ता, विधान परिषद सदस्य डॉ. जयपाल सिंह व्यस्त, लोकसभा संयोजक डॉ. विशेष गुप्ता, लोकसभा प्रभारी अशोक पाल, महानगर मीडिया प्रभारी राजीव गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

बेटी की कट्टे के साथ सोशल मीडिया पर फोटो वायरल होने के बाद पिता गिरफ्तार

भागलपुर (हिंस)। जिले के परबत्ता थाना क्षेत्र में सोशल मीडिया पर एक लड़की द्वारा हथियार लहराने का वीडियो वायरल होने के मामले में लड़की के पिता को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। परबत्ता थानाध्यक्ष को सूचना मिली कि सोशल मीडिया पर एक लड़की का हाथ में लिए देशी कट्टा का फोटो वायरल हो रहा है। परबत्ता थाना प्रभारी के द्वारा वायरल फोटो की जांच में पाया गया की वायरल फोटो सही है। वहीं हथियार के साथ वायरल फोटो में दिख रही लड़की परबत्ता थानातंर्गत जगतपुर निवासी वेदानंद यादव की पुत्री है। जिसके बाद थाना प्रभारी ने कार्रवाई करते हुए मवेशी हटिया जगतपुर स्थित वेदानंद यादव के बासा के पास पहुंचें तो पुलिस को देख एक व्यक्ति भागने लगा। जिसे पुलिस ने पकड़कर वायरल तस्वीर के बारे में पूछा तो उसने बताया कि हथियार के साथ वायरल फोटो में दिख रही लड़की उसकी पुत्री साक्षी कुमारी है। पकड़ाये व्यक्ति एवं बासा की तलाशी के क्रम में फूस टटिया के झोपड़ी से पुलिस ने देशी कट्टा बरामद किया। वहीं आरोपी लड़की अब तक फरार चल रही है। जिसे पुलिस तलाश रही है। इस संबंध में पुलिस ने परबत्ता थाना में साक्षी कुमारी और उसके पिता वेदानंद यादव के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

नवादा के 1796 मतदान केंद्रों पर शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न कराना मेरा लक्ष्य : प्रशांत

नवादा (हिंस)। नवादा के नव पदस्थापित जिलाधिकारी सह जिला निर्वाची अधिकारी प्रशांत कुमार ने कहा है कि नवादा लोकसभा चुनाव को शांतिपूर्ण तथा निष्पक्ष करना ही हमारा लक्ष्य है, जिसके लिए व्यापक तैयारियां पूरी कर ली गई है। वे नवादा पहुंचते ही शुक्रवार को नवादा समाहरणालय के सभागार में मीडिया कर्मियों को संबोधित कर रहे थे। नवादा लोकसभा क्षेत्र के तहत 1796 मतदान केंद्र है जिस पर 20 लाख 6 हजार124 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि 19 अप्रैल को 7 बजे सुबह से 6 बजे शाम तक मतदान केदो पर मतदान संपन्न कराए जाएंगे। वहीं नक्सल प्रभावित गोविंदपुर तथा रजौली प्रखंड क्षेत्र के इलाकों में 7 बजे सुबह से 4 बजे शाम तक ही मतदान संपन्न कराए जाएंगे। डीएम प्रशांत कुमार ने बताया कि चुनाव को शांतिपूर्ण संपन्न कराने के उद्देश्य से 12000 लोगों पर दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 107 के तहत बन्ध- पत्र भराने की कार्रवाई की गई है ताकि वे सब बलवाइयों पर नजर रखी जा सके। डीएम ने कहा कि शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न कराने पर्याप्त संख्या में मतदान केदो पर अर्धसैनिक बलों की तैनाती की जाएगी। उन्होंने कहा कि 4 कम्पनी अर्ध सैनिक बल

पहुंच चुके हैं और भी पर्याप्त मात्रा में अर्ध सैनिक बल की मांग की गई। जो समय रहते चुनाव आयोग के निर्देश पर नवादा पहुंचना है। उन्होंने कहा कि मतदान प्रतिशत बढ़ाने के उद्देश्य व्यापक प्रचार-प्रसार किये जा रहे हैं। बढ़-चढ़कर मतदान प्रतिशत बढ़ाने की कोशिश होगी। उन्होंने कहा कि मेरी अपील है कि शत- प्रतिशत लोग अपना मताधिकार का प्रयोग कर सके। उन्होंने कहा कि चुनाव भारतीय प्रजातंत्र का महापर्व है, जिसमें सभी मतदाताओं को शामिल होकर बेहतर प्रतिनिधि का चुनाव करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मतदाता ही बेहतर प्रजातंत्र के नियामक है।

सपा नेत्री नेहा सिंह आनंद भाजपा में शामिल

बाराबंकी (हिंस)। सपा से जिला पंचायत अध्यक्ष का चुनाव लड़ने वाली महिला नेत्री नेहा सिंह आनंद ने शुक्रवार को जिला प्रभारी एमएलसी इं अवनीश पटेल के सामने भाजपा ज्वॉइन कर लिया। उन्होंने कहा कि वे भाजपा की मजबूती व पार्टी उम्मीदवार को जिताने का कार्य करेंगी। पार्टी की रीति-नीति से प्रभावित होकर भाजपा ज्वॉइन की है। त्रिवेदी गंज तृतीय से मौजूदा सदस्य जिला पंचायत नेहा आनंद ने जीतने के बाद सपा से जिला पंचायत अध्यक्ष का चुनाव लड़ा था। अब वे सपा छोड़कर बीजेपी में आ गई है। शुक्रवार को जिलाध्यक्ष अरविन्द मौर्य, राम कुमारी मौर्य व अन्य पार्टी पदाधिकारियों के सामने उन्होंने भाजपा ज्वॉइन किया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री की नीतियां सर्वजन के कल्याण की है जो दबे कमजोर लोगों को ऊंचा उठा रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पुष्कर चुनावी सभा चौधरी और मिर्धा के समर्थन में होगी

अजमेर (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार छह अप्रेल को तीर्थराज पुष्कर में अजमेर लोकसभा चुनाव प्रत्याशी भागीरथ चौधरी व नागौर प्रत्याशी ज्योति मिर्धा के समर्थन में चुनावी सभा को सम्बोधित करेंगे। प्रधानमंत्री का इस दौरान जगतपिता ब्रह्मा मंदिर में दर्शन के लिए जाने का फिलहाल कोई कार्यक्रम तय नहीं है। यह जानकारी के अजमेर भाजपा प्रत्याशी भागीरथ चौधरी के चुनाव कार्यालय में पत्रकारों को संबोधित करते हुये प्रदेश महामंत्री, संभाग प्रभारी भाजपा एवं विधायक खंडार जितेन्द्र गोठवाल ने दी। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर 6 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी पुष्कर की धरा पर लोकसभा प्रत्याशी

भागीरथ चौधरी व नागौर की प्रत्याशी ज्योति मिर्धा के पक्ष में सभा को सम्बोधित करेंगे। गोठवाल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने जहां 10 साल में देश को जिस ऊंचाई पर उठाया वहां कांग्रेस ने पिछले 60 सालों में गर्त में डाल दिया। पूरे संसार में जहां जन-जन के प्रिय करोड़ों भारतीयों के दिलों पर राज करने वाले हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी ने देश हित में जो कार्य किए वे बड़े ही सराहनीय हैं। इस दौरान सभी कार्यकर्तृता तथा बूथ अध्यक्ष उपस्थित रहेंगे। प्रेसवार्ता के दौरान विधायक श्रीमती अनिता भदेल, रमेश सोनी, ओमप्रकाश भड़ाना, नीरज जैन, धमेन्द्र गहलोत, बीरमदेव जेसास, अनीश मोयल, रचित कच्छावा आदि उपस्थित थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभा को लेकर पुलिस ने पुष्कर की भारी किले बंदी कर दी है। मेला क्षेत्र, कपालेश्वर मंदिर, हेलीपैड रोड, नागौर रोड, सहित सभी मार्गों पर बेरीकैडिंग की जा रही है साथ ही जगह जगह पुलिस बल तैनात किया जा रहा है। पीएम की यात्रा को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। पुष्कर मेला मैदान में पंडाल व मंच तैयारी जोरों पर है।

देश को और ज्यादा मजबूत बनाना है : दीया कुमारी

उदयपुर (हिंस)। प्रदेश की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि चाहे प्रत्याशी कोई भी हो, महत्वपूर्ण बात यह है कि हमें देश को फिर से और ज्यादा मजबूत बनाना है। देश आत्मनिर्भर ताकत बने। यह चुनाव देश के लिए मील का पत्थर साबित होगा। यह चुनाव देश के लिए आने वाले समय भारत की प्रगति, उन्नति और विश्व गुरु की ओर ले जाने वाला एक स्वर्णिम अवसर कहलाएगा। वे शुक्रवार को यहां पटेल सर्कल स्थित भाजपा कार्यालय पर लोकसभा संभागीय मीडिया सेंटर के शुभारंभ पर मुख्य अतिथि के रूप में कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रही थी। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि इतने सालों तक भारत पूर्ण विकसित देश नहीं बन पाया। इसे पूर्ण विकसित बनाना है। तीसरे कार्यकाल में हमारा लक्ष्य पूर्ण विकसित भारत बनाना है। सारे देश भारत से पीछे रह जाए। देश आर्थिक रूप से दुनिया में सबसे बड़ी अर्थ व्यवस्था बन रही है।

प्रारंभ में उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने भारत माता, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय की तस्वीर पर पुष्पांजलि एवं दीप प्रज्ज्वलित कर सेंटर का मोली खोलकर उद्घाटन किया। भाजपा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओ ने उनका स्वागत किया। उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में मीडिया की बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका हो गई, वैसे मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहलाता, यही हमें देश में होने वाली हर गतिविधियों की जानकारियां मिनटों में प्रदान करता है। देश के प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री द्वारा किए गए विकास के कार्य, जनता के लिए बनाई गई जन कल्याणकारी योजनाओं के साथ ही विभिन्न राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक और भौगोलिक गतिविधियों को आम जनता तक पहुंचाने मीडिया सरकार और जनता के बीच सेतु का कार्य करें। उन्होंने कहा कि ऐसे संभागीय कार्यालय हर जिले में खोले जाने चाहिए। मीडिया प्रभारी चंचल अग्रवाल ने मीडिया सेंटर के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर भाजपा शहर जिला अध्यक्ष रवींद्र श्रीमाली, देहात जिला अध्यक्ष चंद्रगुप्त सिंह चौहान, राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता विकास बारेठ, जिला महामंत्री गजपाल सिंह राठौड़, दीपक शर्मा, भाजपा सोशल मीडिया प्रदेश प्रभारी मोहित सनाढ्य, आईटी विभाग प्रदेश समन्वयक यशवंत मंडावरा आदि उपस्थित थे। मीडिया लोकसभा सह प्रभारी अशोक आमेटा ने उपमुख्यमंत्री को स्मृति चिह्न भेंट किया।

अपराधी, माफिया, दंगाई सपा के हैं घरजमाई : ब्रजलाल

लखनऊ, (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) के राज्यसभा सदस्य ब्रजलाल ने उत्तर प्रदेश की मुख्य विपक्षी पार्टी समाजवादी पार्टी पर करारा हमला बोला है। भाजपा प्रदेश मुख्यालय पर शुक्रवार को प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए ब्रजलाल ने कहा कि अपराधी, माफिया व दंगाई सपा के घरजमाई हैं। सपा दलित विरोधी है। इनका इतिहास अपराधों से भरा है। ब्रजलाल ने कहा कि बूथ कैप्चरिंग इनकी आदत है। सपा नेता शिवपाल यादव के बयान से उनकी मानसिकता उजागर होती है। चुनाव में जनता ठीक से इनका हिसाब लेगी। अखिलेश यादव की उपस्थिति में कन्नौज से भाजपा प्रत्याशी सुब्रत पाठक के टुकड़े-टुकड़े कर देने का बयान से इनकी गुंडई सिर चढ़कर बोल रही है। इनकी हरकतों को उत्तर प्रदेश की जनता ने झेला है। 2022 में सपा को जीत का अहंकार था। इनके कार्यकर्ताओं ने प्रदेशभर में अराजकता का माहौल पैदा किया। भाजपा के राज्यसभा सदस्य ब्रजलाल ने कहा कि इंडी गठबंधन से चुनाव लड़ रहे इमरान मसूद ने मोदी के बोटी-बोटी कर देने का बयान दिया था। उन्होंने कहा कि यूपी की जनता लगातार सपा की अराजकता के खिलाफ वोट कर रही है। उत्तर प्रदेश में भाजपा 80 की 80 लोकसभा सीटें जीतेगी। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार चला रहे हैं। वह बखूबी गुंडों माफियाओं का इलाज करना जानते हैं। भाजपा सरकार में माफिया सिर नहीं उठा सके। प्रेसवार्ता में भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव, प्रदेश मीडिया प्रभारी मनीष दीक्षित एवं सह मीडिया प्रभारी हिमांशु दुबे मौजूद रहे।

10 तारीख को बुलडोजर बाबा कठुआ पहुंचकर करेंगे प्रचार

कठुआ (हिंस)। आगामी 10 अप्रैल को कठुआ-डोडा-उधमपुर लोकसभा क्षेत्र से तीसरी बार भाजपा उम्मीदवार डॉ. जितेंद्र सिंह के समर्थन में चुनाव प्रचार करने के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कठुआ पहुंच रहे हैं। भाजपा कठुआ इकाई द्वारा इस पूरे कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तृत जानकारी दी गई। पत्रकार वार्ता का आयोजन भाजपा जिला अध्यक्ष गोपाल महाजन के नेतृत्व में की गई जिसमें पूर्व मंत्री राजीव जसरोटिया, कठुआ प्रभारी मनीष शर्मा, मनयाल, संजीव शर्मा सहित अन्य भाजपा नेता मौजूद रहे। पत्रकारों को संबोधित करते हुए मनयाल ने बताया कि पूरे देश में लोकसभा चुनाव को लेकर सरगर्मियां तेज हैं। इस बार 400 पार के नारे को लेकर भाजपा ने अपनी कमर कस ली है। इसी क्रम में डॉक्टर जितेंद्र सिंह के पक्ष में स्टार प्रचारक के तौर पर कठुआ में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ चुनावी प्रचार करेंगे। उन्होंने कठुआ की जनता से अपील की कि ज्यादा से ज्यादा लोग 10 तारीख को रामलीला मैदान पहुंची और योगी जी के भाषण को सुने। उन्होंने बताया कि कठुआ जिला के साथ-साथ उधमपुर डोडा रामबन जैसे क्षेत्रों से भी काफी लोगों का आना होगा। उन्होंने कहा कि इसके लिए तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। 10:00 बजे के करीब कठुआ में एक रोड शो का आयोजन किया जाएगा इसके बाद कठुआ के मुख्य रामलीला मैदान में योगी जनसभा को संबोधित करेंगे। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में भाजपा के और भी स्टार प्रचारक प्रचार के लिए आने वाले हैं।

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच अदा की गई अलविदा जुमे की नमाज

अररिया (हिंस)। अररिया शहर सहित पूरे जिले में अलविदा जुमे की नमाज कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच अकीदत के साथ शुक्रवार को अदा की गई। अलविदा जुमा को लेकर जामा मस्जिद सहित विभिन्न मस्जिदों में विशेष इंतजाम किए गए थे। नगर परिषद प्रशासन की ओर से मस्जिद के आसपास के इलाकों में साफ सफाई के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। सड़क पर आवाजाही को रोकने के लिए बांस की बेरेकेडिंग के साथ ही चीन और ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव किया गया था। ट्रैफिक व्यवस्था को नियंत्रित करने के लिए भारी संख्या में पुलिस अधिकारियों और बलों की तैनाती की गई थी। अलविदा जुमे की नमाज को लेकर सुबह से चहल पहल देखी गई। अररिया चांदनी चौक से जामा मस्जिद जाने वाले सड़क पर साफ सफाई के साथ मशीद के अलावे

सड़क पर भी सैकड़ों की संख्या में रोजेदारों ने अलविदा जुमा की नमाज अदा की। सदर एसडीएम नवनील कुमार, एसडीपीओ रामपुकार सिंह समेत थानाध्यक्ष पुलिस अधिकारी और बल मौके पर मौजूद थे। वहीं फारबिसगंज में भी बड़ी मस्जिद के साथ अन्य मस्जिदों में सैकड़ों की संख्या में माहे रमजान के मौके पर अलविदा जुमा के नमाज को रोजेदारों ने अदा किया। साफ सफेद वस्त्रों में एकसाथ रोजेदारों ने पंक्तिबद्ध होकर अलविदा जुमे का नमाज अदा किया।

जदयू के स्टार प्रचारकों की सूची जारी, सीएम सहित बड़े नेता शामिल

पटना (हिंस)। लोकसभा चुनाव-2024 के पहले चरण के चुनाव की तारिख नजदीक आते ही भाजपा ने रैली का शुभारंभ कर दिया है। वहीं जदयू ने लोकसभा चुनाव को लेकर अपने स्टार प्रचारकों की सूची जारी की है। इसमें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पहले नंबर पर हैं। जदयू के राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय नेताओं को भी इसमें जगह मिली है। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह सहित कई अन्य नेताओं और नीतीश मंत्रिमंडल के सदस्यों को स्टार प्रचारक के रूप में शामिल किया गया है। स्टार प्रचारकों में तीन महिलाएं भी अपनी भूमिका निभाएंगी। स्टार प्रचारकों की लिस्ट में तीन महिलाएं भी है। शामिल जदयू के स्टार प्रचारकों की लिस्ट में सीएम नीतीश कुमार, जमां खान, वशिष्ठ नारायण सिंह, रत्नेश सदा, राजीव रंजन सिंह *ललन सिंह*, राजीव रंजन, केसी त्यागी, विद्यासागर निषाद, विजेन्द्र प्रसाद यादव, दामोदर सवतं, मंगनीलाल मंडल, सलीम परवेज, विजय कुमार चौधरी, विजय सिंह निषाद, उमेश सिंह कुशवाहा, डॉ. संजीव कुमार सिंह, संजय कुमार झा, संजय सिंह, रामनाथ ठाकुर, ललन कुमार सर्राफ, श्रवण कुमार, रामसेवक सिंह, आफाक अहमद स्वान, रविन्द्र प्रसाद सिंह, मौलाना गुलाम रसूल बलियावी, खालिद अनवर, अशोक चौधरी, विजय सिंह, लेसी सिंह, मदन सहनी, महेश्वर हजारी, शीला कुमारी, सुनील कुमार, जयंत राज, कहकशां परवीन, शैलेश कुमार, संतोष निराला, नौशाद आलम, लक्ष्मेश्वर और मनीष कुमार के नाम शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि जदयू बिहार में 16 संसदीय सीटों पर चुनाव लड़ रही है।

बारामूला में घुसपैठ की कोशिश, उरी में दो आतंकवादियों को मार गिराया

बारामूला (हिंस)। जम्मू-कश्मीर में बारामूला जिले के उरी के सबुरा नाला इलाके में सुरक्षाबलों ने बड़ी घुसपैठ को नाकाम करते हुए दो घुसपैठियों को मार गिराया है। क्षेत्र में सुरक्षाबलों का अभियान फिलहाल जारी है। एक अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार सुबह सबुरा नाला इलाके में सुरक्षाबलों ने कुछ संदिग्ध व्यक्तियों को भारतीय सीमा में घुसने की कोशिश करते देखा। इस पर सुरक्षाबलों ने गोलीबारी शुरू कर दी, जिसमें दो घुसपैठिए मारे गए। फिलहाल दोनों की पहचान की जा रही है। क्षेत्र में सुरक्षाबलों का अभियान अभी भी जारी है।

लोकसभा चुनाव : भाजपा के जोशी की हैट्रिक रोकने को कांग्रेस का आंजना पर दांव

जयपुर (हिंस)। चित्तौड़गढ़ लोकसभा सीट मेवाड़ की ऐतिहासिक सीट है। इसे चित्तौड़गढ़ जिले की पांच विधानसभा चित्तौड़गढ, कपासन, निम्बाहेड़ा, बड़ीसादड़ी व बेगूं, प्रतापगढ़ जिले की प्रतापगढ़ और उदयपुर जिले की वल्लभनगर व मावली विधानसभा क्षेत्र को मिलाकर बनाया गया है। 2011 की जनगणना के अनुसार चित्तौड़गढ़ लोकसभा क्षेत्र की 85 फीसदी आबादी ग्रामीण और 15 फीसदी आबादी शहरी हैं। कुल आबादी का 13 फीसदी अनुसूचित जाति व 23.42 फीसदी अनुसूचित जनजाति हैं। मेवाड़ का इतिहास शौर्य का रहा है। इसमें चित्तौड़गढ़ का विशिष्ट स्थान है। बेड़च नदी के किनारे बसे चित्तौड़ को मेवाड़ के गुहिलवंशियों की पहली राजधानी का सम्मान प्राप्त है। चित्तौड़ का किला विश्व प्रसिद्ध है। यह अरावली की पहाड़ी पर उत्तर से दक्षिण की ओर लंबाई में बना है। यह आज भी पर्यटकों के लिए आकर्षण का केन्द्र है। विश्व प्रसिद्ध विजय स्तंभ के साथ ही यहां कई ऐतिहासिक एवं पौराणिक महत्व के भवन है। प्रतापगढ़ जिला भी चित्तौड़गढ़ के विभाजन के बाद अस्तित्व में आया। कांठल अंचल में आने वाला प्रतापगढ़ में भील शासकों ने राज्य किया। हालांकि कालांतर में यह क्षेत्र भी मेवाड़ राज्य में ही शामिल हो गया। भाजपा ने वर्तमान सांसद और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रप्रकाश जोशी को लगातार तीसरी उम्मीदवार बनाया है। करीब 48 वर्षीय जोशी चित्तौड़गढ़ जिले के भादसौड़ा के रहने वाले हैं। भाजयुमो-भाजपा में कई अहम पदों पर रहे। भाजपा का युवा और ब्राह्मण चेहरा हैं। गुलाबचंद कटारिया के राज्यपाल बनने के बाद मेवाड़ में भाजपा का बड़ा चेहरा है। क्षेत्र में मजबूत पकड़ है। वहीं कांग्रेस ने पूर्व मंत्री उदयलाल आंजना को मैदान में उतारा है। पिछले वर्ष हुए विधानसभा चुनाव में उदयलाल आंजना निम्बाहेड़ा से चुनाव हार चुके हैं। आंजना साल 1998 में भी चित्तौड़गढ़ के सांसद बने थे लेकिन 13 महीनों में ही लोकसभा भंग हो गई। इसके बाद दुबारा चुनाव में उन्हें श्रीचंद्र कृपलानी से हार मिली थी। करीब 73 वर्षीय आंजना कांग्रेस के कद्दावर नेता हैं। चित्तौड़गढ़ जिले (वर्तमान में प्रतापगढ़) के छोटीसादड़ी तहसील के केसुंदा गांव के रहने वाले हैं। आंजना समाज से आने वाले उदयलाल की किसान वर्ग में अच्छी पैठ है। चित्तौड़गढ़ सीट पर भाजपा का दबदबा रहा है। अब तक हुए लोकसभा के 17 में चुनावों में से यह सीट 7 बार कांग्रेस की झोली में गई, जबकि 10 बार यहां पहले भारतीय जनसंघ और फिर भारतीय जनता पार्टी का कब्जा रहा। देश की आजादी के बाद वर्ष 1952 में हुए पहले आमसभा चुनाव में भारतीय जनसंघ (अब भाजपा) को देश में तीन लोकसभा सीटें मिली थीं, उनमें से एक चित्तौड़गढ़ सीट थी। उस समय यहां से उमाशंकर त्रिवेदी विजय हुए थे। इसके बाद साल 1957, 1962, 1967 के चुनावों में लगातार यहां कांग्रेस को विजय रही। वर्ष 1971 में जनसंघ ने एक बार फिर वापसी की। उसके बाद 1977 में यह सीट जनता पार्टी के खाते में चली गई। वर्ष 1980 और 1984 में फिर कांग्रेस की वापसी हुई। जिसके बाद वर्ष 1989, 1991, 1996 में भाजपा ने चित्तौड़गढ़ लोकसभा सीट फतेह की। साल 1998 में यहां से कांग्रेस ने जीत दर्ज की। वर्ष 1999 से लेकर 2019 तक पांच बार लोकसभा के लिए चुनाव हुए। इनमें केवल एक बार यहां कांग्रेस को जीत मिली। साल 1999 और 2004 में यहां जीत का परचम भाजपा ने लहराया। वहीं साल 2009 में एक बार फिर यह सीट कांग्रेस की झोली में गई। इसके बाद साल 2014 और 2019 में भाजपा ने चित्तौड़गढ़ लोकसभा सीट से ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी। राजस्थान में दिसंबर-2023 में विधानसभा के लिए चुनाव हुए थे। चित्तौड़गढ लोकसभा क्षेत्र में आने वाली आठ विधानसभा सीटों में से छह भाजपा, एक कांग्रेस और एक सीट निर्दलीय के खाते में गई थी। भाजपा के अर्जुनलाल जीनगर कपासन से, डॉ. सुरेश धाकड़ बेगूं से, श्रीचंद्र कृपलानी निम्बाहेड़ा से, गौतम कुमार बड़ीसादड़ी से, हेमंत मीणा प्रतापगढ़ से और उदयलाल दांगी वल्लभनगर से विजय हुए थे। वहीं भाजपा के बागी निर्दलीय चंद्रभानसिंह आक्या चित्तौड़गढ़ और मावली से कांग्रेस के केजी पालीवाल जीते थे। आक्या को 98 हजार से ज्यादा वोट मिले थे। लेकिन इस चुनाव में आक्या भाजपा के साथ है। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में चित्तौड़गढ़ में 64.5 प्रतिशत मतदान हुआ, जिसमें भाजपा को 60 और कांग्रेस को 33 फीसदी मत मिले। इस चुनाव में भाजपा के चंद्रप्रकाश जोशी ने कांग्रेस की गिरिजा व्यास को 3 लाख 16 हजार 857 मतों के भारी अंतर से हराया था। जोशी को 7 लाख 03 हजार 236 और कांग्रेस से गिरिजा व्यास को 3 लाख 86 हजार 379 मत मिले थे। चित्तौड़गढ में वर्ष 2019 में 72.39 प्रतिशत मतदान हुआ था। भाजपा को कुल 67.38 और कांग्रेस को 27.88 फीसदी मत मिले थे। इस प्रकार जीत का अंतर 39.5 प्रतिशत रहा। याने कुल 14 लाख 58 हजार 760 मत गिरे, इनमें से भाजपा के चंद्रप्रकाश जोशी को 9 लाख 82 हजार 942 और कांग्रेस के गोपालसिंह शेखावत को 4 लाख 06 हजार 695 मत मिले थे। वहीं 17 हजार 513 मत नोटा में गए थे। भाजपा ने कांग्रेस को 5 लाख 76 हजार 247 मतों से हराया था।

रेपो रेट में बदलाव नहीं, एफवाय25 में 4.5 प्रतिशत रहेगी मुद्रास्फीति जीडीपी 7 प्रतिशत रहने की उम्मीद

नई दिल्ली ।
आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की लगातार सातवीं बैठक में रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया गया है। एमपीसी ने इसे 5: 1 के बहुमत के आधार पर 6.5 प्रतिशत पर ही बरकरार रखा है। आइए विस्तार से समझें महंगाई और विकास दर पर केंद्रीय बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने एमपीसी की बैठक के क्या-क्या कहा वित्तीय वर्ष 24-25 के लिए महंगाई दर का अनुमान 4.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा गया भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को चालू वित्त वर्ष के लिए मुद्रास्फीति का अनुमान 4.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा। यह पिछले वित्त वर्ष 2023-24 के 5.4 प्रतिशत के अनुमान से कम है। आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने चालू वित्त वर्ष की पहली द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा पेश करते हुए कहा कि इस वर्ष मानसून की स्थिति को सामान्य मानते हुए चालू वित्त वर्ष के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति के 4.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। पहली तिमाही में मुद्रास्फीति के 4.9 प्रतिशत, दूसरी तिमाही में 3.8 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में 4.6 प्रतिशत और चौथी तिमाही में 4.5 प्रतिशत रहने की संभावना है। 2024-25 के लिए वृद्धि दर का अनुमान सात प्रतिशत पर कायम रखा गया भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वृद्धि दर के अनुमान को सात प्रतिशत पर बरकरार रखा है। यह 2023-24 के लिए 7.6 प्रतिशत के अनुमान से कम है। आरबीआई ने अपनी फरवरी की मौद्रिक नीति में एक अप्रैल से शुरू होने वाले वित्त वर्ष के लिए सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर सात प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था। चालू वित्त वर्ष की पहली द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुए आरबीआई गवर्नर शक्तिकान्त दास ने कहा कि ग्रामीण मांग गति पकड़ रही है और विनिर्माण क्षेत्र में निरंतर वृद्धि से निजी निवेश को प्रोत्साहन मिलना चाहिए।हालांकि, इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक व्यापार मार्ग में व्यवधान से कुछ दिक्कतें आ सकती हैं।

न्यूज ब्रीफ

निवेशकों के साथ विवाद पर बोला बायजू, एनसीएलटी में हो मध्यस्थता; रवींद्रन फोर्ब्स की सूची से बाहर

मुंबई । एडटेक स्टार्टअप बायजू फिलहाल वित्तीय संकट से जूझ रही है। एडटेक फर्म थिंक एंड लर्न- बायजू के सह-संस्थापक बायजू रवींद्रन ने मांग की कि नाराज निवेशकों से जुड़े मामले को मध्यस्थता के लिए भेजा जाए। बायजू ने एनसीएलटी के समक्ष निवेशक परिषद के आरोपों का विरोध किया कि कंपनी ने अधिकृत शेयर पूंजी बढ़ाने की प्रक्रिया पूरी किए बिना राइट इश्यू निवेशकों को शेयर जारी करके ट्रिब्यूनल के आदेश का उल्लंघन किया है। कंपनी की अधिकृत शेयर पूंजी बढ़ाने के लिए 29 मार्च को एक असाधारण आम बैठक (ईजीएम) आयोजित की गई, जिसके बाद एनसीएलटी बेंगलुरु पीठ के समक्ष यह पहली सुनवाई थी। वित्तीय संकट से जूझ रही एडटेक स्टार्टअप बायजू के सह-संस्थापक बायजू रवींद्रन अब अरबपति नहीं रहे। लर्निंग एप के जरिये शिक्षा जगत में क्रांति लाने वाले रवींद्रन अब अर्श से फर्श पर पहुंच गए हैं। उनकी संपत्ति महज एक साल में 17,545 करोड़ रुपये से घटकर शून्य हो गई है। इसके साथ ही, फोर्ब्स ने अपनी वैश्विक अरबपतियों की सूची-2024 से उन्हें बाहर कर दिया है। एक साल पहले फोर्ब्स ने ही रवींद्रन को सबसे युवा भारतीय अरबपति बताया था। 2022 में एडटेक स्टार्टअप का मूल्यांकन 22 अरब डॉलर फोर्ब्स के मुताबिक, लगातार संकट की वजह से कंपनी के हालात काफी बिगड़ गए हैं। एक समय ऊंची उड़ान भरने वाली एडटेक कंपनी के लिए यह बड़ी गिरावट है। फोर्ब्स ने भारतीय अरबपतियों पर अपने लेख में कहा, ताजा सूची से सिर्फ चार लोग बाहर हुए हैं। इनमें पूर्व एडटेक स्टार बायजू रवींद्रन भी शामिल हैं। लगातार संकटों और विवादों में रहने के कारण ब्लैकरॉक ने कंपनी का मूल्यांकन घटाकर एक अरब डॉलर कर दिया है। 2022 में एडटेक स्टार्टअप का मूल्यांकन 22 अरब डॉलर था। छंटनी जारी, समय पर वेतन नहीं दे पा रही कंपनी कारोबार संभालने की कोशिश में बायजू रवींद्रन की निजी संपत्ति भी इसमें लग चुकी है। खस्ता हालत की वजह से बायजू में पिछले 12 महीनों में हजारों कर्मचारियों की छंटनी हो चुकी है। कंपनी की मुश्किलें इतनी बढ़ गई हैं कि वह कर्मचारियों को समय पर वेतन भी नहीं दे पा रही है। बायजू की पेरेंट कंपनी थिंक एंड लर्न प्राइवेट लि. ने लगातार दूसरे महीने कर्मचारियों का वेतन रोका है। कंपनी का कहना है कि राइट्स इश्यू के जरिये जुटाई गई राशि को जारी करने के लिए फिलहाल नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) की हरी झंडी का इंतजार है, जिससे वेतन जारी करने में दिक्कत आ रही है। राइट्स इश्यू को लेकर निवेशकों से विवाद नकदी संकट के बीच बायजू ने राइट्स इश्यू पेश किया था। इसके बाद उसके निवेशकों ने कुप्रबंधन का आरोप लगाते हुए एनसीएलटी में एक याचिका दायर की है। इसके साथ विवाद और गहरा गया। बीते दिनों कंपनी के शेयरधारकों ने बायजू रवींद्रन और उनके परिवार को बोर्ड से हटाने के लिए एक बैठक बुलाई थी। इन शेयरधारकों में प्रोसस, जनरल अटलांटिक और पीक एक्सवी जैसे बड़े नाम शामिल हैं।

देश की सबसे पुरानी पार्टी ने जीएसटी 2.0 लाने का वादा किया, कहा- एमएसपी की कानूनी गारंटी देंगे

नई दिल्ली । कांग्रेस पार्टी ने अपने घोषणापत्र में कहा है कि पार्टी कांग्रेस तेजी से विकास और धन सृजन के लिए प्रतिबद्ध है। हमने अगले 10 साल में जीडीपी दोगुनी करने का लक्ष्य रखा है। कांग्रेस ने कहा है कि देश की जीडीपी (स्थिर कीमतों पर) 1990-91 में करीब 25 लाख करोड़ रुपये की थी। अगले 13 सालों में पहले कांग्रेस और फिर अलग-अलग गठबंधन सरकारों के कार्यकाल में जीडीपी दोगुनी होकर 2003-04 में 50 लाख करोड़ रुपये पर पहुंची। 2004 में यूपीए सरकार बनने के बाद अगले 10 वर्षों जीडीपी एक बार फिर दोगुनी होकर 100 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई। पर उसके बाद भाजपा और एनडीए की सरकार ने अगले 10 साल में जीडीपी को फिर से दोगुना करने अवसर गंवा दिया। कांग्रेस ने कहा कि अगर पिछले 10 वर्षों में कांग्रेस की सरकार होती तो देश की अर्थव्यवस्था एक बार फिर दोगुनी होकर 2023-24 में 200 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई होती। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि भाजपा के कुप्रबंधन के कारण ऐसा नहीं हो पाया और 2023-24 की समाप्ति पर जीडीपी महज 173 लाख करोड़ रुपये पर ही पहुंच पाई। कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में कहा कि हमारी पार्टी तेज विकास और धन सृजन के प्रति प्रतिबद्ध है। जीएसटी कानून पर कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में कहा कि कांग्रेस एनडीए सरकार के जीएसटी कानूनों को जीएसटी 2.0 से बदलेगी। कांग्रेस ने कहा कि जीएसटी की नई व्यवस्था सार्वभौमिक रूप से स्वीकृत सिद्धांत पर आधारित होगी। जीएसटी एकल, मध्यम दर (कुछ अपवादों को छोड़कर) होगी जो गरीबों पर बोझ नहीं डालेगी। कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में कहा है कि कृषि क्षेत्र के इनपुट पर जीएसटी नहीं लगाया जाएगा।

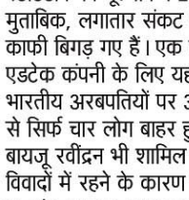

जल्द यूपीआई के जरिए पैसा जमा कर सकेंगे

कैश डिपॉजिट मशीन में मिलेगी सुविधा, अभी यूपीआई से पेमेंट और नकद निकासी की फैसिलिटी

नई दिल्ली ।
जल्द आप यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी यूपीआई के जरिए कैश डिपॉजिट कर पाएंगे। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने आज मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की मीटिंग में लिए गए फैसलों के बारे में बताते हुए यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यूपीआई की पॉपुलैरिटी और एक्सेप्टेंस को देखते हुए अब इसके माध्यम से कैश डिपॉजिट फैसिलिटी देने का प्रस्ताव है। यह सुविधा सीडीएम (कैश डिपॉजिट मशीन) में उपलब्ध कराई जाएगी। अभी सीडीएम के माध्यम से कैश डिपॉजिट करने के लिए डेबिट कार्ड का इस्तेमाल किया जाता है। अभी यूपीआई के जरिए पेमेंट करने के साथ नकद पैसे निकाल सकते हैं।

कस्टमर्स के कन्वीनिएंस को बढ़ाती कैश डिपॉजिट मशीन – आरबीआई ने बयान जारी करते हुए कहा कि बैंकों के जरिए लगाई गई कैश डिपॉजिट मशीन कस्टमर्स के कन्वीनिएंस को बढ़ाती है। साथ ही बैंक शाखाओं पर नकदी संभालने का भार भी कम करती हैं। यूपीआई की पॉपुलैरिटी और इसके माध्यम से कार्डलेस कैश विड्रॉल से मिले एक्सपीरिएंस को देखते हुए कैश डिपॉजिट करने की सुविधा देने का प्रस्ताव है। इसे कैसे चलाया जाएगा, इसकी जानकारी जल्दी ही दी जाएगी।

पीपीआई वॉलेट्स से यूपीआई पेमेंट की अनुमति देने का भी प्रस्ताव – इसके अलावा, आरबीआई ने पीपीआई (प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट्स) यानी वॉलेट से यूपीआई पेमेंट करने के लिए थर्ड-पार्टी ऐप के इस्तेमाल की अनुमति देने का भी प्रस्ताव रखा है। फिलहाल वॉलेट से यूपीआई पेमेंट की सुविधा केवल पीपीआई कार्ड जारी करने वाली कंपनी के वेबसाइट या मोबाइल ऐप का इस्तेमाल करके ही किया जा सकता है। शक्तिकांत दास ने बयान में कहा कि इससे पीपीआई कार्ड होल्डर्स को बैंक अकाउंट होल्डर्स की तरह ही यूपीआई पेमेंट करने में मदद मिलेगी। यानी वॉलेट का पैसे यूपीआई के जरिए किसी भी प्रकार के पेमेंट के लिए भी यूज किया जा सकता है। पीपीआई वॉलेट से यूपीआई पेमेंट करने की सुविधा मिलने के बाद अगर आपके पास कोई प्रीपेड कार्ड, स्मार्ट कार्ड मोबाइल पीपीआई वॉलेट होगा, तो उसमें रखे हुए पैसे को

यूपीआई के जरिए भी खर्च कर पाएंगे। इसके लिए आप फोनपे, गूगलपे, एमाजोनपे और अन्य थर्ड पार्टी यूपीआई ऐप्स को इस्तेमाल कर पाएंगे।

5 सितंबर 2023 को लॉन्च हुई थी कार्डलेस कैश विड्रॉल सुविधा – पहले देश में एटीएम के माध्यम से केवल क्रेडिट और डेबिट कार्ड के जरिए कैश निकालने की सुविधा थी। यूपीआई के जरिए कैश निकालने की सुविधा को नेशनल पेमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ने 5 सितंबर 2023 को लॉन्च किया था। इसे इंटरऑपरेबल कार्डलेस कैश विड्रॉल सिस्टम भी कहा जाता है। आइए यूपीआई के माध्यम से स्टेप बाय स्टेप कार्डलेस कैश निकालने की प्रोसेस के बारे में जानते हैं- अभी अकाउंट में 2 तरीके से कैश जमा कर सकते हैं अभी आपको अपने या किसी और के बैंक अकाउंट में कैश जमा करना हो तो ये दो तरीके से हो सकता है। पहला बैंक जाकर पैसे अकाउंट में जमा कर दें। वहीं, दूसरा तरीका है कैश डिपॉजिट मशीन में डेबिट कार्ड के जरिए। आइए डेबिट कार्ड के माध्यम से स्टेप बाय स्टेप कैश जमा करने की प्रोसेस के बारे में जानते हैं-

डेबिट कार्ड के जरिए कैश डिपॉजिट मशीन में नकदी जमा करने की प्रोसेस

सबसे पहले कैश डिपॉजिट मशीन में डेबिट कार्ड डालें और पिन एंटर करें।, अकाउंट के प्रकार (सेविंग या करेंट) को चूज करें।, अब अमाउंट चूज करने के बाद कंटिन्यू पर क्लिक करें।, पैसे को कैश डिपॉजिट मशीन के स्लॉट में रखें और कंटिन्यू पर क्लिक करें।, अब मशीन नकदी कैश गिनने के बाद जमा किए जाने वाले अमाउंट को दिखाएगी।, अमाउंट सही होने पर डिपॉजिट पर क्लिक करें।, अब अमाउंट जमा हो जाएगा और रसीद जनरेट हो जाएगी।

यूपीआई क्या है – यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस यानी यूपीआई को 2016 में लॉन्च किया गया। इसे नेशनल पेमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ने बनाया है। इसने आसान तरीके से सीधे बैंक खाते में पैसे ट्रांसफर करने की सुविधा दी। इससे पहले डिजिटल वॉलेट का चलन था। वॉलेट में केवायसी जैसी झंझट है, जबकि यूपीआई में ऐसा कुछ नहीं करना पड़ता।

यूपीआई कैसे काम करता है – यूपीआई सर्विस के लिए आपको एक वर्चुअल पेमेंट एड्रेस तैयार करना होता है। इसके बाद इसे बैंक अकाउंट से लिंक करना होगा। इसके बाद आपका बैंक अकाउंट नंबर, बैंक का नाम या आईएफएससी कोड आदि याद रखने की जरूरत नहीं होती। पेमेंट करने वाला बस आपके मोबाइल नंबर के हिसाब से पेमेंट रिक्वेस्ट प्रोसेस करता है। अगर, आपके पास उसका यूपीआई आईडी है तो आप अपने स्मार्टफोन के जरिए आसानी से पैसा भेज सकते हैं। न सिर्फ पैसा बल्कि यूटिलिटी बिल पेमेंट, ऑनलाइन शॉपिंग, खरीदारी आदि के लिए नेट बैंकिंग, क्रेडिट या डेबिट कार्ड भी जरूरत नहीं होगी। ये सभी काम आप यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस सिस्टम से कर सकते हैं।

अब जानते हैं यूपीआई पेमेंट करने के अलग-अलग तरीके

क्यूआर कोड स्कैन – किसी भी यूपीआई ऐप के होम स्क्रीन के सबसे ऊपर क्यूआर कोड आइकन पर टैप करें। स्क्रीन पर अपने फोन के कैमरे से क्यूआर कोड पर पाइंट करें जिसे स्केन करना चाहते हैं। आप सीधे पेमेंट पेज पर पहुंच जाएंगे, यहां अमाउंट डालें और प्रोसेस पर टैप करें। डायनामिक क्यूआर कोड होने पर पेमेंट राशि खुद ब खुद पेमेंट पेज पर आ जाती है। अब यूपीआई पिन दर्ज करें और पेमेंट ऑप्शन पर टैप करें, आपका पेमेंट हो जाएगा।

मोबाइल/अकाउंट नंबर से यूपीआई – किसी भी यूपीआई ऐप के होम स्क्रीन पर मोबाइल/अकाउंट नंबर आइकन पर टैप करें। स्क्रीन पर ओपन विंडो में मोबाइल/अकाउंट नंबर दर्ज करें जिसे पेमेंट करना चाहते हैं।

कोलकाता-दिल्ली से सिक्किम के पाक्योंग हवाई अड्डे के लिए उड़ानें फिर बहाल

कोलकाता ।
किफायती विमानन कंपनी स्पाइसजेट ने कोलकाता और दिल्ली से सिक्किम के पाक्योंग हवाई अड्डे के लिए अपना उड़ान संचालन फिर से शुरू कर दिया। दिल्ली-पाक्योंग मार्ग पर हफ्ते में पांच दिन उड़ानें संचालित होंगी। जबकि कोलकाता-पाक्योंग मार्ग पर प्रतिदिन उड़ानें संचालित होंगी। एयरलाइन ने एक बयान में यह जानकारी दी।

एयरलाइन ने कहा, हम आगामी व्यस्त यात्रा सीजन से पहले अयोध्या और पाक्योंग तक कनेक्टिविटी बढ़ाने को लेकर खुश हैं। स्पाइसजेट के मुख्य व्यवसाय अधिकारी देबोजो महर्षि ने कहा, बेड़े के विस्तार के साथ हम नए मार्गों पर उड़ानों को शुरू करने और प्रमुख लोगों के लिए सेवाओं को बहाल करने के लिए तैयार हैं। एयरलाइन की सेवाएं 31 मार्च को फिर से शुरू हुईं। पाक्योंग हवाई अड्डे के कार्यवाहक हवाई अड्डा निदेशक (एपीडी) बीटी पोटे ने बताया कि गर्मियों के दौरान पाक्योंग हवाई अड्डे के लिए उड़ान सेवाओं को फिर से शुरू करने से हिमालयी राज्य में बड़ी संख्या में आने वाले पर्यटकों को सुविधा मिलेगी। उन्होंने आगे कहा, सेवाएं बहाल होने के बाद से सभी उड़ानें भरी हुई हैं। मौसम बहुत अच्छा है और हम मानसून के दौरान भी हवाई अड्डे तक उड़ानों के रखरखाव के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के सभी हिस्सों और आसपास के क्षेत्रों से हवाई अड्डे तक सड़क संपर्क भी पर्यटकों की परेशानी मुक्त यात्रा के लिए अच्छा है।

टेबल-टॉप रनवे वाले इस हवाई अड्डे पर उड़ान सेवाओं को कुछ परिचालन कारणों से करीब छह महीने पहले निलंबित कर दिया गया था। स्पाइसजेट ने 2018 में पाक्योंग हवाई अड्डे के लिए उड़ान संचालन शुरू किया था। लेकिन कम दृश्यता सहित विभिन्न परिचालन कारणों से सेवाएं नियमित नहीं रहीं।

समय-सारणी (शेड्यूल) के मुताबिक, विमान कोलकाता से रोजाना सुबह 8.05 बजे उड़ान भरेगा और 9.35 बजे पाक्योंग पहुंचेगा। फिर वहां से सुबह 10.30 बजे रवाना होकर 12.10 बजे कोलकाता पहुंचेगा। इसी तरह नई दिल्ली से विमान सुबह 9.45 बजे उड़ान भरेगा और दोपहर 12.400 बजे सिक्किम के हवाई अड्डे पर पहुंचेगा। विमान 1.10 बजे वापसी के लिए उड़ान भरेगा और शाम 4.10 बजे नई दिल्ली पहुंचेगा।

रिकॉर्ड स्तर से फिसले सोने-चांदी के भाव, सोना 69 हजार, चांदी 79 हजार रुपए के करीब

नई दिल्ली ।
बीते कई दिनों से लगातार बढ़ रहे सोने-चांदी के वायदा भाव में नरमी देखने को मिल रही है। देश के बाजारों में सोने के वायदा 69 हजार रुपये और चांदी के वायदा भाव 79 हजार रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। वैश्विक बाजारों में भी सोने और चांदी की वायदा कीमतों में नरमी देखने को मिल रही है।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट 410 रुपये की गिरावट के साथ 69,297 रुपये के भाव पर खुलकर 302 रुपये की गिरावट के साथ 69,405 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रेक्ट 645 रुपये की गिरावट के साथ 79,339 रुपये के भाव पर खुलकर 1,059 रुपये की गिरावट के साथ 78,925 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था।

वहीं वैश्विक बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत तो तेजी के साथ हुई। लेकिन बाद में इसके भाव में गिरावट देखी जाने लगी। चांदी के वायदा भाव नरमी के साथ खुले। कॉमेक्स पर सोना 2,309.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,308.50 डॉलर था। हालांकि खबर लिखे जाने के समय यह 11.90 डॉलर की गिरावट के साथ 2,296.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। इसने 2,324.80 डॉलर के भाव पर उच्च स्तर छू लिया।

कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 27.06 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 27.24 डॉलर था। फिलहाल यह 0.69 डॉलर की गिरावट के साथ 26.55 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

चोरी के डेबिट कार्ड लॉटरी टिकट खरीदकर पछता रहे चोर 42 करोड़ की लॉटरी खुली लेकिन मिली फूटी कौड़ी नहीं

लंदन ।
आपके किस्मत का कोई चुरा नहीं सकता, यह कहावत एक बार पुन: सच साबित हो गई। दरअसल यह पूरा मामला कुछ ऐसा है कि चोरों ने एक शख्स का डेबिट कार्ड चुरा लिया। उसी से लॉटरी का टिकट खरीदा। उन्हें लगा कि अगर जीत जाएंगे तो पैसे उनके खाते में आ जाएंगे। लेकिन किस्मत ऐसी कि फूटी कौड़ी तक उन्हें नहीं मिली और जिस शख्स का डेबिट कार्ड था, वह मालामाल हो गया। एक रिपोर्ट के मुताबिक, बोल्टन के रहने वाले जॉन-रॉस वॉटसन और मार्क गुडराम ने लॉटरी टिकट खरीदने के लिए किसी और के बैंक कार्ड का इस्तेमाल किया। लेकिन जब नतीजा आया, तो खुशी से नाचने लगे। दोनों ने 4 मिलियन पाउंड यानी 42 करोड़ का जैकपॉट जीता

था। एक सीसीटीवी फुटेज वायरल हुआ था, जिसमें वॉटसन को नाचते और कूदते हुए दिखाया गया है। मार्क गुडराम खुशी में काउंटर पर अपनी मुट्ठियां मारता हुआ नजर आता है। लेकिन उनकी यह खुशी पलभर ही काफूर हो गई। जब मार्क गुडराम ने लॉटरी के पैसे लेने के लिए दावा ठोका, तो जांच में मामला कुछ और ही निकला। पता चला कि उसके पास तो कोई बैंक खाता ही नहीं। जब बैंक खाता ही नहीं, तो उसने जिस बैंक कार्ड से टिकट खरीदा, आखिर वो किसका था इसके बाद ही लॉटरी अधिकारियों को उस पर शक हुआ और जांच शुरू की गई। जांच में गुडराम ने बताया कि टिकट खरीदने के लिए उसने जिस कार्ड का इस्तेमाल किया था, वह जॉन नाम के एक दोस्त का था। जॉन के पास उसका पैसा बकाया था, इसलिए उसने कार्ड ले लिया था। इसीलिए जब वह टिकट खरीद रहा था, तो जॉन का नाम नहीं बताया। मगर जांच में और भी सनसनीखेज खुलासा हुआ। पता चला कि जिस कार्ड से दोनों ने लॉटरी टिकट खरीदे थे, वो तो जॉन का था ही नहीं। वह चोरी किया गया डेबिट कार्ड था, जो वास्तव में जोशुआ नाम के शख्स का था। चोरों ने उसी का इस्तेमाल कर कार्ड खरीदा। उन्हें यकीन नहीं था कि वे फंस जाएंगे। बाद में दोनों को 18-18 महीने की जेल हो गई।

दवाओं पर बीता बचपन, 16 की उम्र में किया ये काम, अब 21 की उम्र में कमा रहीं करोड़ों

नई दिल्ली ।
आज के समय में अधिकतर युवा सोशल मीडिया को अपने करियर के तौर पर चुन रहे हैं और पैसा कमाने के साथ-साथ अपनी एक पहचान भी बना रहे हैं। एक ऐसी युवा यूट्यूबर प्रगति वर्मा हैं जो महज 21 साल की हैं, मगर वह इतनी छोटी-सी उम्र में करोड़ों रुपए कमा रही हैं। आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि प्रगति की उम्र वाले युवा जहां अपने करियर को लेकर कंफ्यूज हैं, वहीं प्रगति की सोशल मीडिया एवं यूट्यूब पर जबरदस्त फैन फॉलोइंग है। इसलिए आज इस आर्टिकल में हम सक्सेसफुल प्रगति वर्मा की कहानी आप सभी के लिए लेकर आए हैं। इससे आपको बहुत कुछ सीखने को मिल सकता है। आप सभी प्रगति वर्मा की कहानी जोश टॉक्स के यूट्यूब चैनल पर भी सुन सकते हैं।

छोटी-सी उम्र में बड़ी-बड़ी उपलब्धियां – प्रगति वर्मा एक यूट्यूबर हैं जो सोशल मीडिया पर बहुत ही फेमस हैं। प्रगति यूट्यूब के तीन चैनलों पर काम करती हैं जिसके कुल 27 मिलियन से भी अधिक सब्सक्राइबर हैं।उत्तर प्रदेश के गोरखपुर शहर से निकलकर इस मुकाम तक पहुंचना प्रगति के लिए मुश्किलों से भरा था। वह 16 साल की उम्र से यूट्यूब पर सफलता पाने के लिए स्ट्रगल कर

रही हैं। प्रगति जब 5वीं क्लास में थी तब से वह कई सारे शॉर्ट्स वीडियो को एडिट किया करती थी, इसके बाद उन्होंने ठान लिया कि अब वह यूट्यूब चैनल बनाएंगी और अपनी एक अलग पहचान बनाएंगी।

दवाइयों पर बीता बचपन – आज के समय में माइग्रेन की समस्या काफी तेजी से बढ़ती जा रही है। प्रगति वर्मा बचपन से ही माइग्रेन की परेशानी से लड़ रही हैं। यह सबसे बड़ा कारण है कि प्रगति को बचपन से ही दवाइयों का सहारा लेना पड़ता है। जब प्रगति 2018 में अपने बोर्ड एग्जाम्स की तैयारी कर रही थी तो उन्हें यूट्यूब से पढ़ना पड़ता था, क्योंकि वह सिरदर्द की समस्या के कारण स्कूल नहीं जा पाती थी। इन सभी चीजों के दौरान प्रगति को पता चला कि यूट्यूब पर किस तरह की वीडियो को अपलोड करना चाहिए। इससे उन्होंने अलग-अलग तरह की एक्टिविटी के साथ यूट्यूब पर वीडियो बनानी शुरू कर दी। इस यूट्यूब जर्नी में प्रगति को अपनी माँ और बहन का भरपूर साथ मिला।

एक लाख सब्सक्राइबर होने पर भी नहीं मिला पैसा – आज भी प्रगति यूट्यूब के साथ-साथ अपनी पढ़ाई को बरकरार रख रही हैं। जब वह 11वीं में थी तो उनके चैनल के एक लाख सब्सक्राइबर पूरे हो चुके थे। मगर उन्हें ना तो उस वक्त तक उन्हें सिल्वर प्ले बटन मिला और ना ही एक भी रूपया। कुछ टेक्निकल प्रॉब्लम के कारण एक लाख सब्सक्राइबर होने के बावजूद भी प्रगति को रेवेन्यू नहीं मिला। इसके बाद प्रगति ने हजार कोशिशें कि तब जाकर 2 लाख सब्सक्राइबर होने पर उन्हें अपना पहला पेमेंट रिसीव हुआ। वहीं प्रगति बताती हैं कि जब इतने दिनों का रेवेन्यू एक साथ 49 हजार आया तो उन्हें यकीन नहीं हो रहा था कि यूट्यूब से इतने सारे पैसे भी कमाए जा सकते हैं।

12वीं में आए 93 प्रतिशत – प्रगति वर्मा पढाई में भी बहुत अच्छी थी जिसका परिणाम उन्हें 12वीं के रिजल्ट के साथ मिल चुका था। जी हां, वह अपना इंटरमीडिएट एग्जाम 93 परसेंट के साथ क्वालीफाई कर चुकी थी। इस सफलता पर प्रगति के साथ-साथ उनके परिवार के सभी लोग भी बहुत खुश थे, इसकी एक वीडियो प्रगति ने अपने यूट्यूब चैनल पर भी डाल दी। इसके बाद तो प्रगति की खुशी का कोई ठिकाना नहीं था क्योंकि वह वीडियो यूट्यूब पर ट्रेंड जो कर रही थी, यह बात प्रगति के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि में से एक थी।

लॉकडाउन में शुरू किया रियल लाइफ चैलेंज – लॉकडाउन शुरू होने के बाद से सभी लोगों का घर से बाहर जाना बंद हो गया। वहीं प्रगति को भी अपने परिवार से यूट्यूब के लिए पूर्ण रूप से छूट मिल गई। मगर इतना आगे जाने के बाद प्रगति को लगने लगा वह उन्हीं वीडियो के कांसेप्ट से आगे बढ़ रही हैं जो दूसरे लोग बहुत पहले से कर रहे हैं। अब प्रगति को अपने यूट्यूब पर कुछ नया और बेहतर करना था जिसके लिए उन्होंने रियल लाइफ चैलेंज शुरू किया। इसपर प्रगति को लोगों के बहुत अच्छे रिस्पॉन्स देखने को मिलने लगे। प्रगति की कई सारी चैलेंजिंग वीडियो लोगों को काफी पसंद आने लगी। इससे सोशल मीडिया पर प्रगति की लोकप्रियता भी काफी तेजी से बढ़ने लगी।

मां ने कहा: कब आएगा डायमंड प्ले बटन – प्रगति वर्मा अपनी यूट्यूब जर्नी के दौरान जब भी डिमोटिवेट होती थी तो उन्हें अपनी मां से आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती रहती थी। वहीं जब प्रगति ने सिल्वर प्ले बटन के साथ-साथ गोल्डन प्ले बटन हासिल कर लिया तब प्रगति की मां ने उनके सामने डायमंड प्ले बटन की इच्छा जताई। इसके बाद प्रगति को समझ नहीं आ रहा था कि एक मिलियन सब्सक्राइबर करने में इतने साल लग गए तो 10 मिलियन करने में कितना ज्यादा वक्त लगेगा। इसलिए प्रगति ने एक शॉर्ट्स वीडियो के लिए अलग से चैनल बनाया और उसपर काम करना शुरू कर दिया।

8 महीने में हुए 10 मिलियन सब्सक्राइबर पूरे – प्रगति वर्मा अपनी मां की इच्छा को पूरा करने के लिए मेहनत में लग जाती हैं और एक नए चैनल पर शॉर्ट्स वीडियो डालने लगती हैं। मगर वीडियो को अपलोड करने के लिए प्रगति को अपनी रातों की नींद गंवानी पड़ी। बता दें, पूरे दिन प्रगति वीडियो शूट करती थी और रातभर एडिट करके वीडियो पोस्ट करती थी। इससे ना उन्हें अधिक सोने का वक्त मिलता था और ना ही किसी अन्य चीजों में भाग लेने का मौका।

अभी भी जीत की खुमारी में डूबा हुआ हूं: शशांक

अहमदाबाद।
गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले शशांक सिंह को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में रोमांचक आईपीएल 2024 मुकाबले में किंग्स के लिए मैच जिताकर बहुत अच्छा लग रहा है। छठे नंबर पर उतरते हुए शशांक ने 29 गेंदों में नाबाद 61 रनों की शानदार पारी खेलते हुए किंग्स के लिए तीन विकेट और एक गेंद शेष रहते मैच जीत लिया।

नवोदित आशुतोष शर्मा के साथ उनकी साझेदारी महत्वपूर्ण थी क्योंकि दोनों बल्लेबाजों ने केवल 22 गेंदों पर 43 रन जोड़े। जब शशांक 200 रन के लक्ष्य का पीछा करने के लिए नौवें ओवर में बल्लेबाजी करने आए तो पंजाब का स्कोर 4 विकेट पर 70 रन था। शशांक ने अपना पहला आईपीएल अर्धशतक सिर्फ 25 गेंदों में बनाया और यह तब आया जब यह सबसे ज्यादा मायने रखता था। उन्होंने पीछा करने के 11वें ओवर में उमेश यादव को एक चौका, छक्का और एक चौका लगाया।

शशांक ने नियमित रूप से लीग के कुछ प्रमुख गेंदबाजों – जैसे राशिद खान और मोहित शर्मा – पर बाउंड्री लगायीं। उन्होंने मैच के बाद प्रेजेंटेशन में कहा, अभी भी इसे आत्मसात करने की कोशिश कर रहा हूं। मैंने इन सभी चीजों की कल्पना की थी, आप मैच से पहले कल्पना करते हैं। लेकिन जाहिर तौर पर इसे वास्तविकता में बदलने पर, मैं बहुत खुश और खुद पर गर्व महसूस कर रहा हूं। मैं नंबर 7 पर बल्लेबाजी करता हूं लेकिन आज मैंने नंबर 5 पर बल्लेबाजी की, उछाल बहुत अच्छा था, दोनों टीमों ने 200 रन बनाए इसलिए विकेट शानदार था। शशांक ने जितेश शर्मा के साथ 19 गेंदों में 39 रनों की साझेदारी की, जिसमें जितेश ने आउट होने से पहले राशिद खान के 17वें ओवर में दो छक्के लगाए।

इसके बाद उन्होंने नवोदित आशुतोष शर्मा के साथ 43 रन की मैच जीतने वाली साझेदारी की। उसने जोड़ा, वे खेल के दिग्गज हैं, लेकिन जब मैं बल्लेबाजी करने जाता हूं तो मुझे लगता है कि मैं सर्वश्रेष्ठ हूं। आपको अनुभव मिलता है, पहले बहुत सारे मैच नहीं मिल सके। यहां मालिकों और कोचिंग स्टाफ ने मेरा समर्थन किया। मैं बहुत आश्वस्त था। किंग्स के कप्तान शिखर धवन ने शशांक की बल्लेबाजी की जमकर तारीफ की और इसे शानदार बताया. शानदार। जब आप इतने बड़े स्कोर का पीछा कर रहे होते हैं, तो आपको गति बरकरार रखनी होती है और मुझे लगता है कि शशांक ने जिस तरह से खेला और सहजता से छक्के मारे, उससे उनकी क्लास का पता चलता है।

उन्होंने गेंद को बहुत अच्छी तरह से टाइम किया, यह काफी सहज लग रहा था।उन्होंने संयम बनाए रखा और मैच समाप्त किया। शशांक ने जो नाबाद 61 रन बनाए, उनमें से 51 जीटी के प्रमुख गेंदबाजों के खिलाफ थे, जिनमें मोहित शर्मा, उमेश यादव, नूर अहमद और राशिद खान शामिल थे। सबसे ज्यादा रन मोहित के खिलाफ 11 गेंदों पर 22 रन थे।

न्यूज ब्रीफ

खराब फार्म से जूझ रहे बटलर का ब्रॉड ने किया समर्थन

नई दिल्ली। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर स्टुअर्ट ब्रॉड ने मौजूदा आईपीएल सीजन में राजस्थान रॉयल्स के सलामी बल्लेबाज जोस बटलर का जिक्र करते हुए कहा कि एक बार जब वो अधिक गेंदों का सामना करना शुरू कर देंगे, तो वह सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में शामिल होंगे। बटलर, जिन्होंने आईपीएल 2022 सीजन के दौरान शानदार प्रदर्शन किया था, जहां उन्होंने चार शतकों की मदद से 863 रन बनाए थे। इसके बाद आईपीएल 2023 में भी उन्होंने 14 मैचों में 392 रन बनाए। लेकिन 2024 टूर्नामेंट में अपनी लय हासिल करने के लिए संघर्ष करते नजर आ रहे हैं। उन्होंने शुरुआती तीन मैचों में 11,11 और 13 के मामूली स्कोर बनाये, जो सीज़न की कमजोर शुरुआत का संकेत देते हैं। भारत में 50 ओवर के विश्व कप के बाद से बटलर की हालिया खराब स्थिति और इंग्लैंड टीम के नेतृत्व के साथ उनके संघर्ष को स्वीकार करते हुए, ब्रॉड ने 33 वर्षीय विकेटकीपर बल्लेबाज के आईपीएल में नए दृष्टिकोण के बारे में आशावाद व्यक्त किया। ब्रॉड ने आधिकारिक प्रसारणकर्ता स्टार स्पोर्ट्स से कहा, भारत में 50 ओवर के विश्व कप के बाद से वह थोड़ा कमजोर चल रहे हैं। उन्हें इंग्लैंड टीम के नेतृत्व के साथ संघर्ष करना पड़ा और वह शारीरिक और भावनात्मक रूप से थके हुए दिखाई दिए। हालांकि, मेरा मानना है कि वह इस आईपीएल में तरोताजा होकर आ रहे हैं। लेकिन इस टूर्नामेंट में अभी तक उनकी फॉर्म ठीक नहीं हुई है, कुछ अच्छी गेंदबाजी से उन्हें दो बार आउट किया गया है। ब्रॉड को उम्मीद है कि आईपीएल 2024 बटलर के लिए चमकने का मंच हो सकता है, खासकर साथी सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के साथ उनकी मजबूत साझेदारी को देखते हुए, जो संभावित रूप से राजस्थान रॉयल्स को प्लेऑफ की दौड़ में पहुंचा सकती है।

भारत, दक्षिण अफ्रीका में डोपिंग के सबसे अधिक मामले मिले : वाडा

नई दिल्ली। भारत में भी अब खेलों में डोपिंग के मामले तेजी से बढ़ रह हैं। इसका कारण खिलाड़ियों का अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबंधित दवाओं का प्रयोग माना जा रहा है। वहीं कई बार अनजाने में ली गयी दवा से ये प्रतिबंधित पदार्थ खिलाड़ी के अंदर चले जाते हैं जिसके कारण भी वह जांच में पॉजिटिकव निकल जाते हैं। विश्व की डोपिंग रोधी संस्था वाडा ने कहा है कि भारत में खिलाड़ियों के डोपिंग में असफल रहने के सबसे ज्यादा मामले सामने आये हैं। वाडा के अनुसार 2000 या अधिक टेस्ट कराने वाले देशों में भारत में डोपिंग के सबसे ज्यादा मामले दर्ज किये गये हैं। वहीं दक्षिण अफ्रीका इसमें दूसरे नंबर पर है। वाडा के अनुसार भारत में 3865 नमूनों की जांच की गई जिनमें से 125 पॉजीटिव पाये गये। ये नमूनों की संख्या का 3.2 फीसदी है। वहीं नमूनों की जांच के मामले में भारत 11वें स्थान पर है पर डोपिंग के मामले रूस 85, अमेरिका 84, इटली 73 और फ्रांस 72 जैसे देशों से ज्यादा हैं। वहीं दक्षिण अफ्रीका ने 2023 नमूनों की जांच की जिसमें से 2.9 फीसदी पॉजीटिव रहे जबकि तीसरे स्थान पर कजाखस्तान रहा उसके खिलाड़ियों के 2174 नमूनों में से 1.9 फीसदी पॉजीटिव निकले। चौथे स्थान पर नॉर्वे और अमेरिका रहे।

ईशान आईपीएल में असफल हुए तो टी20 विश्वकप से होंगे बाहर

नई दिल्ली। टीम इंडिया से बाहर चल रहे बल्लेबाज ईशान किशन के पास इस आईपीएल सत्र में बेहतर प्रदर्शन कर टी20 विश्वकप के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने का अंतिम अवसर है। अब देखना है कि वह इसका कितना लाभ उठा पाते हैं। अभी तक उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। ऐसे में उनकी मुश्किलें बढ़ सकती हैं। पहले तीन मैचों में उनके नाम केवल 50 रन ही है और अगर वह इसी प्रकार खेलते रहे तो वापसी उनके लिए संभव नहीं होगी। आईपीएल के बाद भारतीय टीम सीधे ही टी20 विश्व कप में जाएगी। ईशान दक्षिण अफ्रीका में खेली गई सीरीज के बाद ही भारतीय टीम से बाहर हो गये थे। इसके कारण उन्हें केन्द्रीय अनुबंध भी नहीं मिला। उन्होंने जिस प्रकार अफ्रीका दौरे से नाम वापस ले लिया था उससे चयनकर्ता नाराज हो गये थे। वह इसके बाद विदेश में छुट्टी मनाते भी दिखे। इसके बाद बीसीसीआई के रणजी खेलने के आदेश को भी उन्होंने नहीं माना। इसकी जगह वह आईपीएल के लिए अभ्यास करते दिखे। ईशान ने पिछले कुछ सालों में अच्छा प्रदर्शन किया है। वह लगातार टीम के साथ बने रहे और टी20 टीम का अहम हिस्सा थे। एकदिवसीय में उन्होंने दोहरा शतक लगाया पर इसके बाद वह अपनी लय बरकरार नहीं रख पाये। इसके बाद आईपीए में वह मुंबई इंडियंस के लिए पारी की शुरुआत करते हुए अब तक कुछ खास नहीं कर पाये हैं।

अफगानिस्तान के खिलाफ हार के बाद भारत को चार पायदान का नुकसान, 121वें स्थान पर लुढ़की टीम इंडिया

लंदन।
भारतीय फुटबॉल टीम पिछले महीने गुवाहाटी में 2026 फीफा विश्व कप क्वालिफायर के दूसरे दौर में अफगानिस्तान के खिलाफ 1-2 की शर्मनाक हार के बाद ताजा फीफा रैंकिंग में चार स्थान गिरकर 121 पर पहुंच गई है। यह हाल के वर्षों में भारत की सबसे खराब रैंकिंग है। पिछले साल इंटरकॉन्टिनेंटल कप, त्रिकोणीय टूर्नामेंट और सैफ चैम्पियनशिप जीतने के बाद शीर्ष 100 में जगह बनाने वाली इगोर स्टिमैक की कोचिंग वाली टीम इंडिया को 26 मार्च को अपने से खराब रैंकिंग वाली अफगानिस्तान की टीम के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। टीम का पिछले कुछ समय से खराब प्रदर्शन जारी है।

एशिया कप में टीम इंडिया बुरी तरह हारी थी

भारत ने विश्व कप क्वालिफायर में कुवैत के खिलाफ जीत दर्ज की थी, जो कि दो दशकों में अपने घर से बाहर टीम इंडिया की पहली जीत थी। हालांकि, उसे कतर में एएफसी एशियाई कप 2023 में बुरी तरह हार का सामना करना पड़ा था। तब भारतीय टीम ने एक भी गोल किए बिना अपने सभी मैच गंवा दिए थे। इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट के बाद टीम इंडिया 15 स्थान गिरकर 117वें स्थान पर आ गई थी।

अफगानिस्तान के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था

भारत ने जनवरी में ऑस्ट्रेलिया (0-2), उज्बेकिस्तान (0-3) और सीरिया (0-1) के खिलाफ हारकर अपने एशियाई कप अभियान का अंत बिना गोल किए किया था। यह चार टीमों के ग्रुप बी में सबसे खराब प्रदर्शन रहा था और टीम सबसे नीचे रही थी। पिछले महीने ब्लू टाइगर्स को सऊदी अरब के अभा में विश्व कप क्वालिफायर के दूसरे चरण के पहले चरण में अफगानिस्तान ने गोलरहित ड्रॉ पर रोका था और फिर घरेलू मैच हार गए थे जिससे फैंस ने नाराजगी जताई थी और स्टिमैक को बर्खास्त करने की मांग की थी।

अर्जेंटीना की टीम शीर्ष पर

हालांकि, भारत की सबसे खराब रैंकिंग 173 है। मार्च में 15 स्थान गिरकर 117 पर पहुंचने से पहले भारतीय टीम को 21 दिसंबर, 2023 को जारी फीफा रैंकिंग में 102वें स्थान पर रखा गया था। मौजूदा विश्व चैंपियन अर्जेंटीना फीफा रैंकिंग में शीर्ष पर बरकरार है। उसके बाद 2022 विश्व कप उप विजेता फ्रांस, इंग्लैंड, बेल्जियम और ब्राजील का नंबर आता है। नीदरलैंड छठे स्थान पर काबिज है और उनके बाद पुर्तगाल, स्पेन और इटली के साथ क्रोएशिया शीर्ष 10 टीमों में शामिल हैं।

अनमोल सहित पांच भारतीय कजाखस्तान चैलेंजर के क्वार्टर फाइनल में, देविका-अनुपमा का शानदार प्रदर्शन

अस्ताना। 17 साल की बैडमिंटन खिलाड़ी अनमोल खरब सहित पांच भारतीय शटलरों ने कजाखस्तान इंटरनेशनल चैलेंजर के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। अनमोल के अलावा देविका सिहाग, पूर्व राष्ट्रीय चैंपियन अनुपमा उपाध्याय, सातवीं वरीय तान्या हेमंत और इशारानी बरुआ भी महिला एकल के अंतिम-8 में प्रवेश कर लिया। एशिया टीम चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जिताने में मदद करने वाली गत राष्ट्रीय चैंपियन अनमोल ने दूसरे दौर में संयुक्त अरब अमीरात नूरानी रातू अजाहरा 21-11, 21-7 से हराया। सिहाग ने अजरबैजान के केशा फामिता को 21-12, 21-12 से हराया। अब उनकी टक्कर हमवतन अनुपमा से होगी जिन्होंने चेक गणराज्य की पांचवीं वरीय टेरेजा को पराजित किया। सातवीं वरीय तान्या ने इजराइल के सेनिया पोलिकारपोवा को 21-11, 21-18 से मात दी। इशरानी ने न्यूजीलैंड के टिफनी हो 21-10, 20-14 से पराजित किया।

आईसीसी पुरुष प्लेयर ऑफ द मंथ के लिए शॉर्टलिस्ट हुए खिलाड़ियों की लिस्ट की जारी, एक भी भारतीय नहीं हुआ सिलेक्ट

नई दिल्ली।
अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने मार्च में दमदार प्रदर्शन करने वालों के लिए आईसीसी पुरुष और महिला प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार प्राप्त करने के लिए दावेदारों की शॉर्टलिस्ट का खुलासा किया। मार्च 2024 के लिए आईसीसी मेन्स प्लेयर ऑफ द मंथ की शॉर्टलिस्ट में क्रमश आयरलैंड और न्यूजीलैंड के दो तेज गेंदबाजों के साथ एक श्रीलंकाई ऑलराउंडर भी शामिल है। भारत का कोई भी खिलाड़ी अपनी जगह नहीं बना सका।

मार्क अडायर (आयरलैंड)

2019 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने के बाद से सभी प्रारूपों में आयरलैंड सेटअप का एक अभिन्न अंग बन गए हैं। मार्क अडायर ने मार्च में अफगानिस्तान पर अपनी टीम की ऐतिहासिक टेस्ट जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने पहली बार 5 विकेट लेने का कारनामा किया। मैच में शानदार प्रदर्शन के लिए अडायर प्लेयर ऑफ द मैच रहे। उनके आठ विकेट सिर्फ 11.87 की औसत से आए। उन्होंने इसके बाद वनडे सीरीज में 3 विकेट और उसके बाद टी20 सीरीज में 5 विकेट लिए।

कामिंदु मेंडिस (श्रीलंका)

2022 के बाद पहली बार श्रीलंकाई टीम में वापसी करते हुए, कामिंदु ने लगातार दमदार प्रदर्शन किया। बांग्लादेश के खिलाफ कामिंदु ने धनंजय डी सिल्वा के साथ मिलकर छठे विकेट के लिए 202 रनों की शानदार साझेदारी की। दूसरी पारी में कामिंदु एक बेहतर प्रदर्शन कर गए। आठवें नंबर पर आकर उन्होंने धनंजय के साथ सातवें विकेट के लिए 173 रन जोड़े। इस दौरान करियर बेस्ट 164 रन की पारी खेली।

मैट हेनरी (न्यूजीलैंड)

तेज गेंदबाज मैट हेनरी ने मजबूत ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ लाल गेंद में असाधारण फॉर्म दिखाया। न्यूजीलैंड में हाल ही में समाप्त हुई ट्रांस-तस्मान ट्रॉफी में, जिसे ऑस्ट्रेलिया ने 2-0 से जीता, हेनरी ने 15.7 की औसत से 17 विकेट लिए, जिसमें दो बार पांच विकेट लेने का कारनामा भी उनके नाम पर है। उन्होंने 25.25 की औसत से 101 रन भी बनाए।

नडाल ने मोंटे कार्लो मास्टर्स से नाम वापस लिया, फ्रेंच ओपन में खेलना भी संदिग्ध

पेरिस।
स्पेनिश टेनिस दिग्गज राफेल नडाल ने स्वास्थ्य कारणों से आगामी मोंटे कार्लो मास्टर्स से अपना नाम वापस लेने का फैसला किया है। रिपोर्ट के अनुसार, नाम वापस लेने से नडाल की मई के अंत में 15वें फ्रेंच ओपन खिताब के लिए रौलां-गैरो लौटने की उम्मीद पर भी संशय है। नडाल ने सोशल मीडिया पर लिखा, ये मेरे लिए बहुत कठिन क्षण हैं। दुर्भाग्य से मुझे आपको बताना पड़ रहा है कि मैं मोंटे-कार्लो में नहीं खेलूंगा। मेरा शरीर मुझे इसकी इजाजत नहीं देगा।

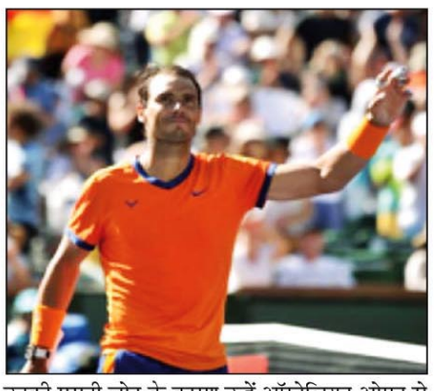

भले ही मैं कड़ी मेहनत कर रहा हूं और खेलने की पूरी इच्छा के साथ हर दिन अधिकतम प्रयास कर रहा हूं। उन टूर्नामेंटों में फिर से प्रतिस्पर्धा करें जो मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण रहे हैं, सच्चाई यह है कि मैं नहीं खेल सकता। 22 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता की पिछली गर्मियों में हिप की सर्जरी हुई थी, और इस साल की शुरुआत में एक्शन में वापसी के बाद उन्होंने केवल तीन मैच खेले हैं। क्वार्टर फाइनल में जॉर्डन थॉम्पसन से हारने से पहले उन्होंने डोमिनिक थिएम और जेसन कुबलर को हराया, लेकिन उनकी पुरानी चोट के कारण उन्हें ऑस्ट्रेलियन ओपन से हटना पड़ा। स्पैनियार्ड ने लिखा, आपको अंदाजा नहीं है कि इन स्पर्धाओं में न खेल पाना मेरे लिए कितना कठिन है। केवल एक चीज जो मैं कर सकता हूं, वह है स्थिति को स्वीकार करना और खेलने के लिए उत्साह और इच्छाशक्ति को बनाए रखते हुए तत्काल भविष्य पर ध्यान देने की कोशिश करना। अब तक के सर्वश्रेष्ठ टेनिस खिलाड़ी नडाल ने मोंटे कार्लो में रिकॉर्ड 11 खिताब जीते हैं, जिनमें से आखिरी 2018 में था। वह 2019 में सेमीफाइनल में हार गए, और 2021 में क्वार्टर में, जबकि 2020, 2022 और 2023 संस्करणों से चूक गए।

फिरोजा के खिलाफ अभियान शुरू करेंगे प्रगनानंदा, वैशाली के सामने कड़ी चुनौती

टोरंटो।
भारत के स्टार खिलाड़ी आर प्रगनानंदा कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा के खिलाफ करेंगे। वहीं, ऑल इंडियन मुकाबले में डी गुकेश और विदित गुजराती आमने-सामने होंगे। गुकेश को शुरुआती हाफ में सफेद मोहरों से खेलते हुए फायदा उठाना होगा। विदित के लिए मोहरों का रंग अधिक मायने नहीं रखता और वह अच्छी स्थिति का फायदा उठाने के लिए जाने जाते हैं।

दो सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग वाले खिलाड़ियों फाबियानो कारुआना और हिकारू नाकामूरा के बीच ऑल अमेरिकी मुकाबला होगा। दिन के एक अन्य मुकाबले में निजात अबासोव की भिड़ंत रूस के इयान नेपोमनियाची से होगी। प्रगनानंदा ने कहा, यह रोमांचक होने वाला है। टाइम कंट्रोल का मतलब है कि हमें घड़ी पर भी नजर रखनी होगी क्योंकि शुरुआती 40 चाल तक समय में कोई इजाफा नहीं होगा।

प्रगनानंदा का पलड़ा भारी – टूर्नामेंट के कार्यक्रम को देखते हुए प्रगनानंदा का पलड़ा भारी रह सकता है क्योंकि दूसरा हाफ महत्वपूर्ण रहने की उम्मीद है। भारतीय खिलाड़ी को पहले हाफ में नाकामूरा और कारुआना के अलावा हमवतन गुजराती से काले मोहरों से खेलना है। युवा भारतीय खिलाड़ी को उलट मुकाबलों में सफेद मोहरों से खेलने को मिलेगा।

वैशाली के सामने हंपी की चुनौती – महिला वर्ग के पहले दौर में भी दो भारतीय खिलाड़ी आर वैशाली और कोनेरू हंपी आमने-सामने होंगी। 21 साल की वैशाली प्रगनानंदा की बड़ी बहन हैं।

टूर्नामेंट के 'टाइम कंट्रोल' के अनुसार, दो घंटे में 40 चाल होंगी और बाकी मुकाबले के लिए 30 मिनट का समय होगा जिसमें 41वीं चाल से प्रत्येक चाल के बाद 30 सेकंड जोड़े जाएंगे। रूस की दो खिलाड़ी एलेक्सांद्रा गोरयाचकिना और कैटरीना लेगनो भी पहले दौर में एक-दूसरे से भिड़ेंगी। चीन की लेइ टिंगजी और उनकी हमवतन टैन झेंगयी भी पहले दौर में एक-दूसरे का सामना करेंगी।

चमारी अटापट्टू की कप्तानी में श्रीलंका ने भरी ऊंची उड़ान, साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीरीज जीतकर रचा इतिहास

नई दिल्ली।
श्रीलंका की महिला क्रिकेट टीम ने इतिहास रच दिया। साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टी20 मैच में चार विकेट जीत दर्ज अपना नाम इतिहास के पन्नों में दर्ज करा लिया। चमारी अटापट्टू की कप्तानी में ऐसा पहली बार हुआ कि श्रीलंका ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ किसी भी फॉर्मेट में सीरीज जीती है।

मैच और सीरीज जीतने के लिए 156 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत खराब रही और सलामी बल्लेबाज विशमी गुणरत्ने (तीन गेंद पर एक रन) दूसरे ओवर में सस्ते में आउट हो गईं। इसके बाद जिम्मेदारी चमारी अटापट्टू के कंधों पर आ गई, जिन्होंने हर्षिता समाराविक्रमा के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 97 रन की साझेदारी की।

कप्तान अटापट्टू ने खेली कप्तानी पारी

कप्तान ने कप्तानी पारी खेली। अटापट्टू ने 46 गेंद पर 73 रन बनाए। इस पारी के दौरान चमारी अटापट्टू ने कुल सात चौके और पांच छक्के लगाए। अटापट्टू ने 158.69 की औसत से रन बनाए।

कप्तानी की अटैकिंग बल्लेबाजी का फायदा हर्षिता ने भी उठाया। हर्षिता ने मैच जिताने वाला अर्धशतक बनाया।

सुगंधिका कुमारी ने चटकाए तीन विकेट

13वें ओवर में चमारी अटापट्टू के आउट होने के बाद मेहमान टीम ने चार और विकेट खो दिए। तब हर्षिता ने सोची-समझी पारी खेली और टीम को टी20 इतिहास में अपना सबसे बड़ा रन चेज हासिल करने में मदद की। हर्षिता नाबाद रहीं और 43 गेंद पर 54 रन बनाए। श्रीलंका की बाएं हाथ की ऑर्थोडॉक्स गेंदबाज सुगंधिका कुमारी ने तीन विकेट चटकाए।

सेंथिलकुमार आठवीं वरीयता प्राप्त पार्कर को हराकर जर्मन ओपन के क्वार्टरफाइनल में

हैम्बर्ग। राष्ट्रीय चैंपियन वेलावन सेंथिलकुमार आठवीं वरीयता प्राप्त इंग्लैंड के जॉर्ज पार्कर पर 3-1 की उलटफेर भरी जीत के साथ जर्मन ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। 2023 एशियाई व्यक्तिगत रजत पदक विजेता सेंथिलकुमार ने 50,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि के पीएसए वर्ल्ड टूर कांस्य इवेंट में दूसरे दौर में उच्च रैंकिंग वाले अंग्रेज पर 61 मिनट में 3-1 (11-5, 11-8, 9-11, 11-9) से प्रभावशाली जीत दर्ज की। पीएसए टूर वेबसाइट के अनुसार, सेंथिलकुमार ने अच्छी फॉर्म में मैच की शुरुआत की और बढ़त बना ली, अंग्रेज खिलाड़ी को भारतीय की गति के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए संघर्ष करना पड़ा और सेंथिलकुमार ने पहला गेम 11-5 से जीत लिया। पार्कर दूसरे में करीब आ गया, हर बिंदु पर संघर्ष करते हुए, और कुछ पिन-पॉइंट सटीक ड्रॉप बनाए, लेकिन यह भारतीय ही था जिसने पहले दो गेमों में निरंतरता बनाए रखते हुए दो गेम की बढ़त ले ली। पार्कर ने तीसरे गेम के लिए कोर्ट पर ध्यान केंद्रित किया, और अपनी गुणवत्ता दिखाते हुए भारतीय को खेल के एक और करीबी चरण में धकेल दिया और तीसरा गेम जीत लिया।

साउथ अफ्रीकी कप्तान ने बनाए सर्वाधिक रन

चमारी अटापट्टू को उनकी शानदार पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच से सम्मानित किया गया, जबकि दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट ने टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने के लिए (158 रन) प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार जीता। वहीं, श्रीलंका ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहली बार किसी भी फॉर्मेट में सीरीज जीती। तीन टी20 मैचों की सीरीज में श्रीलंका ने 2-1 से जीत दर्ज की।

सक्सेस मंत्रः सफल होने के लिए किसी भी विषय में गहराई से सोचें

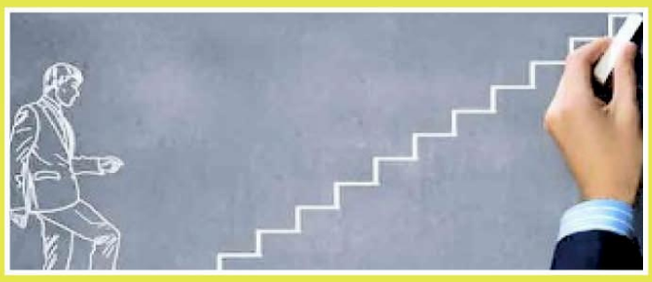

एक समय की बात है चौन और जिंग एक होलसेल कंपनी में काम करते थे। दोनों बहुत मेहनती थे। कुछ सालों के बाद उनके बॉस ने जिंग को प्रोमोशन दे दिया और चौन उसी पद पर रह गया।

एक दिन चौन को गुस्सा आ गया और उसने अपना इस्तीफा बॉस को सौंप दिया और बॉस से कहा कि वो मेहनती लोगों की कीमत नहीं समझते। बॉस जानते थे कि चौन भी मेहनती है। इसलिए उन्होंने चौन को इस बात का एहसास कराने की सोची कि वो जिंग से बेहतर नहीं है। इसके लिए उन्होंने चौन से बाजार जाकर य पता करके आओ कि बाजर में तरबूज बिक रहे हैं और कितने रुपए किलो बिक रहे हैं। चौन पता करके आया और उसने बताया कि मार्केट में 12 रुपए किलो तरबूज बिक रहे हैं। इसके बाद बॉस ने जिंग से भी वहीं सवाल किया। जिंग बाजार गया और पतचा करके उसने बताया कि सिर्फ एक आदमी तरबूज बेच रहा है। 12 रुपए किलो, 100 रुपए के 10 किलो। उसके बाद उसने बताया कि उसके पास कुल 340 तरबूज हैं। हर तरबूज का वजन कम से कम 15 किलो है और वह दो दिन पहले ही उन्हें खरीदकर लाया है। इसलिए वो ताजे हैं। इस बात को सुनकर चौन अपने और जिंग के बीच के अंतर को समझ गया। इसलिए उसने वहां से इस्तीफा न देने की सोची और बॉस से कहा कि वो जिंग से सीखना चाहता है। इसलिए कहा जाता है कि सफल लोग हमेशा किसी काम को करने से पहले और बाद में गहराई से सोचते हैं।

सौंदर्य

चुटकियों में खूबसूरती निखारता है यह कॉकटेल पैकेज

पलूशन व नमी से अेसर स्किन डैमेज हो जाती है। ऐसे में स्किन में ग्लो लाने के लिए नॉर्मल फेशयल से बात नहीं बनती। लीन स्किन पाने के लिए आप कॉकटेल पैकेज यूज कर सकती हैं। इन दिनों इसकी डिमांड जोरों पर है।

ऑर्गैनिक वैक्स

ऑर्गैनिक वैस आर्म्स, लैग्स और अंडरऑर्म्स की शेविंग में बेहद यूजफुल है। ऑर्गैनिक वैस अनवांटेड बॉडी हेयर्स को रिमूव कर देता है। यही नहीं, अंडरग्रोथ हेयर में भी यह वैस काम करती है। टैनिंग के इफेक्ट को कम करने के साथ ही यह स्किन पर आए पैचेज को भी कम करता है।

आप कितना भी अच्छा और वॉटर प्रूफ मेकअप कर लें, पसीने की चंद बूंदे ही इसे बिगाड़ने के लिए काफी हैं। लेकिन अगर आपके चेहरे पर नैचरल ग्लो होगा, तो मेकअप धुलने के बाद भी इसकी चमक बरकरार रहती है।

डैमेज स्किन के लिए फायदेमंद

इन दिनों फेस का ग्लो बरकरार रखने के लिए कॉकटेल पैकेज का ट्रेंड है। कॉकटेल पैकेज के जरिए, स्किन का नैचरल मॉइश्चर और शाइनिंग वापस लाई जा सकती है। डैमेज स्किन के लिए भी यह ट्रीटमेंट बेहद यूजफुल है। कॉकटेल पैकेज में वे सभी चीजें आती हैं, जो स्किन को हेल्दी बनाती हैं। इस सीजन में स्किन की डीपे लीनिंग, पील ट्रीटमेंट और बालों को वॉल्यूम देना जरूरी है। कॉकटेल पैकेज में वे सभी चीजें रखी गई हैं, जो स्किन को गहराई से रिपेयर करती हैं।

फ्रेंच वाइन फेशल

स्किन में ब्राइटनेस लाने के साथ उसे टाइटनेस देने के लिए फ्रेंच वाइन फेशल बेस्ट है। दरअसल, वाइन में ऐंटी ऑक्सिडेंट प्रॉपर्टीज होती हैं, जो पीएच लेवल में बैलेंस रख हेल्दी और ग्लोइंग स्किन देती हैं। यह ट्रीटमेंट स्किन टाइटनिंग और पोर्स टाइटनिंग के साथ ही स्किन ग्लो और टैन रिमूवल में काफी मदद करता है। गर्म और नम सीजन में स्किन पोर्स ओपन हो जाते हैं। वाइन फेशल इन परेशानियों को दूर करता है।

नैचरल मिल्क ब्लीच

अब ऐसी भी लीचिंग आने लगी हैं, जिनमें नैचरल मिल्क प्रोटीन का यूज किया जाता है। जो डेड सेल्स को लीन कर स्किन हेयर को नैचरल कलर देती है। इसे फेस, फ्रंट और बैक नेक पर लगाएं। यह टैन रिमूवर का काम तो करती ही है, स्किन का कलर फेयर करने में भी मदद करती है।

बीयर स्पा

गर्मियों में बाल अपनी शाइनिंग खो देते हैं, ऐसे में बीयर स्पा ट्रीटमेंट बेहद यूजफुल है। अचानक किसी अके जन या फें शन में जाना हो, तो बीयर स्पा ट्रीटमेंट क्विक इफेक्ट देता है। यह उन लोगों के लिए भी यूजफुल है, जिनके बाल बेहद पतले और हल्के होते हैं। यह कंडीशनर का भी काम करता है और बालों को शाइनिंग देने के साथ ही वॉल्यूम भी देता है।

ताकि कंप्यूटर बच्चों का दोस्त बने न कि दुश्मन

आजकल कंप्यूटर एक फैमिली मेंबर की तरह हो गया है। बच्चे स्कूल से लौटने के बाद कई घंटे इस पर बिताते हैं। डॉक्टर्स के मुताबिक, कंप्यूटर पर ज्यादा समय तक काम करने से शरीर का पॉश्चर बिगड़ जाता है। अंगुलियों को आराम न मिलने से दर्द होता है और कई बार अंगुलियां सूज भी जाती हैं। स्क्रीन पर लगातार घूरते रहने से आंखों में चुभन हो सकती है। इन दिक्कतों के चलते बच्चे की सेहत प्रभावित हो सकती है। इसलिए इन जरूरी बातों को याल रखें...

घेर लेती हैं ये परेशानियां

लंबे समय तक कंप्यूटर पर काम करने से अेसर सिरदर्द, कमर या फिर गर्दन दर्द की परेशानी हो जाती है। फिर बच्चों का शरीर उतना मजबूत भी नहीं होता है। स्कूल में भी वह कई घंटे लासरूम में बैठे रहते हैं। ऐसे में जरूरी है कि घर लौटने पर वह फिजिकल ऐक्टिविटीज में भाग लें। पार्क में खेलें। लास रूम में बोर्ड और घर में लगातार कंप्यूटर की स्क्रीन देखने के कारण या आपके बच्चों की आंखें लाल हो जाती हैं या पानी से भर जाती हैं? अगर हां, तो सावधान हो जाएं! डॉक्टर्स के मुताबिक, कंप्यूटर पर ज्यादा समय तक काम करने से शरीर का पॉश्चर बिगड़ जाता है। अंगुलियों को आराम न मिलने से दर्द होता है और कई बार अंगुलियां सूज भी जाती हैं। इसके अलावा चमकती स्क्रीन पर लगातार घूरते रहने से आंखों में चुभन हो सकती है। आंखें लाल हो जाना, उनमें खुजली होना और धुंधला दिखाई देना तो कंप्यूटर से जुड़ी कुछ सामान्य समस्याएं हैं, जिनके वक्त रहते निदान की जरूरत होती है।

जॉइंट्स को नुकसान

देर तक गलत पॉश्चर में काम करने से नर्व और हड्डी से जुड़ी समस्याएं भी शुरू हो जाती हैं। जोड़ों के लिए मोशन लोशन का काम करता है। फिजिकल ऐक्टिविटीज से बॉडी में लिक्विड चीजों का प्रवाह बना रहता है और कार्टिलेज स्वस्थ रहते हैं जिससे हड्डियां मजबूत बनती हैं। गलत पॉश्चर में हर दिन 4 घंटे से अधिक बैठने से जोड़ धीरे-धीरे वीक होते चले जाते हैं। फिर बच्चों की तो अभी ग्रोथ हो रही है, अभी से अगर उन्हें सही चीजें नहीं सिखाई गई तो भविष्य में उनके लिए ज्यादा दिक्कत हो सकती है। इसलिए जब भी बच्चा कंप्यूटर पर काम करे, उस पर नजर रखें।

इ्राई आई सिंड्रोम

आंखों में जलन, चुभन महसूस होना, आंखें सूखी लगना, खुजली होना और उनमें भारीपन, पास की चीजें देखने में समस्या होना, रंगों का साफ दिखाई न देना, एक चीज का दो दिखाई देना, ये सब गलत ढंग से कंप्यूटर पर काम करने से होने वाली बीमारी के लक्षण हैं।

इसके अलावा यदि इन लक्षणों के साथ किसी व्यक्ति में अत्यधिक थकान होना, गर्दन, कंधों एवं कमर में दर्द होना, ये सब भी पाए जाएं तो इस अवस्था को केप्यूटर विजन सिंड्रोम कहते हैं। एकटक कंप्यूटर स्क्रीन को देखते रहने से आंखों के मॉइश्चराइजर पर बुरा प्रभाव पड़ता है। इससे आंखों की नमी कम हो जाती है। आंखों की इस नमी बनाए रखने हेतु बार-बार पलक झपकाना जरूरी है। आपको चाहिए बच्चे के बैठने के तरीके पर ध्यान दें। साथ ही उसे हर एक घंटे पर अपनी आंखों को 5-10 मिनट तक मूंद कर रखने के लिए कहें, ताकि आंसू की परत फिर से तैयार हो जाए।

सौंदर्य

खराब नेलपॉलिश को फैंके नहीं, यूं करें इस्तेमाल

नेलपॉलिश का इस्तेमाल नाखूनों को सजाने के लिए किया जाता है। महिलाओं के पास हर एक रंग की नेलपॉलिश होती है लेकिन थोड़े समय के बाद यह खराब हो जाती है और इसे फैंकना पड़ता है लेकिन इसका इस्तेमाल घर के दूसरे कामों के लिए किया जा सकता है। आइए जानिए किस तरह इस खराब नेल पॉलिश को दोबारा यूज कर सकते हैं।

- रसोई में साबुत मसालों के लिए एक जैसे डिबे लगे होते हैं लेकिन कई बार इन मसालों में फर्क कर पाना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में अलग-अलग रंग की नेलपॉलिश से जार पर निशानी लगा सकते हैं।

- लड़कियों को आर्टिफिशयल ज्वैलरी पहनने का बहुत शौंक होता है लेकिन कई बार उनके पास कपड़ों के रंग से मैचिंग ज्वैलरी नहीं होती। ऐसे में ड्रैस के रंग से मिलती-जुलती नेलपॉलिश को ज्वैलरी पर पेंट कर सकते हैं।

- घर में सभी दरवाजों के लिए अलग-अलग चाबी होती है जिसे इकट्ठा करके एक गुच्छे में रखा जाता है। अेसर ताला लगाते समय चाबियों का नंबर याद नहीं रहता। इसके लिए नेलपॉलिश से चाबी पर निशान लगा सकते हैं।

- कई बार पतली जुराबों का एक धागा निकल जाने से वह खराब हो जाती हैं। इसके लिए उसी रंग की नेलपॉलिश को उस जगह लगाएं जिससे और धागे नहीं निकलेंगे और वह पहनने लायक भी हो जाएंगी।

- ऑफिस या कहीं बाहर शर्ट या लाउज का बटन निकल जाए तो काफी शर्मिंदगी महसूस होती है। ऐसे में शर्ट पहनने से पहले बटन पर नेलपॉलिश का एक कोट लगा लें इससे वह दोबारा नहीं टूटेंगे। - लड़कियां सफेद जूतों के फीतों के लिए भी नेलपॉलिश का इस्तेमाल कर सकती हैं। फीतों पर रंग-बिरंगी नेलपॉलिश लगा सकते हैं। इस तरह सफेद जूतों में पिंक या नीले फीते बहुत बढ़िया दिखेंगे।

गुणों से भरपूर है चिरौंजी के बीज

चिरौंजी, इसे चारोली के नाम से भी जाना जाता है। इसके पेड़ की जड़, फल, पोंयां और गोंद का इस्तेमाल भारत में विभिन्न प्रकार की औषधीयों को बनाने में किया जाता हैं। इसके अलावा इसके बीज में विटामिन ए, बी1 बी2, फाइबर और अन्य पोषक तत्व भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं जो शरीर को स्वस्थ बनाएं रखने में काफी मददगार साबित होते हैं।

1. प्रोटीन की कमी पूरी करें : चिरौंजी में प्रोटीन ज्यादा मात्रा में पाया जाता है। रोजाना इसका सेवन करने से शरीर में प्रोटीन की कमी पूरी हो जाती हैं।

2. सर्दी-जुकाम : सर्दी-जुकाम में भी इसका सेवन काफी फायदेमंद होता है। इसके लिए आप घी में दो चेमच पिसी हुई चिरौंजी को छोंक लें। फिर इसे एक गिलास दूध में डालकर उबाल लें। और गुन गुना होने पर इसका सेवन करें। इसे पीने से आपको जल्दी आराम मिलेगा।

3. सुंदर त्वचा : गुलाब जल के साथ चिरौंजी को अच्छी तरह से पीस कर के एक लेप तैयार कर लें। अब इस लेप को चेहरे पर लगा लें। सूखने के बाद आप इस लेप को हल्के हाथों से रगड़ -रगड़ कर निकालें और फिर बाद में चेहरे को साफ पानी से धो लें।

4. कमजोरी दूर करें : कमजोरी दूर करने में चिरौंजी काफी फायदेमंद साबित होती है। रोजाना चिरौंजी के बीज को दूध में डालकर पीने से कमजोरी दूर हो जाती है।

5. मुंह के छाले ठीक करें : अगर आपके मुंह में छाले पड़ गए हैं तो ऐसे में चिरौंजी को दिन में दो बार बारीक चबा-चबा कर उसका सेवन करें। ऐसा करने से मुंह के छाले से राहत मिलेगी।

गर्मियों में बेल का रस पीने के 6 फायदे

बेल एक फल है, जिसका रस सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। इसमें प्रोटीन,विटामिन सी,थाइमीन जैसे और भी बहुत से जरूरी तत्व पाएं जाते हैं। गर्मी के मौसम में इसका सेवन करने से कई तरह की समस्याएं दूर रहती हैं। बाजार में बेल के बने शर्बत आसानी से मिल जाते हैं लेकिन बेल के फल का गुद्दा दूध और पानी के साथ मिलाकर पीना भी फायदेमंद होता है।

1. पेट की समस्या : पेट में गैस,जलन या केज है तो इसके लिए रोजाना बेल का शर्बत पीने से राहत मिलती है। बेल से अपच की समस्या भी दूर हो जाती है।

2. दस्त और डायरिया : गर्मी के कारण दस्त और डायरिया होने का खतरा ज्यादा रहते है। इससे बचने के लिए बेल के शर्बत का सेवन करें।

3. दिल की बीमारियां : बेल के शर्बत का सेवन करने से शरीर में ठंडक रहती है और इससे दिल से जुडी परेशानियां भी दूर हो जाती हैं।

4. खून करे साफ : बेल के शर्बत के रोजाना पीने से खून साफ रहता है। जिससे किसी भी संक्रमण का खतरा कम हो जाता है।

5. शरीर में ठंड़क : गर्मी के तपते मौसम में लू से बचने के लिए बेल का शर्बत पीएं। इससे शरीर में ठंड़क रहती हैं और लू नहीं लगती।

6. मुंह के छाले दूर : मुंह में बार-बार छाले हो रहे हैं तो इसके लिए बेल का शर्बत बैस्ट है। इसके सेवन से छाले ठीक हो जाते हैं।

प्यार नहीं, रिश्तों में दिखने लगा है नफा-नुकसान!

रिश्तों में कैल्कुलेशन की बात सुनने में भले ही अजीब लगती हो, परंतु यह सच है कि आज रिश्तों में भावनात्मक जुड़ाव नाम मात्र को भी देखने में नहीं मिलता और हर रिश्ता नफा और नुक्सान को सोच कर ही बनाया जाता है या आगे चलता है। किसने आपको कितना दिया, आपने कहीं उससे हमेशा ज्यादा तो नहीं किया, सामने वाले के कांटैक्ट्स को आप कितना यूज कर सकते हैं या कौन आपके कितने काम आ सकता है, इस तरह की बातें अब हर इंसान सोचने लगा है। यदि सामने वाले से कोई फायदा नहीं तो वह रिश्ता बेमानी सा लगने लगता है। पुरानी पीढ़ी जहां इस तरह की सोच को स्वार्थ का नाम देती थी, वहीं आज की जैनेरेशन इसे प्रैक्टीकल का नाम देती है।

रिश्तों का गुणा हिसाब

यदि आपने किसी को शादी-ब्याह में शगुन डाला है, तो उमीद की जाती है कि आपके यहां जब कोई ऐसा समारोह हो तो सामने वाला उससे ज्यादा ही डाले, यदि ऐसा नहीं हो पाता, तो दिलों का प्यार और रिश्तों का अपनापन जैसे खत्म ही हो जाता है।

खत्म हो जाते हैं रिश्ते

आज के दौर में रिश्ते निभाने का किसी के पास भी वक्त ही नहीं बचा, सो अपने गांव का या अपने शहर का होने पर जो रिश्ता कभी बनता लोगों के दिलों में उसके लिए तो बिल्कुल ही जगह नहीं बची है, इतना ही नहीं रिश्तदारी में भी दूर के मामा एवं चाचा के यहां रिश्तेदारी निभाने का किसी के पास वक्त नहीं है। यही कारण है कि अब उंगलियों पर गिने जा सकने वाले रिश्ते ही रह गए हैं और उनमें भी वक्त की कमी के कारण दूरियां आने लगी हैं।

पैसा, प्रोफेशन और कामयाबी जिम्मेवार

आज के दौर में अधिकांश लोग कामयाबी को छू रहे हैं, तो जाहिर सी बात है कि पैसा भी ज्यादा आता है, ऐसे में वे रिश्तेदार या दोस्त कहीं पिछड़ जाते हैं, जो कि जीवन में कोई मुकाम हासिल नहीं कर पाए हैं। शायद यही कारण है कि प्रोफेशनल रिश्तों को ज्यादा अहमियत दी जाती है, जिनसे बिजनेस में लाभ हो रहा हो या वे आपको प्रमोशन दिला सकते हों।

कैल्कुलेटिव होने के कारण

- समय की कमी भी इसका एक कारण है कि जिनसे हमें फायदा होता है, उन्हीं से हमारी बात भी होती है।

- आज के युवा ज्यादा प्रैक्टिकल हैं और वे अपना फायदा सबसे पहले देखते हैं।

- आज वीकेंड में अपने रिश्तेदारों के पास जाने का किसी के पास समय नहीं है, सो पार्टी, गैट-टूगैदर या पिकनिक अपने कलीग्स या फ्रैंडस के साथ करने से भी लोगों की सोच में हर दिन बदलाव आने लगा है।

थोड़ा सा बदलना जरूरी

आज एक बार फिर से यह सोचने और समझने की जरूरत है कि आप हर रिश्ते को नफा और नुक्सान से जोड़ कर नहीं देख सकते, कुछ रिश्ते आपको भावनात्मक भी बनाने पड़ेंगे, क्योंकि यही रिश्ते आड़े वक्त पर सही मायने में आपके काम आते हैं।

» रिश्ते बनाते समय जरूरत वाली सोच को अलग रखें।

» रिश्तों में प्यार एवं अपनेपन को जगह दें तथा उसकी भावनाओं का सम्मान करें।

» कई बार सामने वाले के लुक्स भले ही ना हों, परंतु मुसीबत के समय वह आपको भावनात्मक सहारा दे सकता है, जिससे कि आपको उन परिस्थितियों से बाहर आने में सहायता मिलेगी। इसी प्रकार उसी जरूरत के समय आप भी उसके साथ हमेशा खड़े रहें।

» पैसा, शोहरत और रुतबा पाने के बावजूद भी कई बार हम स्वयं को बेहद अकेला महसूस करते हैं, ऐसे में जो दोस्त हमारे साथ दिल से जुड़े होते हैं, उस अकेलेपन को बांटने बिना किसी स्वार्थ के आपके पास पहुंच जाते हैं।

» यदि आप किसी से मतलब का रिश्ता बना रहे हैं, तो जाहिर सी बात है कि दूसरे ने भी मतलब को देख कर ही आपसे दोस्ती की होगी अर्थात जहां मतलब खत्म वहां दोस्ती खत्म होने में एक पल भी नहीं लगेगा।

» इसलिए अपने दोस्तों एवं करीबी लोगों को समय दें तथा उनसे एक प्यारा सा रिश्ता हमेशा बना कर रखें।

» रिश्तों का अर्थ केवल लेन-देन ही नहीं होता और ना ही यह सोचे कि आपने महंगा उपहार दिया और सामने वाले ने सस्ता दिया, इस तरह की सोच रिश्तों में अंतर ही लाएगी।

» रिश्ते को रिश्ता ही रहने दें, उसमें व्यापार की भावना को घर ना बनाने दें।

» आप जिस समय रिश्तों में अपनी कैल्कुलेशन वाली सोच बदल देंगे, तो रिश्तों को निभाने का वक्त भी मिलने लगेगा और मन में यह खुशी भी होगी कि आपके पास कुछ ऐसे रिश्ते हैं, जो कि ताउम्र आपका साथ देंगे, भले ही जीवन में परिस्थितियां कैसी भी आ जाएं।

रेसिपी

स्पाईसी बाजरा पराठा

सामग्री

1 कप बाजरा का आटा, 2 टेबल-स्पून गेहूं का आटा, नमक स्वादअनुसार, बाजरा का आटा , बेलने के लिए, 3 टी-स्पून तेल , पकाने के लिए, मिलाकर भरवां मिश्रण बनाने के लिए ,3/4 कप चूरा किया हुआ लो फैट पनीर, 1/2 कप बारीक कटी हुई मेथी, 3/4 कप बारीक कटे हुए टमाटर, 2 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, नमक स्वादअनुसार, परोसने के लिए: लो-फैट दही

विधि

भरवां मिश्रण को 6 बराबर भाग में बांटकर एक तरफ रख दें। बाजरे का आटा, गेहूं का आटा और नमक को एक बाउल में अच्छी तरह मिला लें और जरुरत मात्रा में गरम पानी का प्रयोग कर नरम आटा गूंथ लें। आटे को 6 बराबर भाग में बांटकर एक तरफ रख दें। थोड़े सूखे बाजरे आटा का प्रयोग कर, आटे के एक भाग को 125 मिमी (5) व्यास के गोल आकार में बेल लें। रोटी के आधे भाग में, भरवां मिश्रण के एक भाग को रखकर, चंद्राकार में मोड़ लें। एक नॉन-स्टिक तवा गरम करें, और 1/2 टी-स्पून तेल का प्रयोग कर पराठे के दोनो तरफ सुनहरे दाग पड़ने तक पका लें। दोहराकर 5 और पराठे बना लें। लो-फैट दही के साथ तुरंत परोसें।

चटपटा दहीवाला ब्रेड

सामग्री

5 ब्रेड स्लाईस , टुकड़ो में कटे हुए, 1/2 कप दही, 1/4 टी-स्पून हल्दी पाउडर, 1/2 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, नमक स्वादअनुसार, 1/2 टी-स्पून ज़ीरा, 1/4 टी-स्पून हींग, 3 - 4 कड़ी पत्ता, 1/2 टी-स्पून कसा हुआ अदरक, 1/4 कप पतले स्लाईस्ट प्याज, 2 टेबल-स्पून तेल, सजाने के लिए, 1 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया

विधि

एक बाउल में 2 दही, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और नमक को 2 टेबल-स्पून पानी के साथ अच्छी तरह मिला लें। ब्रेड के टुकड़े डालकर अच्छी तरह मिला लें। एक तरफ रख दें। एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में तेल गरम करें और जीरा डाले। जब बीज चटकने लगे, हींग, कड़ी पत्ता और अदरक डालकर मध्यम आंच पर कुछ सेकेन्ड तक भून लें। प्याज़ के स्लाईस डालकर मध्यम आंच पर 1 से 2 मिनट तक या उनके हल्के सुनहरे होने तक भून लें। ब्रेड का मिश्रण डालकर धीमी आंच पर 1 से 2 मनट या ब्रेड के सुनहरा होने तक, बीच-बीच में हिलाते हुए भुन लें। धनिया से सजाकर गरमा गरम परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम** ● **फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**